सूर्योदय 5:29 सूर्यास्त 7:26

आज का तापमान

शिमला	17.8 न्यू	25.8 अधि
धर्मशाला	19.8 न्यू	32.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,186
निफ्टी	24,072

सोना 1,42,000 चांदी 2,20,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शुक्रवार, 17 जुलाई 2026 | 2 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 83, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विकसित भारत
के लिए आधुनिक रेल
बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर

हिमाचल प्रदेश के पुनर्विकसित अम्ब अन्दौरा अमृत स्टेशन
सहित
देश भर के 75 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों
का उद्घाटन

अम्ब अन्दौरा

मुख्य विशेषताएँ

- सिटी सेंटर के तौर पर विकसित स्टेशन
- क्षेत्र में प्रर्यटन, रोजगार और व्यापार को बढ़ावा
- यात्री अनुकूल आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित
- स्थानीय संस्कृति और वास्तुकला से प्रेरित बिल्डिंग डिजाइन
- बेहतर पार्किंग और प्रतीक्षालय से युक्त
- जल संरक्षण, सौर ऊर्जा और हरित क्षेत्र का प्रबंध

प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
के द्वारा
(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से)

17 जुलाई, 2026 | अपराह्न 03:30 बजे | जालंधर छावनी रेलवे स्टेशन

गरिमामयी उपस्थिति

कविंदर गुप्ता
राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश

सुखविंदर सिंह सुक्खू
मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश

जगत प्रकाश नड्डा
केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री
तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री

मुकेश अग्निहोत्री
उप मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश

अनुराग सिंह ठाकुर
सांसद, लोकसभा

/RailMinIndia पर हमें फॉलो करें

भारतीय रेल
www.indianrailways.gov.in

DD NEWS डीडी न्यूज पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें

ईडी ने पठानकोट में पांच स्थानों पर की छापेमारी क्रशर व प्रॉपर्टी कारोबार से जुड़े ठिकानों को जांचा

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वीरवार को पठानकोट में पांच स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। ईडी की टीम ने सरहदी क्षेत्र नरोट जैमल सिंह स्थित क्रशर यूनिटों, शहर के सैली रोड स्थित क्रशर कारोबारी के ठिकानों और तारागढ़ क्षेत्र में एक प्रॉपर्टी डीलर के घर पर जांच की।

सूत्रों के अनुसार ईडी की टीम पुलिस और सुरक्षा बलों की मौजूदगी में मौके पर पहुंची। हालांकि, छापेमारी किस मामले को लेकर की गई है, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। जानकारी के मुताबिक, जांच के दौरान अधिकारियों ने संबंधित ठिकानों से दस्तावेज, वित्तीय रिकॉर्ड और अन्य जरूरी कागजातों की जांच की। ईडी अधिकारियों ने कार्रवाई को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। बताया जा रहा है कि ईडी की टीम जालंधर से पहुंची थी, जिसमें करीब 20 अधिकारी शामिल थे।

टीम ने तारागढ़ क्षेत्र के पूर्व सरपंच एवं प्रॉपर्टी डीलर के आवास, सैली रोड स्थित क्रशर कारोबारी के कार्यालय और दतियाल गांव स्थित क्रशर यूनिट की जांच की। कार्रवाई के दौरान मीडिया को मौके से दूर रखा गया। खबर लिखे जाने तक ईडी की जांच जारी थी और आधिकारिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा था।

नशा तस्करों की 2.28 करोड़ की अवैध संपत्ति जब्त

नशे के आर्थिक नेटवर्क पर पुलिस का प्रहार, वर्ष 2026 में अब तक 4.11 करोड़ की संपत्तियां जब्त

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नशे के कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए शिमला पुलिस अब सिर्फ तस्करों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है। पुलिस अब उन संपत्तियों पर भी कार्रवाई कर रही है, जिन्हें मादक पदार्थों की तस्करी से कमाए गए पैसे से खरीदा गया है।

इसी कड़ी में जिला पुलिस शिमला ने दो अलग-अलग मामलों में वित्तीय जांच पूरी करने के बाद करीब 2.28 करोड़ रुपए मूल्य की चल और अचल संपत्तियां जब्त की हैं। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई नशा तस्करी के आर्थिक नेटवर्क को कमजोर करने की दिशा में की गई है। पहला मामला कोटखाई थाना क्षेत्र से जुड़ा है। इस मामले में मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े 17 आरोपियों के खिलाफ विस्तृत वित्तीय जांच की गई। जांच के दौरान बैंक रिकॉर्ड, वित्तीय लेन-देन और अन्य दस्तावेजों का विश्लेषण किया गया। इसमें सामने आया कि आरोपियों ने नशे के कारोबार से अर्जित धन से बड़ी मात्रा में संपत्ति बनाई थी। पुलिस जांच में पता चला कि इस पैसे से 16 वाहन, सोलन स्थित चोपड़ा अपार्टमेंट्स में दो आवासीय फ्लैट और एक आवासीय भवन खरीदा गया था। ये दोनों फ्लैट हरिंदर सिंह और प्रदीप कुमार के नाम पर खरीदे गए थे। इन सभी संपत्तियों का कुल मूल्य करीब 2.05 करोड़ रुपए आंका गया है। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि आरोपियों की वैध आय और उनके नाम पर मौजूद संपत्तियों के बीच बड़ा अंतर है। दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड के आधार पर यह स्थापित हुआ कि ये संपत्तियां मादक पदार्थों की अवैध तस्करी से अर्जित धन से खरीदी गई थीं। इसके बाद पुलिस ने कानून के प्रावधानों के तहत सभी चल और अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया। दूसरा मामला बालूगंज थाना क्षेत्र का है।

इस मामले में पुलिस ने तारा देवी रोड पर एक आरोपी के कब्जे से आठ ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद की थी। जांच आगे बढ़ने पर एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया। इस मामले में कुल दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई। इस प्रकरण में भी पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत विस्तृत वित्तीय जांच की। बैंक खातों, वित्तीय लेन-देन, राजस्व रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों की जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी ऋषभ कुमार ने नशा तस्करी से अर्जित धन से शिमला जिले के मौजा भरोई में एक भूमि का प्लॉट और एक सियाज कार खरीदी थी।

इन दोनों संपत्तियों का कुल मूल्य 23.23 लाख रुपए आंका गया। जांच में यह भी पाया गया कि आरोपी की वैध आय इन संपत्तियों की खरीद से मेल नहीं खाती। इसके बाद पुलिस ने भूमि और वाहन को भी कानून के तहत जब्त कर लिया। इन दोनों मामलों को मिलाकर जिला पुलिस शिमला ने करीब 2.28 करोड़ रुपए मूल्य की अवैध चल और अचल संपत्तियों पर कब्जा लिया है। पुलिस का कहना है कि वित्तीय जांच के आधार पर अपराध से अर्जित संपत्तियों की पहचान कर उन्हें जब्त करने की यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

शिमला पुलिस के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक वित्तीय जांच के आधार पर छह मामलों में 24 आरोपियों की कुल 4.11 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं। पुलिस का दावा है कि पूरे हिमाचल प्रदेश में किसी भी जिला पुलिस द्वारा यह अब तक की सबसे बड़ी संपत्ति जब्ती की कार्रवाई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष 2024 और 2025 में शिमला जिले में वित्तीय जांच के आधार पर अवैध संपत्तियों की जब्ती का कोई मामला सामने नहीं आया था।

नशा तस्करों की अवैध कमाई पर पुलिस की नजर: एसएसपी

एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने कहा है कि नशा तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी इसी सख्ती के साथ जारी रहेगा। पुलिस का कहना है कि नशे के कारोबार में शामिल लोगों की केवल गिरफ्तारी ही नहीं की जाएगी, उनकी अवैध कमाई से बनाई गई संपत्तियों का भी पता लगाकर उन्हें कानून के अनुसार जब्त किया जाएगा। इससे नशा तस्करी के पूरे आर्थिक तंत्र पर सीधी चोट पहुंचेगी।

प्रदेश के सरकारी कॉलेजों की भर्तियों में अब ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी डिग्री कॉलेजों और संस्कृत कॉलेजों में होने वाली प्रत्यक्ष भर्तियों में अब आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के अभ्यर्थियों को आरक्षण का लाभ मिलेगा। उच्च शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में प्रदेश के सभी सरकारी कॉलेजों के प्राचार्यों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में होने वाली सभी भर्ती प्रक्रियाओं में राज्य सरकार के नियमों के अनुसार ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू किया जाए। यह व्यवस्था ग्रुप-ए, बी, सी और डी पदों पर होने वाली प्रत्यक्ष भर्तियों पर लागू होगी। उच्च शिक्षा निदेशालय ने प्राचार्यों को आदेशों का अध्ययन कर समय पर आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए हैं। विभाग का कहना है कि इस फैसले से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों को सरकारी कॉलेजों में रोजगार के अवसरों में लाभ मिलेगा।

भाजपा जन आंदोलन के नाम पर ध्यान भटका रही: विनय कुमार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जन आंदोलन के नाम पर कांग्रेस के खिलाफ कितनी भी समितियां बनाई जाएं, लेकिन जनता अब भाजपा के बहकावे में नहीं आएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि गंभीर आरोपों से घिरी भाजपा मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। विनय कुमार ने कहा कि भाजपा को नीट पेपर लीक और राम मंदिर चंदे में कथित अनियमितताओं पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने इन मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि आय-व्यय और चंदे का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने बताया कि कांग्रेस इन मुद्दों को लेकर प्रदेशभर में आंदोलन तेज करेगी। जिला स्तर के बाद अब ब्लॉक स्तर पर भी विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को कांग्रेस मजबूती से उठाती रहेगी।

आदित्य की सफलता जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत: डीसी राहुल कुमार

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। डीसी बिलासपुर राहुल कुमार ने घुमारवीं क्षेत्र के होनहार छात्र आदित्य को देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस्ड-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 177 प्राप्त करने तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसई) में प्रवेश मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

डीसी ने कहा कि आदित्य की यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन, दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। आदित्य ने अपनी प्रतिभा और समर्पण से न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे बिलासपुर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। राहुल कुमार ने कहा कि आदित्य की सफलता जिले के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी उपलब्धि से अन्य युवा भी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होंगे तथा अपने सपनों को साकार करने के लिए पूरी लगन और मेहनत से प्रयास करेंगे। इस अवसर पर आदित्य के पिता एवं खंड विकास अधिकारी विजय कुमार भी उपस्थित रहे।

केवाईसी के नाम पर बुजुर्गों की पेंशन रोकना बंद करे सरकार : जयराम ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार पर वृद्धावस्था पेंशन और सहारा योजना के लाभार्थियों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि केवाईसी प्रक्रिया में तकनीकी खामियों और प्रशासनिक लापरवाही के कारण बड़ी संख्या में पात्र बुजुर्ग लंबे समय से पेंशन से वंचित हैं।

उन्होंने सरकार से मांग की कि केवाईसी के नाम पर जरूरतमंद लोगों की पेंशन रोकने की बजाय लंबित मामलों का शीघ्र समाधान किया जाए।

शिमला से जारी बयान में जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि चालू वित्त वर्ष में एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक एवं समाज कल्याण विभाग के बजट में 1,618 करोड़ रुपए से घटाकर 604 करोड़ रुपए कर दिए गए हैं। उनके अनुसार, बजट में 63 प्रतिशत की कटौती का असर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर पड़ा है और इसी वजह से पात्र लाभार्थियों को समय पर पेंशन नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि कई लोगों को संबंधित कार्यालयों में फंड नहीं आया या केस भेज दिया गया है' कहकर लौटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सहारा योजना के कई वास्तविक लाभार्थियों को रिकॉर्ड में मृत दर्शाकर उनकी पेंशन बंद कर दी गई है, जो गंभीर प्रशासनिक लापरवाही का मामला है।

26 को शिमला में शिक्षक भरेंगे हुंकार, सिरमौर से भी सैकड़ों शिक्षक होंगे शामिल

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। प्रदेश सरकार शिक्षक संघ की ओर से 26 जुलाई को शिमला में प्रस्तावित राज्यस्तरीय प्रदर्शन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस प्रदर्शन में सिरमौर जिले से भी सैकड़ों शिक्षक भाग लेने जा रहे हैं। इसी क्रम में पांवटा साहिब के शिक्षकों ने भी एकजुट होकर सरकार को स्पष्ट संदेश दिया कि लंबे समय से लंबित 25 सूत्रीय मांगपत्र पर अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस निर्णय चाहिए। शिक्षकों का कहना है कि उनकी सबसे प्रमुख मांग क्लस्टर व्यवस्था से जुड़ी है, जिसे सरकार को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना चाहिए। शिक्षकों ने कहा कि यदि सरकार ने समय रहते उनकी मांगों पर सकारात्मक फैसला नहीं लिया, तो अब शिक्षक चुप नहीं बैठेंगे। आने वाले समय में आंदोलन को और व्यापक तथा तेज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

परिवार या रिश्तेदारी में बच्चा गोद लेने के लिए अब सीएआरए में पंजीकरण अनिवार्य

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। परिवार, रिश्तेदारी या सौतेले माता-पिता के माध्यम से बच्चे को गोद लेने के लिए अब केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) के पोर्टल पर पंजीकरण कर कानूनी प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य होगा। आवेदन के बाद सभी औपचारिकताएं पूरी होने पर जिला दंडाधिकारी द्वारा दत्तक ग्रहण प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। इस प्रक्रिया के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

डीसी अनुपम कश्यप ने बताया कि परिवार या रिश्तेदारी में बच्चों को बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए गोद लेने से भविष्य में कई कानूनी विवाद उत्पन्न हो सकते हैं इसलिए इच्छुक अभिभावकों को सीएआरए के माध्यम से आवेदन कर निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना चाहिए, जिससे बच्चे और दत्तक माता-पिता दोनों को कानूनी अधिकार प्राप्त हो सकें। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से शिशु गृह और आश्रमों में रह रहे बच्चों को अपनाकर उनका उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने की अपील भी की। जिला कार्यक्रम अधिकारी ममता पॉल ने बताया कि दत्तक ग्रहण के लिए प्राप्त आवेदनों का चयन निर्धारित पात्रता और मेरिट के आधार पर किया जाता है। सभी दस्तावेजों के सत्यापन और कानूनी औपचारिकताओं के बाद ही बच्चे को दत्तक दिया जाता है। यदि बच्चे की आयु पांच वर्ष या उससे अधिक है तो उसकी सहमति भी आवश्यक होती है।

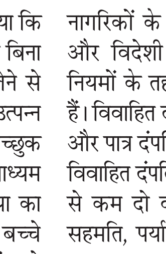

जिला बाल संरक्षण अधिकारी इंदु शर्मा ने कहा कि भारतीय नागरिकों के साथ-साथ एनआरआई और विदेशी नागरिक भी निर्धारित नियमों के तहत बच्चा गोद ले सकते हैं। विवाहित दंपति, एकल अभिभावक और पात्र दंपति आवेदन कर सकते हैं। विवाहित दंपति के लिए विवाह के कम से कम दो वर्ष पूरे होना, दोनों की सहमति, पर्याप्त आय, स्वास्थ्य संबंधी प्रमाणपत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार के प्रयासों से 20 दिसंबर 2022 से एक सितंबर 2025 तक 25 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' का सफलतापूर्वक दत्तक ग्रहण कराया जा चुका है।

एसजेवीएन की अध्यक्षता में नराकास शिमला की छमाही बैठक, हिंदी के प्रयोग पर हुआ मंथन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। एसजेवीएन लिमिटेड की अध्यक्षता में गठित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), शिमला (कार्यालय-2) की छमाही बैठक एसजेवीएन परिसर में आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता एसजेवीएन के निदेशक (कार्मिक) अजय कुमार शर्मा ने की। बैठक में शिमला स्थित केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग की प्रगति की समीक्षा की गई तथा भारत सरकार द्वारा निर्धारित राजभाषा लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में विचार-विमर्श किया गया। अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा ने कहा कि सभी सदस्य कार्यालय हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए सराहनीय कार्य कर रहे हैं और आगे भी इसी गति को बनाए रखते हुए सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दें।

इस अवसर पर उन्होंने नराकास, शिमला (कार्यालय-2) की अध्यक्षता का कार्यभार भारतीय रिजर्व बैंक को सौंपा और उन्हें शुभकामनाएं दीं। भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक अनूप किशोर ने एसजेवीएन की अध्यक्षता में वर्ष 2015 से नराकास के सफल संचालन की सराहना की। बैठक में मानव संसाधन विभागाध्यक्ष बलजीत सिंह, नराकास सदस्य सचिव आशीष पंत सहित शिमला स्थित केंद्रीय सरकारी कार्यालयों, उपक्रमों और बैंकों के 54 वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

टाई चंडीगढ़ के कार्यक्रम में शामिल होंगे सीएम सुक्खू

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। टाई चंडीगढ़ की ओर से 18 जुलाई को हयात रीजेंसी, चंडीगढ़ में लीडरशिप कॉन्क्लेव और 23वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित की जाएगी। 'स्ट्रेनगथेनिंग पार्टनरशिप्स, एडवांसिंग एंटरप्रेन्योरशिप' विषय पर होने वाले इस कार्यक्रम में उद्यमी, स्टार्टअप संस्थापक, निवेशक, उद्योग प्रतिनिधि और नीति निर्माता भाग लेंगे। कॉन्क्लेव में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू मुख्यातिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में स्टार्टअप, एमएसएमई, नवाचार, निवेश के अवसर और उत्तर भारत में उद्यमिता को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर चर्चा होगी। टाई चंडीगढ़ के प्रेसिडेंट पुनीत वर्मा ने कहा कि मजबूत साझेदारी से ही बेहतर स्टार्टअप इकोसिस्टम तैयार किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि संगठन 'टाई वूमेन' और 'टाई यंग एंटरप्रेन्योर्स' जैसी पहलों के माध्यम से नए उद्यमियों को मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध करा रहा है।

कांग्रेस सरकार ने सरकारी संस्थानों को बंद करने का कीर्तिमान किया स्थापित: डॉ. बिंदल

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि गत 4 वर्षों के कार्यकाल में कांग्रेस की सरकार ने और सिरमौर जिला के सभी कांग्रेसी नेताओं ने सिरमौर जिले के संस्थानों को बंद करने का बहुत बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है।

उन्होनें कहा कि 2022-23 में 6 स्कूल बंद किए 2023-24 में 12 स्कूल बंद किए, 2024-25 में 29 स्कूल बंद किए और 2025-26 में 12 स्कूल बंद किए गए और न जाने 2026-27 में कितने स्कूल और बंद होंगे। इस प्रकार सुखविंद्र सिंह सुक्खू की सरकार और सिरमौर जिला के कांग्रेस के नेताओं ने 59 स्कूल बंद करने का रिकॉर्ड कायम किया है। डॉ. बिंदल ने वीरवार को कहा कि नाहन भी इससे अछूता नहीं है। नाहन के भी दूर-दराज के ऐसे क्षेत्रों के स्कूल बंद किए जिनके बच्चे आज शिक्षा प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। उन्होनें कहा कि स्कूल ही नहीं नाहन विधानसभा क्षेत्र में उप तहसील कालाआम को ताला लगाया, पटवार सर्कल जोहड़ो, नागन सकेती, पालियों को, सैनवाला आमवाला, विक्रम बाग देवनी को ताले लगाए गए। हजारो लोग जो उप तहसील से, पटवार सर्कल से लाभ उठा रहे थे, उनका क्या दोष है ? आज उनको 50 किलोमीटर का सफर तय करके तहसील पहुंचना पड़ रहा है, 20-20 किलोमीटर का सफर करके पटवार सर्कल जाते हैं जहां लंबी-लंबी लाइने लगी होती हैं और कांग्रेस के नेताओं ने इसको हंसकर बंद किया है। डॉ. बिंदल ने कहा कि जो गरीब आदमी, महिला, पुरूष, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो से ईलाज करवा रहे थे, उन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो को बंद कर दिया गया। त्रिलोकपुर जैसे महत्वपूर्ण स्थान के प्राथमिक स्वास्थ्य को केंद्र को बंद कर दिया, सैनवाला मुबारिकपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को बंद कर दिया, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पंजाहल को बंद कर दिया, साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भारापुर को भी बंद कर दिया।

प्रदेश में 5 दिन ठप रहेंगी राज्य सहकारी बैंक की सेवाएं

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। अगर आपका खाता हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक में है तो अगले कुछ दिनों के लिए अपने जरूरी बैंकिंग काम पहले ही पूरे कर लें। बैंक ने 17 जुलाई की शाम 5 बजे से 22 जुलाई की सुबह 10 बजे तक अपनी सभी बैंकिंग सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रखने का फैसला किया है। इस दौरान बैंक अपने पूरे कोर बैंकिंग सिस्टम को नए फिनाकल सॉफ्टवेयर पर स्थानांतरित करेगा। बैंक के प्रबंध निदेशक विनय सिंह ने वीरवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह बदलाव बैंक की तकनीकी व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए किया जा रहा है। नए सिस्टम के शुरू होने के बाद ग्राहकों को पहले से अधिक सुरक्षित, तेज और बेहतर बैंकिंग सेवाएं मिलेंगी। इस अवधि में बैंक की शाखाओं में होने वाले सभी लेनदेन बंद रहेंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत रोपड़ी विकास खंड गोपालपुर, तहसील सरकाघाट, जिला मंडी (हि.प्र.)

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत रोपड़ी के अंतर्गत वित्त वर्ष 2026-27 के लिए निम्न सामग्री की आपूर्ति हेतु कोटेशन/निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तिथि 10/08/2026 शाम 5 बजे तक है। इच्छुक फर्म/व्यक्ति अपनी निविदा डाक अथवा व्यक्तिगत रूप से ग्राम पंचायत कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। प्राप्त निविदाएं 13/08/2026 को समिति के समक्ष खोली जाएंगी। **सामग्री विवरण-** * रेत क्रशर प्रति घन मीटर * रेत प्लाट प्रति घन मीटर * पक्की ईंट (ABC ग्रेड) - 1000 Nos. * बजरी क्रशर प्रति घन मीटर * पत्थर (Cut Stone) प्रति घन मीटर * सोलिंग/बोल्डर पत्थर प्रति घन मीटर * J.C.B. मशीन द्वारा कटान प्रति घंटा/प्रति घन मीटर * शटरिंग (भवन निर्माण/अन्य) प्रति वर्ग मीटर एवं रनिंग मीटर * सामग्री ढुलाई * सीमेंट प्रति कि.मी. * Sign Board (Standard Size per Board) * Water Cooler (20, 40, 60, 80 Ltr.) with & without fitting * Segregation Shed * Cement/Concrete Bench * Steel Benches * Painting & Writing of Sign Board * Mixture Machine * Dustbins (विभिन्न क्षमता) **नियम एवं शर्तें-** 1. निविदादाता के पास Active GST पंजीकरण होना अनिवार्य है। 2. निविदा लेटर पैड पर संबंधित पंचायत को भेजनी होगी। 3. बिल के साथ Valid Rate List तथा Form X एवं W का Valid Transit Pass जमा करवाना होगा। 4. सभी करों का लेन-देन सरकार के प्रावधानों के अनुसार होगा। 5. सामग्री लोक निर्माण विभाग (PWD) की स्पेसिफिकेशन के अनुरूप होनी चाहिए। 6. दरें अंकों एवं शब्दों दोनों में स्पष्ट रूप से लिखी हों। 7. निर्माण सामग्री कार्यस्थल/सड़क तक उपलब्ध करवानी होगी। 8. सफल निविदादाता को रु.20,000/- सुरक्षा राशि तथा रु.1,000/- (नॉन-रिफंडेबल) आवेदन शुल्क संबंधित पंचायत में जमा करवाना होगा। 9. यदि समयानुसार सामग्री उपलब्ध नहीं करवाई गई तो सुरक्षा राशि जब्त कर ली जाएगी तथा आवश्यक सामग्री बाजार भाव पर खरीदकर निविदा निरस्त की जा सकती है। 10. किसी भी निविदा को बिना कारण बताए स्वीकार/अस्वीकार करने तथा समान दर होने की स्थिति में एक या एक से अधिक निविदादाताओं को कार्य आवंटित करने एवं निविदा किसी भी समय रद्द करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। 11. सामग्री राशि का भुगतान TA/JE की पैमाइश के उपरांत किया जाएगा तथा बिलों के साथ मात्रा सहित Valid Transit Pass Form X एवं W संलग्न करना अनिवार्य होगा, अन्यथा भुगतान नहीं किया जाएगा। 12. सामग्री का अंतिम मूल्य निर्माण विभाग की Justification तथा सफल निविदादाता के साथ Negotiation के उपरांत निर्धारित किया जाएगा तथा सफल निविदादाता को ndertaking देनी होगी।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत रोपड़ी विकास खंड गोपालपुर, तहसील सरकाघाट, जिला मंडी (हि.प्र.)

7.08 ग्राम हेरोइन समेत तीन गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर अभिषेक धीमान ने जानकारी दी कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिलासपुर पुलिस ने स्वारघाट व कोट कहलूर थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 7.08 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि स्वारघाट थाना क्षेत्र में पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल सवार अमित ठाकुर और शशिकांत को जांच के लिए रोका। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 4.39 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। वहीं, कोट कहलूर थाना क्षेत्र में पुलिस ने रवि कुमार नामक व्यक्ति से 2.69 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया। पुलिस ने दोनों मामलों में एनडीपीएस अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों से नशीले पदार्थ की सप्लाई से जुड़े बैकवर्ड लिंकेज और नेटवर्क के बारे में गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने आम जनता से अपील की है कि नशे से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

सीएम के पास उपलब्धियों का हिसाब नहीं, इसलिए भाजपा विधायकों पर बयानबाजी कर रहे : जम्वाल

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक राकेश जम्वाल ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के भाजपा विधायकों और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर को लेकर दिए गए बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के पास अपनी सरकार की उपलब्धियां बताने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वह भाजपा के विधायकों की संख्या और आगामी चुनाव परिणामों की भविष्यवाणी करके जनता का ध्यान अपनी सरकार की विफलताओं से भटकाने का प्रयास कर रहे हैं।

राकेश जम्वाल ने कहा कि मुख्यमंत्री का यह दावा कि भाजपा के 28 में से 16 विधायक आगामी चुनाव में जीत नहीं पाएंगे, उनकी हताशा व राजनीतिक घबराहट को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता तय करेगी कि कौन विधायक बनेगा व कौन सरकार बनाएगा, मुख्यमंत्री नहीं। भाजपा के विधायकों को लेकर भविष्यवाणी करने से पहले मुख्यमंत्री को अपनी सरकार, मंत्रियों और कांग्रेस विधायकों के बीच चल रहे असंतोष की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर को विधानसभा अध्यक्ष के पद से संतोष करने की सलाह देना मुख्यमंत्री की पद की गरिमा के विपरीत है। मुख्यमंत्री को विपक्ष के नेताओं पर व्यक्तिगत टिप्पणियां करने के बजाय यह बताना चाहिए कि कांग्रेस सरकार ने अपने चुनावी वादों में से कितने पूरे किए। महिलाओं को 1,500 रुपए प्रतिमाह, युवाओं को रोजगार, किसानों-बागवानों को राहत और जनता को 300 यूनिट निशुल्क बिजली देने जैसे वादों का आज तक क्या हुआ, इसका जवाब प्रदेश की जनता मांग रही है। जम्वाल ने कहा कि मुख्यमंत्री जिस कार्यक्रम को बड़ी जनसभा के रूप में प्रस्तुत करना चाहते थे, उसमें जनता की अपेक्षित भागीदारी नहीं हुई। लोगों के न पहुंचने के कारण रैली के स्थान पर टाउन हॉल के भीतर बैठक करनी पड़ी। यह घटना बताती है कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की नीतियों से कितनी नाराज है।

स्मार्ट मीटर योजना नियमानुसार रहेगी जारी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड लिमिटेड ने स्पष्ट किया है कि हमीरपुर सिविल न्यायाधीश न्यायालय संख्या-3 द्वारा स्मार्ट बिजली मीटर से संबंधित पारित अंतरिम आदेश केवल लंबलू निवासी एक उपभोक्ता के व्यक्तिगत मामले तक सीमित था। आदेश को लेकर फैली भ्रामक सूचनाओं से उपभोक्ताओं में उत्पन्न भ्रम को दूर करने के लिए बोर्ड ने न्यायालय में अपील दायर की थी। 13 जुलाई 2026 को हुई सुनवाई में बोर्ड ने बिजली अधिनियम, 2003 और स्मार्ट मीटर योजना से जुड़े तथ्यों को न्यायालय के समक्ष रखा। बोर्ड ने संबंधित उपभोक्ता को आश्वस्त किया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद भी कनेक्शन पोस्टपेड मोड में ही रहेगा और उनकी सहमति के बिना इसे प्रीपेड में नहीं बदला जाएगा। इसके बाद उपभोक्ता ने स्मार्ट मीटर लगवाने की सहमति दी और वाद वापस ले लिया। बोर्ड ने कहा कि प्रदेशभर में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य नियमानुसार जारी रहेगा और उपभोक्ता केवल आधिकारिक सूचनाओं पर विश्वास करें।

कार्यालय ग्राम पंचायत कस
विकास खंड द्रंग, जिला मंडी (हि.प्र.)

निविदा आमन्त्रण सूचना

ग्राम पंचायत कस विकास खण्ड द्रंग जिला मण्डी हि. प्र. द्वारा वर्ष 2026-2027 के लिए विभिन्न विकास कार्यो के निष्पादन हेतु आवश्यकतानुसार अधिकृत विक्रेताओं से मुहरबंद (सील्ड) निविदाए (कुटेशने) पुन आमत्रित की जाती है। ये निविदाएं दिनांक 27-07-2026 सांय 05:00 बजे से पूर्व ग्राम पंचायत कार्यालय कस में पहुँच जानी चाहिए। उक्त तिथी तक प्राप्त निविदाएं दिनांक 28-07-2026 को प्रात 11:00 बजे कार्यालय ग्राम पंचायत कस में पदाधिकारियों की गणपूर्ति व निविदादाओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष (यदि उपस्थित हो) खोली जायेगी। प्रशासकीय कारणों से इस तिथि में बदलाव करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा। इस दशा में सुचना समाचार पत्रों में प्रदर्शित नहीं की जाएगी। सूचना ग्राम पंचायत के सुचना पट्ट पर प्रदर्शित की जाएगी। ग्राम पंचायत का इस अवधि हेतु निम्नलिखित सामग्री की आवश्यकता रहेगी। **समग्री का विवरण-**

1. रेत क्रशर, रेत खड्ड-प्रति घन फुट 2. बजरी क्रशर 10एमएम, 20एमएम, 40एमएम, बजरी खड्ड-प्रति घन फुट 3. सेलिंग / बोल्डर पत्थर-प्रति घन फुट 4. पत्थर (कट स्टोन)-प्रति पत्थर 5. ईट मिट्टी के भटे की- प्रति ईंट (9*4.5, 5*4 ईंच)6. टाइल्स- प्रति पीस/प्रति साईज 7. JCB मशीन द्वारा मिट्टी कटान व ब्रेकर- प्रति घन मीटर (हार्ड/सॉफ्ट रॉक)/प्रति घंटा 8. सामग्री ढूलान (सीमेंट जोगिन्दर नगर से ग्राम पंचायत कस स्टोर व स्टोर से कार्य स्थल तक उतराई व चढाई सहित) ट्रेक्टर / जीप / अन्य वाहन द्वारा- प्रति किलोमीटर/प्रति बैग 9. शटरिंग लोहा व लकड़ी- प्रति वर्ग फुट व रनिंग फुट 10. लकड़ी व एल्युमीनियम फिटिंग्स व डोर विडो-आईटम वार/प्रति घन फुट/वर्ग फुट 11. प्लाई बोर्ड शीटे / Other फैसी सीलिग / पैलीग Sheets- आईटम बार /साईज बार 12. कलर कोटेड रूप शीट्स आदि व सीलिंग शीट्स- प्रति शीट साईज बार 13. Furniture Items (Table & Chairs, सोफा /सेट्टी, मैट, लैक्चर स्टैंट, इत्यादि सभी फर्नीचर वस्तुएं- प्रति आईटम पूर्ण विवरण सहित 14. वेल्डिंग वर्क्स- प्रति किलो/क्विंटल 15. मिक्सर मशीन-प्रति दिन/प्रति घंटा 16. पेंटर-प्रति दिन/ स्केयर फुट 17. साइन बोर्ड (2×3)/ वाल राइटिंग / पेंटिग-साईज बार/अन्य 18. इलेक्ट्रिक्स फिटिंग सामग्री व लेवर-आईटम बार/प्रति प्वाईंट 19. स्टेशनरी-विभिन्न रजिस्टर कागज इत्यादि सभी आईटम 20. लैपटोप, कम्पूटर, प्रिंटर इत्यादि-आईटम बार व कंपनी बार **नियम व शर्ते :** 1 निविदाता (आपूर्तिकर्ता) के पास अपना पंजीकरण पेन संख्या, TIN NO/CST/GST NO. होना आवश्यक है। 2 रेत / बजरी व पत्थर आपूर्तिकर्ता को खनन विभाग से जारी M/X FORM ग्राम पंचायत को प्रस्तुत करना होंगे जिसके लिए चयनित निविदाता (आपूर्तिकर्ता) की निविदा के चयन उपरांत ग्राम पंचायत कस को शपथी पत्र एक सप्ताह के भीतर देना होगा। M/X FORM उपलब्ध न करवान पर सामग्री की अदायगी नही की जाएगी। 3 निविदा पर दरें स्पष्ट अंकित होनी चाहिए Overwriting होने की दशा में निविदा रद्द की जाएगी। 4 सभी करों का लेन देन सरकार के प्रावधानो अनुसार होगा। 5 सामग्री की आपूर्ति HPPWD की Specification के अनुरूप होगी। 6. रेत, बजरी, पत्थर, ईटों इत्यादि की आपूर्ति कार्यस्थल जहाँ तक वाहन योग्य सडक है तक करवानी होगी तथा ग्राम पंचायत के पुरे क्षेत्राधिकर में एक ही रेट देय होगा। 7 अनुमोदित निविदादाता को सामग्री की आपूर्ति से पूर्व सामग्री की गुणवत्ता की जाँच सक्षम तकनीकी कर्मचारी से करवानी होगी. अस्वीकृत सामग्री की अदायगी देय नहीं होगी। 8. अनुमोदित निविदादाता यदि सामग्री की आपूर्ति समयानुसार नहीं कर पाता है तो उसकी गत समय में दी गयी सामग्री की देय राशि का भुगतान नहीं किया जाएंगा। 9 किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत / अस्वीकृत / रद्द करने समान दर रहने की स्थिति में, एक या एक से अधिक निविदादाताओं के लिए आपूर्ति आदेश निर्गत करने, सामग्री की गुणवत्ता के चयत तथा निविदाये किसी भी समय रद्द करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। 10 सामग्री खरीद का अंतिम मूल्य / निर्णय विभाग की Justification व अनुमोदित निविदाओं के साथ Negotiation अनुसार ही किया जाएगा।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत कस विकास खंड द्रंग, जिला मंडी (हि.प्र.)

कार्यालय ग्राम पंचायत देवधार
विकास खंड बालीचौकी, जिला मंडी (हि.प्र.)

निविदा आमन्त्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत देवधार, विकास खंड बालीचौकी, जिला मंडी, हि.प्र. में वित वर्ष 2026-27 हेतु विभिन्न मदों के विभिन्न विकासात्मक कार्यों के निष्पादन करने हेतू निविदाएं आमंत्रित की जाती है जैसे :- नदी रेत, क्रेशर रेत, बजरी, स्टोन ढुलवान, शटरिंग, ईट, हार्डवेयर इत्यादि, जेसीबी, क्यू, मीटर में साईन बोर्ड 2×3 व 2×4 व सामग्री ढुलवान ट्रैक्टर, जीप, टीपर, खच्चर ढुलवान, सीमेंट ढुलवान इत्यादि के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदाएं बंद लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत देवधार में दिनांक 27.07.2026 तक डाक द्वारा पहुंचनी चाहिए। निविदाएं/कुटेशन दिनांक 31.07.2026 को सुबह 12.00 बजे निविदाकर्ता या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जाएंगी। **नियम व शर्तें :-** 1. निविदादाता के पास अपनी जीएसटी पंजीकरण पैन संख्या लाग बुक होना आवश्यक हैं। 2. आपूर्तिकर्ता को खनन विभाग के एम-फार्म जमा करवाने होंगे। 3. दरें/रेट अंकों व शब्दों में लिखे होने चाहिए। 3. दरों में टैक्स इन्क्ल्यूडिंग का उल्लेख होना आवश्यक है। 4. निविदादाता यदि सामग्री समय अनुसार नहीं कर पाता है, तो उसकी गत समय में दी गई सामग्री को व्यय राशि का भुगतान नहीं किया जाएगा। न अग्रिम राशि वापिस होगी। 5. साईन बोर्ड कार्य स्थल पर वैंडर द्वारा पहुंचाने होंगे व लगाकर देने होंगे। 1. गाड़ी स्टेशनों के नामः पूरे पंचायत क्षेत्र में रेत नदी, रेत क्रेशर, बजरी, सीमेंट ढुलवान का एक समान रेट रहेगा। 2. खच्चर ढुलवान स्टेशनों के नामः ब्यौरा निम्न प्रकार से है :- 1. अपर धार से कालाकूट, 2. लोअर धार से राही 3. बालीचौकी लोअर खलाओ थाच 4. सड़क से जलुईन्ड /खड़ीधार 5. सड़क से फह्ला 6. सड़क से भेला 7. सड़क नैहछा से कालाकूट 8. कलवाटा नाला से जलुईन्ड 9. लोअर धार से खलाओ। पंचायत प्रधान के पास निविदाएं बिना शर्तें व बिना किसी कारण रद्द करने का अधिकार होगा और न्यूनतम मूल्य एवं गुणवता के आधार पर काम दिया जाएगा। सामग्री खरीद का अंतिम मूल्य/निर्णय विभाग की जस्टिफिकेशन व अनुमोदित निविदाओं के साथ नेगोशिएशन अनुसार ही किया जाएगा। किसी कारणवश क्षति होने के उपरांत तिथि को बदला जा सकता है। प्रस्ताव सर्व सहमति से पास किया जाता है।

सचिव/प्रधान, ग्राम पंचायत देवधार, बालीचौकी, जिला मंडी, हि.प्र. ।

सूर्योदय 5:29 सूर्यास्त 7:26

आज का तापमान

शिमला	17.8 न्यू	25.8 अधि
धर्मशाला	19.8 न्यू	32.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,186
निफ्टी	24,072

सोना 1,42,000 चांदी 2,20,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शुक्रवार, 17 जुलाई 2026 | 2 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 83, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

कृषि मंत्रालय सौ क्लाइमेट स्मार्ट विलेज करेगा विकसित

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आगामी दो सालों में देश में 100 क्लाइमेट स्मार्ट विलेज विकसित किए जाएंगे। इन गांवों में जलवायु-स्मार्ट खेती, इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल, पानी और मृदा संरक्षण तथा जोखिम कम करने के व्यावहारिक तरीके अपनाए जाएंगे, ताकि किसान बदलते मौसम में भी सुरक्षित और लाभकारी खेती कर सकें। चौहान ने वीरवार को पूसा में पत्रकार वार्ता में आईसीएआर की स्थापना की 100वीं वर्षगांठ पर मंत्रालय का रोडमैप साझा किया।

तेज रफ्तार स्कूटी सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर में घुसी, 4 की मौत

एजेंसी, रायपुर। छत्तीसगढ़ के दुर्ग-रायपुर नेशनल हाइवे-53 पर वीरवार सुबह तेज रफ्तार स्कूटी सवार सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर के पीछे जा घुसा। इस हादसे में 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और दो बच्चियां शामिल हैं, जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल है। उसे एम्स रायपुर में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही कुम्हारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी शवों को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा व पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। कुम्हारी थाना पुलिस ने बताया है कि यह दुर्घटना वीरवार सुबह करीब 10:00 से 10:30 बजे के बीच हाइवे-53 पर दुर्ग से रायपुर जाने वाले के लेन में हुई।

टीएमसी की राज्यसभा सदस्य कोयल मल्लिक का इस्तीफा

एजेंसी, नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य रुक्मिणी कोयल मल्लिक ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के अनुसार मल्लिक ने राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंपा।

मल्लिक को टीएमसी ने विगत अप्रैल में ही राज्यसभा में नामित किया था। उनका इस्तीफा ऐसे समय में सामने आया है, जब एक दिन पहले तृणमूल कांग्रेस के विधायक और ममता बनर्जी के करीबी सहयोगी मदन मित्रा ने अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस के बागी खेमे का दामन थाम लिया था। कोयल मल्लिक के इस्तीफे के बाद राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों की संख्या घटकर 9 रह गई।

ट्रेन में शूटर से कराया इंजीनियर पति का मर्डर

एजेंसी, सुपौल। बिहार के सुपौल में अफसर पत्नी ने चलती ट्रेन में अपने इंजीनियर पति की हत्या करा दी। पुलिस ने बताया कि 8 साल पहले 2018 में मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर अस्मिता की शादी इंजीनियर देव कुमार गुंजन से हुई थी। शादी के दूसरे दिन से ही अस्मिता पति की हत्या की साजिश रच रही थी। इसमें उसका बॉयफ्रेंड अजीत कुमार शामिल था। दोनों ने शूटर राजू कुमार को पति की हत्या के लिए 4 लाख रुपए की सुपारी दी थी। राजू ने पिछले महीने 11 जून को जनसाधारण एक्सप्रेस में देव कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपियों ने इसे लूटपाट के दौरान हुई घटना साबित करने की कोशिश की थी। पुलिस ने कॉल डिटेल और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अस्मिता कुमारी, अजीत कुमार और शूटर राजू कुमार को गिरफ्तार कर लिया है।

पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़ एक की मौत, 100 से ज्यादा घायल

मंदिर में पहंडी अनुष्ठान के बाद रथ पर सवार हुए भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा

एजेंसी, पुरी। ओडिशा के पुरी में नौ दिनों तक चलने वाली वार्षिक रथ यात्रा की शुरुआत हो गई। लगातार बारिश और लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में 'पहंडी' की रस्म हुई।

इस रस्म में महाप्रभु भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई भगवान बलभद्र और उनकी बहन देवी सुभद्रा के विग्रहों को 12वीं सदी के पुरी मंदिर से रथों तक ले जाया गया। घंटियों, शंख और झांझ की ध्वनि के बीच, चक्रराज सुदर्शन को सबसे पहले मुख्य मंदिर से बाहर लाया गया और देवी सुभद्रा के 'दर्पदलन' रथ पर विराजमान किया गया। इस दौरान लाखों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। पंडित सूर्यनारायण रथशर्मा ने बताया कि श्री सुदर्शन भगवान विष्णु का अस्त्र है, जिनकी पूजा पुरी में भगवान जगन्नाथ के रूप में की जाती है। उन्होंने बताया कि भगवान जगन्नाथ के बड़े भाई भगवान बलभद्र के विग्रह को भी उनके 'तालध्वज' रथ पर स्थापित किया गया।

भगवान जगन्नाथ की मंगल आरती में शामिल हुए अमित शाह

सेवादारों द्वारा 'शून्य पहंडी' (रथ तक ले जाते समय देवी सुभद्रा के विग्रह का मुख आकाश की ओर किया)। शैली में भगवान जगन्नाथ और भगवान बलभद्र की बहन देवी सुभद्रा के विग्रह को उनके रथ तक ले लाया गया। वहीं, इस दौरान भगदड़ मच गई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे में 100 से ज्यादा लोगों को घायल होने की खबर है। शाम 5 बजे पहांडी रस्म के दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए अचानक लोग रथों के पास जाने लगे। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वीरवार को आषाढ़ी बीज के अवसर पर आयोजित भगवान जगन्नाथ की 149वीं रथयात्रा से पहले अहमदाबाद स्थित प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर में परिवार सहित मंगल आरती में भाग लिया।

रिश्वत या भ्रष्टाचार के आरोप लगे, तो अगले ही पल जाएगा मंत्री पद : मुख्यमंत्री विजय

एजेंसी, चेन्नई। तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) सरकार की दूसरी मंत्रिमंडल बैठक में मुख्यमंत्री विजय ने मंत्रियों को भ्रष्टाचार और अनुशासन के मुद्दे पर कड़ा संदेश दिया। वीरवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि किसी मंत्री पर रिश्वत या भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आते हैं, तो उसे तत्काल मंत्रिमंडल से हटा दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार में किसी भी स्तर पर अनियमितता या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि उनकी सरकार पूरी तरह पारदर्शी, जवाबदेह और जनहित के प्रति समर्पित रहेगी। उन्होंने मंत्रियों से कहा कि यदि किसी विभाग में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार या अनियमितताओं की शिकायतें मिलती हैं, तो उसकी जिम्मेदारी संबंधित मंत्री की होगी और बिना किसी भेदभाव के तत्काल कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्रवाई करते समय यह नहीं देखा जाएगा कि संबंधित व्यक्ति लंबे समय से पार्टी से जुड़ा है या किसी अन्य दल से आया है। बैठक में मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और पार्टी पदाधिकारियों को सरकारी कार्यालयों तथा विद्यालयों में निरीक्षण के नाम पर अनावश्यक हस्तक्षेप से भी बचने का निर्देश दिया।

रायपुर में ई-20 पेट्रोल डालने से इंजन खराब
मारुति सुजुकी नई कार दे या 20 लाख रुपए लौटाए : कंज्यूमर कोर्ट

एजेंसी, रायपुर। देशभर में पेट्रोल में ई-20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित ईंधन) के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी बीच रायपुर में ई-20 पेट्रोल से कार के इंजन के खराब होने का मामला सामने आया है। इससे जुड़े मामले में कंज्यूमर कोर्ट ने मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और उसके अधिकृत डीलर को जिम्मेदार ठहराया है।

कोर्ट ने कहा कि नई कार दी जाए या 20 लाख लौटाए जाए। कोर्ट ने माना कि गाड़ी का इंजन ई-20 फ्यूल के हिसाब से नहीं था, फिर भी कार कस्टमर को बेची गई। कोर्ट ने कहा कि 45 दिनों के अंदर ग्राहक को उसी मॉडल की नई कार दी जाए, जो ई-20 फ्यूल के अनुकूल हो। अगर ऐसा नहीं किया तो कंपनी को वाहन की पूरी कीमत करीब 20.5 लाख रुपए और अन्य खर्च भी लौटाने होंगे। ई-20 से कार खराब होने पर कस्टमर को मुआवजा देने का यह देश का पहला मामला है। कंपनी ने माना कि पहली बार टंकी पूरी तरह साफ नहीं हुई थी और केमिकलयुक्त ईंधन अंदर रह गया था। इसके बाद फिर सफाई की गई, लेकिन फिर फ्यूल टैंक, पाइपलाइन और फिल्टर में फिर सफेद परत और तरल पदार्थ मिला। अगली बार डैशबोर्ड पर इंजन में गड़बड़ी की चेतावनी आई व ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) मोड ने काम करना बंद कर दिया।

इंजन पूरी तरह ठप हो गया और कार चलने लायक नहीं बची। बाद में कंपनी ने ई-मेल के जरिए बताया कि इंजन पूरी तरह खराब हो गया है और उसे बदलने में करीब 5.30 लाख रुपए खर्च होंगे, जो वारंटी में शामिल नहीं होगा। कंपनी ने फिर कार ठीक कर सौंपी, लेकिन डीलरशिप के सामने पेट्रोल भरवाने के बाद भी वाहन करीब 10 किलोमीटर चलकर फिर बंद हो गया। इस बार टैंक से दही जैसी सफेद परत और तरल पदार्थ मिला। डॉ. प्रेमराज ने नई कार या पूरी राशि वापस करने की मांग की, लेकिन कंपनी ने साफ इनकार कर दिया। फिर मामला कंज्यूमर कोर्ट पहुंचा। डॉक्टर ने मार्च 2025 में याचिका दायर की।

हरियाणा के उद्योगपतियों को बिहार में निवेश का न्योता, सीएम सैनी ने दिया सहयोग का भरोसा

एजेंसी, चंडीगढ़। बिहार में औद्योगिक निवेश बढ़ाने की दिशा में नई पहल शुरू हुई है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भरोसा दिलाया है कि वह राज्य के उद्योगपतियों को बिहार में निवेश के लिए प्रेरित करेंगे।

यह आश्वासन बिहार भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य व पूर्व औरंगाबाद जिलाध्यक्ष संजय मेहता से मुलाकात के दौरान दिया गया। मुलाकात में बिहार में निवेश, उद्योग, सुशासन व विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। संजय मेहता ने बताया कि वह बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का संदेश लेकर चंडीगढ़ पहुंचे थे, जहां उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सैनी को अशोक स्तंभ भेंट कर सम्मानित किया।

बैठक में बिहार के विकास, निवेश, उद्योग, सुशासन व पंचायतीराज व्यवस्था जैसे विषयों पर विस्तार से बातचीत हुई। मुलाकात के दौरान संजय मेहता ने बिहार में तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक और निवेश के माहौल की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य में कानून-व्यवस्था, सड़क, बिजली, आधारभूत ढांचे और प्रशासनिक पारदर्शिता को मजबूत किया गया है। सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। संजय मेहता ने हरियाणा के उद्योगपतियों और उद्यमियों से बिहार में उद्योग लगाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि जो भी निवेशक बिहार में उद्योग स्थापित करना चाहते हैं, उन्हें राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग, आवश्यक सुविधाएं और प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

डीजल, एटीएफ निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ाया पेट्रोल पर शुल्क घटाया

एजेंसी, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स (अप्रत्याशित लाभ कर) में बदलाव किया है। केंद्र सरकार ने 16 जुलाई से डीजल और विमानन ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ा दिया है, जबकि पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क को घटाया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी (एसएईडी) के तहत पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात शुल्क में यह संशोधन किए गए हैं।

शहीद भगत सिंह कॉलेज राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा : सीएम रेखा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि शहीद भगत सिंह कॉलेज 60 वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और 'राष्ट्र प्रथम' के संस्कारों के साथ राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

यह बात उन्होंने वीरवार को शहीद भगत सिंह कॉलेज के डायमंड जुबली समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस समारोह में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने इस गौरवशाली यात्रा के लिए पूरे कॉलेज परिवार, प्राचार्य, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और पूर्व छात्रों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की शिक्षा व्यवस्था नवाचार, कौशल, अनुसंधान और राष्ट्र निर्माण के नए मानक स्थापित कर रही है। शहीद भगत सिंह कॉलेज जैसे संस्थान इस राष्ट्रीय अभियान को नई ऊर्जा दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शहीद-ए-

कहा- 'राष्ट्र प्रथम' के संस्कारों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का केंद्र बना शहीद भगत सिंह कॉलेज

आजम भगत सिंह के नाम पर बने शहीद भगत सिंह कॉलेज की स्थापना 1967 में दिल्ली यूनिवर्सिटी के एक कॉलेज के तौर पर हुई थी, जहां लड़के और लड़कियां साथ पढ़ते हैं। शहीद भगत सिंह कॉलेज का विजन इसके मोटो 'राष्ट्र देवो भव' में समाया हुआ है। यह मोटो भारत के महान सपूत, शहीद-ए-आजम भगत सिंह के उन मूल्यों को दर्शाता है, जिनके अनुसार राष्ट्र की सेवा सबसे ऊपर है।

'छठी क्लास से पढ़ाएं तीसरी भाषा, 9वीं में लागू करना ठीक नहीं : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को कहा कि सीबीएसई को 9वीं से थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू नहीं करनी चाहिए। 9वीं कक्षा की पढ़ाई पहले से मुश्किल है, ऐसे में तीसरी भाषा को शामिल करने की क्या जरूरत है।

कहा- बोर्ड परीक्षा के एक साल पहले बच्चों में तनाव बढ़ेगा सरकार से कहिए ऐसा न करे

कोर्ट ने कहा कि इससे स्टूडेंट्स का मानसिक तनाव बढ़ सकता है। भारत सरकार से कहिए कि ऐसा न करें। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि तीसरी भाषा को क्लास 6 में ही शुरू कर दिया जाना चाहिए, ताकि छात्र इसके साथ अधिक प्रभावी ढंग से तालमेल बिठा सकें। दरअसल, बेंच तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मद्रास हाईकोर्ट के राज्य के हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय बनाने के आदेश को चुनौती दी गई थी। तमिलनाडु सरकार जेएनवी में लागू थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी के पक्ष में नहीं है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि तीसरी भाषा को पढ़ाना 6वीं क्लास में शुरू करना चाहिए और 9वीं में इसे बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाओं का दबाव कक्षा 8 से ही शुरू हो जाता है। आगे उन्होंने अपने स्कूल के दिनों के बारे में बताते हुए कहा कि जब मैं स्कूल में थी तब 8वीं के बच्चों को 10वीं की चीजें पढ़ाई जाती थीं। उस वक्त ऐसी हालत थी तो आप समझ सकते हैं आज बच्चों पर कितना बोझ होगा।

होर्मुज में भारतीय नाविकों की तैनाती पर रोक

सरकार ने आदेश किए जारी; हमलों में 14 भारतीयों की मौत के बाद फैसला

एजेंसी, वॉशिंगटन। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा जोखिम को देखते हुए भारत ने अगले आदेश तक होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों (सीफेयरर्स) की नई तैनाती पर रोक लगा दी है।

यह आदेश जहाज मालिकों, जहाज प्रबंधन कंपनियों और नाविकों की भर्ती करने वाली रिक्रूटमेंट एंड प्लेसमेंट सर्विस लाइसेंस कंपनियों पर लागू होगा। सरकार ने सभी समुद्री कंपनियों को अरब की खाड़ी, होर्मुज स्ट्रेट और आसपास के समुद्री इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा गया है कि वे नौवहन संबंधी सभी चेतावनियों और सुरक्षा सलाह पर लगातार नजर रखें और इंटरनेशनल शिप एंड पोर्ट फैसिलिटी सिक्योरिटी कोड का पूरी तरह पालन करें। सरकार का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब इसी हफ्ते होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास हुए ईरानी हमलों में दो भारतीय नाविकों की मौत हो गई। अमेरिका-ईरान संघर्ष के बाद इस समुद्री मार्ग पर हमलों का खतरा बढ़ गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 28 फरवरी से अब तक इस क्षेत्र में हुए हमलों में कम से कम 14 भारतीय नाविकों की जान जा चुकी है। हालांकि, अगर विदेशी शिपिंग कंपनियां भारत के बाहर से नाविकों की भर्ती करती हैं, तो भारत सरकार का यह आदेश उन पर सीधे लागू नहीं होगा। मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध और तनाव के बीच अमेरिका ने सऊदी अरब को लगभग 1.96 अरब डॉलर (8,620 करोड़ रुपए) के हथियार बेचने को मंजूरी दे दी है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार को इसकी घोषणा की। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि इससे खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका के प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी सऊदी अरब की सुरक्षा क्षमता मजबूत होगी।

ईरान ने मिडिल-ईस्ट का इंफ्रा तबाह करने की धमकी दी

अमेरिका के साथ बढ़ते सैन्य तनाव के बीच ईरान ने कड़ी चेतावनी दी है। ईरान के खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल इब्राहिम जोल्फाघारी ने कहा कि यदि अमेरिका ईरान के इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला करता है, तो ईरान पूरे मिडिल ईस्ट के अहम इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाएगा। सरकारी मीडिया में जारी बयान में जोल्फाघारी ने कहा कि यदि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी धमकियों को अमल में लाते हैं, तो ईरान के सशस्त्र बल ऐसे जवाबी हमले करेंगे कि मिडिल ईस्ट के रणनीतिक ढांचों का कोई निशान नहीं बचेगा।

अमेरिका ने सऊदी अरब को दो अरब डॉलर के हथियार बेचने को दी मंजूरी

वांगचुक के अनशन पर दिल्ली हाईकोर्ट बोला- हर जान कीमती

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर 19 दिन से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक की सेहत पर नजर रखने के निर्देश केंद्र सरकार को दिए हैं।

केंद्र-दिल्ली सरकार को आदेश रोजाना मेडिकल जांच हो

मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि देश के हर इंसान की जिंदगी कीमती है, इसलिए उसे बचाने की पूरी कोशिश की जानी चाहिए। अदालत ने सरकार से यह भी कहा कि रोजाना सरकारी डॉक्टरों की ओर से सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य की जांच की जाए। उच्च न्यायालय ने ये टिप्पणी 19 दिन से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि रोजाना सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य की विशेषज्ञों और डॉक्टरों द्वारा जांच की जा रही है। डॉक्टरों की राय के आधार पर उनके जीवन रक्षा के लिए भी जो करना जरूरी होगी, वो सरकार करेगी। याचिका वकील राकेश कुमार सैनी ने दायर की थी। 15 जुलाई को सुनवाई के दौरान सैनी ने कहा था कि एक मानवाधिकार कार्यकर्ता विरोध के अपने अधिकार का उपयोग करते हुए पूरे देश के सामने अपनी जान देने को तैयार है। याचिका में मांग की गई थी कि केंद्र और दिल्ली सरकार को निर्देश दिया जाए कि वो सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाएं और उन्हें जबरन खाना खिलाएं। याचिका में कहा गया था कि सोनम वांगचुक का स्वास्थ्य लगातार बिगड़ता जा रहा है।

संदेश

राज्यपाल और सीएम धामी ने किया पौधरोपण, हरेला पर जनभागीदारी से हरित उत्तराखंड का आह्वान

श्रद्धा व उत्साह से मनाया हरेला, उत्तराखंड में गूंजा हरित विकास का संदेश

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड का लोकपर्व हरेला वीरवार को पूरे प्रदेश में पारंपरिक श्रद्धा, उल्लास और उत्साह के साथ मनाया। मंदिरों में पूजा-अर्चना, घरों में हरेला पूजन और विभिन्न सरकारी और सामाजिक संस्थाओं की ओर से व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और कृषि मंत्री गणेश जोशी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और प्रदेशवासियों से अधिकाधिक पौधरोपण और उनके संरक्षण का आह्वान किया। राज्यपाल ने लोक

भवन स्थित राजराजेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

इसके बाद उन्होंने प्रथम महिला गुरमीत कौर तथा अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ लोक भवन परिसर में पौधरोपण किया। इस अवसर पर पारंपरिक लोकगीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने हरेला पर्व की लोक संस्कृति को जीवंत किया। राज्यपाल ने कहा कि हरेला उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत, कृषि परंपरा और प्रकृति के प्रति आस्था का प्रतीक है।

जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों के दौर में यह पर्व हरित एवं सतत विकास के लिए जनभागीदारी का सशक्त संदेश देता है। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से पौधरोपण के साथ पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लेने की अपील की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीरवार को लोकपर्व हरेला के अवसर पर खटीमा स्थित तराई नगला में अपने आवास पर पौधरोपण किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की शुभकामनाएं देते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने व उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और हरित उत्तराखंड के निर्माण में जनभागीदारी महत्वपूर्ण है। हरेला पर्व के अवसर पर देहरादून जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कलेक्ट्रेट परिसर में पूजा-अर्चना के बाद पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

हरेला प्रकृति, संस्कृति व पर्यावरण संरक्षण का पर्व

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, लोक संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से पौधरोपण के प्रति जनजागरूकता बढ़ी है और राज्य में हरेला के अवसर पर व्यापक पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों, सामाजिक संगठनों और संस्थाओं से इसमें सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

8 अस्पतालों में लगेंगी 1.5 टेस्ला एमआरआई मशीनें : सीएम सुक्खू

नाहन, हमीरपुर, बिलासपुर, धर्मशाला व सोलन में शुरू होगी डिजिटल मैमोग्राफी सुविधा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार जिला अस्पतालों और सभी सात राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ कर रही है, ताकि लोगों को घर-द्वार के समीप ही बेहतर उपचार की सुविधा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जिला अस्पताल लोगों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन संस्थानों के सुदृढ़ीकरण के दृष्टिगत क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर, कुल्लू, ऊना और सोलन, जिला अस्पताल किन्नौर, डॉ. वाईएस परमार राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं

अस्पताल नाहन, क्षेत्रीय अस्पताल धर्मशाला तथा पालमपुर में 1.5 टेस्ला एमआरआई मशीनें स्थापित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में अत्याधुनिक 3 टेस्ला एमआरआई मशीनें भी लगाई जा रही हैं, जिससे विशेषज्ञ जांच और उपचार की सुविधाएं और अधिक बेहतर होंगी। उन्होंने कहा कि नैदानिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए जिला अस्पताल नाहन और हमीरपुर, क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर और सोलन तथा क्षेत्रीय अस्पताल धर्मशाला में डिजिटल मैमोग्राफी मशीनें भी लगाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि 42 हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनों की खरीद प्रक्रिया जारी है, जिनमें से 14 मशीनें प्राप्त हो चुकी हैं। दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की जांच के लिए इन मशीनों का उपयोग किया जाएगा। इनका उपयोग छाती की जांच और टीबी की जल्द पहचान के लिए किया जाएगा, जिससे समय पर उपचार सुनिश्चित हो सकेगा।

सतलुज फिल्म विवाद पर भाजपा ने बदले तेवर

फिल्म विवाद के बीच रवनीत बिट्टू ने दिया भाईचारे का संदेश, भाजपा ने मामले को शांत करने की कोशिश तेज की

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़। पंजाब में फिल्म सतलुज को लेकर चल रहा विवाद लगातार बढ़ने के बाद अब सियासी हलचल तेज हो गई है। इस पूरे मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अंदर भी चिंता बढ़ गई है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि विवाद का असर भाजपा की छवि पर पड़ रहा है और इससे राजनीतिक नुकसान की संभावना को देखते हुए पार्टी अब मामले को शांत करना चाहती है। इसी रणनीति के तहत केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के तेवर भी पहले की तुलना में नरम दिखाई दे रहे हैं।

फिल्म को लेकर शुरुआत में बिट्टू काफी आक्रामक नजर आए थे और उन्होंने निर्माताओं के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया था। हालांकि अब उन्होंने अपने सोशल मीडिया माध्यमों से पंजाब में हिंदू–सिख भाईचारे और आपसी एकता का संदेश देने की कोशिश की है। बिट्टू ने पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ की तस्वीर के साथ एक भावुक वीडियो साझा किया। इसमें उन्होंने होला मोहल्ला और होली के धार्मिक महत्व का जिक्र करते हुए लिखा कि आनंदपुर साहिब वह स्थान है जहां खालसा पंथ की स्थापना हुई, जबकि मथुरा भगवान गोविंद की भूमि है। दोनों ही स्थानों के रंग मानवता और प्रेम का संदेश देते हैं।

बिट्टू का इस पोस्ट को फिल्म विवाद के बीच एक संतुलित राजनीतिक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने इसके बाद एक और वीडियो जारी कर अपनी भूमिका को स्पष्ट करने का प्रयास किया। उन्होंने खुद की तुलना जंगल में लगी आग बुझाने वाले एक छोटे पक्षी से करते हुए कहा कि उनका प्रयास केवल पंजाब और देश के हित में जिम्मेदारी निभाने का है। उन्होंने कहा कि इतिहास में उनका नाम आग लगाने वालों में नहीं बल्कि आग बुझाने वालों में दर्ज होना चाहिए।

भाजपा ने कहा- पुराने जख्म कुरेदने से नहीं होगा फायदा

पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने भी इस विवाद को खत्म करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पंजाब पहले ही बहुत दर्दनाक दौर से गुजर चुका है। पुराने जख्मों को दोबारा कुरेदने से किसी का भला नहीं होगा। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के दौर में जिन लोगों की जान गई, उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। सभी पीड़ितों का सम्मान होना चाहिए और किसी भी घटना को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। पंजाब की शांति सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। वहीं आम आदमी पार्टी के नेताओं ने भाजपा पर इस मुद्दे को धार्मिक रंग देने का आरोप लगाया है। पंजाब सरकार के मंत्री लालचंद कटारूचक्क और डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि फिल्म कथित तौर पर वास्तविक घटनाओं पर आधारित है। इसमें हिंदू और सिख के बीच विवाद का कोई विषय नहीं है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के दौर में अलग-अलग धर्मों के लोग प्रभावित हुए थे और इस इतिहास को किसी एक समुदाय तक सीमित करना सही नहीं है।

हरिके पत्तन में बनेगा शहीद स्मारक

फिल्म विवाद के बीच श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने सभी निर्दोष पीड़ितों की याद में हरिके पत्तन में शहीदी स्मारक बनाने की घोषणा की है। उन्होंने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी को इस संबंध में कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जत्थेदार ने कहा कि आतंकवाद के दौर में मारे गए लोगों में केवल सिख समुदाय के लोग ही नहीं थे।

सेक्टर-90 लैंड पूलिंग से नाराज किसानों ने दिया अल्टीमेटम

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

सेक्टर-90 की लैंड पूलिंग योजना के तहत अपनी जमीन देने वाले गांव लखनौर के किसानों का सब्र अब टूटने लगा है। योजना शुरू हुए 10 से 12 वर्ष बीत जाने के बावजूद उन्हें प्लॉटों का कब्जा नहीं मिला है। इससे नाराज किसानों ने पंजाब के आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां से मुलाकात कर अपनी समस्याएं विस्तार से रखीं। किसानों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने विभाग के सचिव विकास गर्ग को मामले की जांच कर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

किसानों का कहना है कि उन्होंने सरकार की योजना पर भरोसा करते हुए अपनी जमीन लैंड पूलिंग के तहत दी थी, लेकिन वर्षों बाद भी उन्हें उनके हिस्से के प्लॉट नहीं मिले। उनका आरोप है कि गमाडा अधिकारियों की लापरवाही और प्रशासनिक सुस्ती के कारण 700 से अधिक परिवार आर्थिक, सामाजिक और मानसिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं। लंबे इंतजार के कारण लोगों के घर बनाने के सपने अधूरे रह गए हैं और परिवारों की भविष्य की योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं।

इस संबंध में किसान प्रतिनिधियों में भाग सिंह, अजब सिंह, जसविंदर सिंह, परमजीत सिंह पम्मा, दलजीत सिंह, धर्म सिंह, केसर सिंह, परमजीत सिंह गुरु, पूर्व पंच कुलदीप सिंह, परमिंदर सिंह, बलजीत सिंह, मनजीत सिंह, गुरप्रीत सिंह, कुलदीप सिंह गुड्डू और रुलदा सिंह ने विभाग के सचिव विकास गर्ग तथा गमाडा के मुख्य प्रशासक संदीप ऋषि से भी मुलाकात की। अधिकारियों ने किसानों को भरोसा दिलाया कि अगले 10 दिनों के भीतर मामले के समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

जीरकपुर पार्कों में लगेंगे ओपन एयर जिम

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। शहरवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नगर परिषद ने नई पहल शुरू की है। जल्द ही जीरकपुर के विभिन्न सार्वजनिक पार्कों में ओपन एयर जिम स्थापित किए जाएंगे। पहले चरण में आधा दर्जन से अधिक पार्कों का चयन किया गया है, जहां आधुनिक कसरत उपकरण लगाए जाएंगे।

इन जिमों में वॉकर, ट्विस्टर, एयर स्कीयर, रोइंग मशीन, कसरत साइकिल, शोल्डर व्हील सहित अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे। इनका उपयोग युवा, महिलाएं और बुजुर्ग अपनी क्षमता के अनुसार निशुल्क कर सकेंगे। नगर परिषद का उद्देश्य लोगों में नियमित व्यायाम की आदत को बढ़ावा देना है।अधिकारियों के अनुसार, पार्कों को स्वास्थ्य गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उपकरणों के रखरखाव की जिम्मेदारी भी परिषद की होगी। स्थानीय लोगों ने इस योजना का स्वागत करते हुए इसे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक कदम बताया है। जल्द ही चयनित पार्कों में काम शुरू किया जाएगा।

पंजाब बिजली व्यवस्था पर इंजीनियरों ने जताई चिंता

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में बिजली व्यवस्था को लेकर राज्य विद्युत निगम के इंजीनियरों ने चिंता जताई है। पंजाब राज्य बिजली इंजीनियर्स एसोसिएशन ने निगम के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक को पत्र भेजकर कहा है कि लंबे समय से लंबित समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। एसोसिएशन के अनुसार, स्टाफ की कमी, तकनीकी खामियां और बढ़ते कार्यभार के कारण फील्ड स्तर पर दबाव बढ़ रहा है। नए बिलिंग सिस्टम, 1912 कॉल सेंटर में कर्मचारियों की कमी और मोबाइल एप, एमडीएम व ईआरपी से जुड़ी समस्याओं को भी गंभीर बताया गया है। इंजीनियरों ने पर्याप्त भर्ती, तकनीकी सुधार, सामग्री उपलब्ध कराने और शिकायत निवारण व्यवस्था मजबूत करने समेत 13 मांगें रखी हैं। वहीं, अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि बिजली व्यवस्था को लेकर इंजीनियरों की चेतावनी को गंभीरता से लेना चाहिए।

पंजाब के गैंगस्टर नेटवर्क पर अमेरिका का शिकंजा

भारतेन्दु संवाददाता,चंडीगढ़। पंजाब से जुड़े अंतरराष्ट्रीय अपराधी गिरोहों के खिलाफ अमेरिका की कार्रवाई लगातार जारी है। अमेरिकी संघीय जांच एजेंसी ने जग्गू भगवानपुरिया गिरोह के कथित करीबी नितिश कौशल को अपनी सबसे वांछित सूची में शामिल किया है। एजेंसी का आरोप है कि कौशल संगठित अपराध नेटवर्क का हिस्सा रहा है, जो हत्या, अपहरण, मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी, रंगदारी व धन शोधन जैसे अपराधों में शामिल है। अमेरिकी अदालत ने 25 जून को कौशल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। जांच एजेंसियों के अनुसार, पंजाब से जुड़े कई गैंगस्टर गिरोह अब विदेशों से भी संचालित हो रहे हैं। कनाडा, अमेरिका और यूरोप में बैठे सहयोगियों के जरिए आपराधिक गतिविधियां चलाने के आरोपों की जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इस कार्रवाई से गिरोह के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े नए सुराग मिल सकते हैं। जांच एजेंसियां अब नितिश कौशल से जुड़े संपर्कों, आर्थिक लेन-देन और विदेशों में सक्रिय नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी हैं। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, संगठित अपराध से जुड़े मामलों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग बेहद महत्वपूर्ण हो गया है। पंजाब पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां भी विदेशों में बैठे अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए विभिन्न देशों की एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि गैंगस्टर नेटवर्क को कमजोर करने के लिए उनके वित्तीय स्रोतों और सहयोगियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। आने वाले समय में इस मामले में और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

पंजाबी कलाकारों ने मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को दिया समर्थन, लोगों से की अपील

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली।

जिला चुनाव अधिकारी एवं उपायुक्त कोमल मित्तल के निर्देश पर मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन बनाने के लिए चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2026 के तहत जागरूकता कार्यक्रम तेज कर दिए गए हैं। इसी क्रम में जिला स्वीप टीम ने पंजाबी संगीत जगत की प्रमुख हस्तियों से मुलाकात कर उन्हें अभियान से जोड़ा।

फेज-2 में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिला नोडल अधिकारी (स्वीप) प्रो. गुरबख्शीश सिंह अंटाल की अगुवाई में प्रसिद्ध गायक हरदीप गिल, गीतकार भट्टी भड़ीवाला, बिट्टू खन्नेवाला, साहिब गिल और आर दीप रमन ने अभियान का समर्थन किया। समाजसेवी नितेश विज भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

कलाकारों ने लोगों से अपील की कि वे 24 जुलाई तक अपना एन्यूमरेशन फॉर्म जरूर भरें, ताकि मतदाता सूची को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाया जा सके। गीतकार भट्टी भड़ीवाला ने कहा कि जैसे गीतों को शब्दों से सजाया जाता है, वैसे ही नागरिकों की भागीदारी लोकतंत्र को मजबूत बनाती है।

मतदाता अभियान में कलाकारों की अहम भागीदारी

स्वीप टीम ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची में शामिल सभी योग्य नागरिकों की जानकारी को सही करना और नए मतदाताओं को जोड़ना है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग मतदान प्रक्रिया से जुड़ सकें। अधिकारियों ने कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदाता सूची का सही और अद्यतन होना बेहद जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान पंजाबी कलाकारों ने कहा कि समाज में जागरूकता फैलाने में कलाकारों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी मतदाता सूची जांचने और जरूरी जानकारी अपडेट करवाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि हर योग्य नागरिक की भागीदारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को और मजबूत बनाती है। जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि अभियान के दौरान लोगों को एन्यूमरेशन फॉर्म भरने, आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवाने और मतदाता सूची से जुड़ी अन्य प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है।

पीएम मोदी के दौरे को लेकर मोहाली में 1500 जवानों ने संभाली कमान

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित पंजाब दौरे को लेकर मोहाली में सुरक्षा व्यवस्था अभेद्य बना दी गई है। प्रधानमंत्री के मुल्लांपुर दौरे और उसके बाद जालंधर रवाना होने के कार्यक्रम को देखते हुए मोहाली पुलिस पूरी तरह हाई अलर्ट पर है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए मोहाली सहित पांच जिलों की पुलिस, पैरामिलिट्री फोर्स और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के करीब 1500 जवान तैनात किए गए हैं। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी, जबकि प्रधानमंत्री के पूरे रूट को सुरक्षा घेरे में लिया गया है।

दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए बुधवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरमनदीप सिंह हंस ने उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले के सभी पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक, थाना प्रभारी तथा सुरक्षा व्यवस्था में शामिल पड़ोसी जिलों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान सुरक्षा योजना के प्रत्येक पहलू की विस्तार से समीक्षा की गई और अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियां निभाने के निर्देश दिए गए।

समीक्षा बैठक में ट्रैफिक प्रबंधन, प्रधानमंत्री के रूट की सैनिटाइजेशन प्रक्रिया, एंटी-सबोटेज जांच, संवेदनशील स्थानों की निगरानी तथा क्विक रिस्पॉन्स टीमों की तैनाती पर विशेष चर्चा हुई। सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिए गए कि प्रधानमंत्री के आगमन से पहले पूरे मार्ग की कई बार जांच की जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वायड और विशेष सुरक्षा दल भी सक्रिय रहेंगे।

एसएसपी हरमनदीप सिंह हंस ने बताया कि प्रधानमंत्री जालंधर रवाना होने से पहले मुल्लांपुर का दौरा करेंगे। इसे देखते हुए शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से मुल्लांपुर तक के पूरे मार्ग पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात रहेगा। चंडीगढ़ से सटे मोहाली के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी विशेष निगरानी रखी जाएगी।

चंडीगढ़ के सरकारी अस्पताल बदहाल डॉक्टरों की कमी से मरीजों की बढ़ी परेशानियां

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पीजीआई और जीएमसीएच जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के कारण चंडीगढ़ की स्वास्थ्य व्यवस्था देशभर में पहचान रखती है, लेकिन शहर के सरकारी सिविल अस्पतालों की जमीनी स्थिति इस छवि से बिल्कुल अलग नजर आती है। अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों, स्टाफ नर्सों और पैरामेडिकल कर्मचारियों की भारी कमी है। कई जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं या तो बंद पड़ी हैं या सीमित स्तर पर संचालित हो रही हैं। इसका सबसे बड़ा खामियाजा इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों को उठाना पड़ रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव गणपतराव जाधव और अनुप्रिया पटेल यदि शहर के सरकारी अस्पतालों का निरीक्षण करें तो स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक तस्वीर सामने आ जाएगी। अस्पतालों की इमारतें भले ही मौजूद हैं, लेकिन मरीजों को समय पर उपचार, जांच और विशेषज्ञ चिकित्सकों की सुविधा नहीं मिल पा रही है। प्रशासन जिन अस्पतालों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का उदाहरण बताता है, वहीं डॉक्टरों की कमी, दवाओं का अभाव और जांच सेवाओं में देरी आम बात बन चुकी है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब अस्पताल ही संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं तो मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज कैसे मिलेगा। सबसे गंभीर स्थिति सेक्टर-16 स्थित गवर्नमेंट मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल की है। यहां करीब एक वर्ष से डायलिसिस सेंटर बंद पड़ा है, जिससे किडनी रोगियों को निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। अस्पताल में लगी लाखों रुपये की डायलिसिस मशीनें धूल फांक रही हैं। इसके अलावा एंडोस्कोपी और ब्रोंकोस्कोपी जैसी महत्वपूर्ण जांच सेवाएं भी नियमित रूप से उपलब्ध नहीं हैं। अल्ट्रासाउंड जांच के लिए मरीजों को एक से दो महीने तक इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे कई गंभीर बीमारियों का समय पर पता नहीं चल पाता।

शहर के सेक्टर-45, मनीमाजरा, सेक्टर-22 सहित विभिन्न सिविल अस्पतालों और डिस्पेंसरियों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी बनी हुई है। कहीं जनरल सर्जन नहीं हैं तो कहीं आर्थोपेडिक विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं हैं। कई अस्पतालों में ईएनटी विशेषज्ञ सप्ताह में केवल दो या तीन दिन ही आते हैं। वहीं आई सर्जन होने के बावजूद आंखों से संबंधित ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध नहीं है। अधिकांश अस्पतालों में केवल सामान्य ओपीडी के सहारे स्वास्थ्य सेवाएं चल रही हैं। तीन से पांच मेडिकल ऑफिसरों के भरोसे पूरे अस्पताल का संचालन किया जा रहा है, जिससे मरीजों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

डॉक्टरों के साथ-साथ स्टाफ नर्सों और पैरामेडिकल कर्मचारियों की भी गंभीर कमी है।

एलएडीसी नीति के विरोध में वकीलों का संघर्ष लगातार जारी

भारतेन्दु संवाददाता, डेराबस्सी। लीगल एड डिफेंस काउंसिल (एलएडीसी) नीति के विरोध में पंजाब भर के वकीलों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। जॉइंट एक्शन कमेटी, पंजाब के आह्वान पर 7 जुलाई से शुरू हुआ संघर्ष गुरुवार को भी पूरे जोश के साथ जारी रहा। डेराबस्सी बार एसोसिएशन सहित प्रदेश की विभिन्न बार एसोसिएशनों ने न्यायालयीन कार्य का पूर्ण बहिष्कार करते हुए शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन किया। हड़ताल के कारण अदालतों में सामान्य कामकाज प्रभावित रहा और कई मामलों की सुनवाई भी प्रभावित हुई।

एलएडीसी नीति वापस नहीं होने तक वकीलों का आंदोलन जारी रहेगा।

डेराबस्सी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रमजीत सिंह दप्पर ने बताया कि 14 जुलाई को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विनोद एस. भारद्वाज की अध्यक्षता में गठित समिति के साथ प्रदेशभर के बार एसोसिएशन पदाधिकारियों की बैठक हुई थी। बैठक में एलएडीसी नीति की कमियों और इससे न्याय व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों को विस्तार से रखा गया। हालांकि, बैठक में कोई ठोस समाधान नहीं निकलने के कारण सभी बार एसोसिएशनों ने आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया। वकील नेताओं का कहना है कि पहले समिति के आश्वासन पर आंदोलन स्थगित किया गया था, लेकिन अब यह लड़ाई वकीलों के अधिकारों और उनके भविष्य से जुड़ा मुद्दा बन चुकी है।

न्यू चंडीगढ़ की जर्जर संपर्क सड़क से बढ़ीं परेशानियां

भारतेन्दु संवाददाता, नयागांव

न्यू चंडीगढ़ क्षेत्र के गांवों को आपस में जोड़ने वाली संपर्क सड़कों की बदहाल स्थिति से ग्रामीणों और राहगीरों की परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं। सबसे अधिक खराब हालात पेंतपुर गांव से सलामतपुर, रसूलपुर, डोडे माजरा और रानी माजरा को जोड़ने वाले मुख्य संपर्क मार्ग के हैं। सड़क जगह-जगह से उखड़ चुकी है और उस पर बने बड़े-बड़े गड्ढे रोजाना हादसों का कारण बन रहे हैं। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालकों को सड़क की वास्तविक स्थिति का पता नहीं चल पाता, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग आसपास के कई गांवों के लोगों के लिए आवागमन का प्रमुख रास्ता है। इसी सड़क से किसान खेतों तक पहुंचते हैं, विद्यार्थी स्कूल और कॉलेज जाते हैं तथा स्थानीय लोग रोजमर्रा के कार्यों के लिए आवाजाही करते हैं। सड़क की खराब हालत के कारण लोगों को हर दिन परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। न्यू चंडीगढ़ भाजपा युवा मंडल के अध्यक्ष सतबीर सिंह सत्ती ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सड़क लगभग 16 से 17 वर्ष पहले बनाई गई थी। इसके बाद इसकी मरम्मत या पुनर्निर्माण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार संबंधित विभाग और सरकार के समक्ष इस समस्या को उठाया गया, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों की अनदेखी की है और विकास कार्य केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं।

सलामतपुर के ग्रामीण परमिंदर सिंह भोला, बिल्ला और अन्य लोगों ने मांग की कि संपर्क मार्ग का जल्द से जल्द उच्च गुणवत्ता के साथ पुनर्निर्माण कराया जाए ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन मिल सके। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि सड़क पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं होने से रात के समय दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। अंधेरे में वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क की मरम्मत के साथ-साथ स्ट्रीट लाइटें लगाने की भी मांग की है।

जिला अदालत की मल्टीलेवल पार्किंग तैयार

करीब 1500 वाहनों की क्षमता वाली पार्किंग से वकीलों, वादकारियों और आम नागरिकों की वर्षों पुरानी समस्या होगी दूर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

सेक्टर-43 स्थित जिला अदालत और चंडीगढ़ ज्यूडिशियल अकादमी के बीच करीब साढ़े चार एकड़ क्षेत्र में निर्मित बहुप्रतीक्षित मल्टीलेवल पार्किंग बनकर पूरी तरह तैयार हो गई है। इस पार्किंग का उद्घाटन भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत करेंगे। पार्किंग शुरू होने के बाद जिला अदालत आने वाले हजारों वकीलों, वादकारियों और आम नागरिकों को वर्षों पुरानी पार्किंग समस्या से काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

हालांकि उद्घाटन से पहले एक महत्वपूर्ण सवाल अभी भी बना हुआ है कि इस पार्किंग का संचालन कौन करेगा। इसे यूटी प्रशासन संचालित करेगा या किसी अन्य एजेंसी को जिम्मेदारी दी जाएगी, इस पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। जिला बार एसोसिएशन का भी कहना है कि पार्किंग के संचालन और उपयोग को लेकर अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है।

जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट अशोक चौहान का कहना है कि इस पार्किंग के निर्माण के लिए वकीलों ने करीब 13 वर्षों तक लगातार संघर्ष किया है। वर्ष 2013 में जिला अदालत को सेक्टर-17 से सेक्टर-43 स्थानांतरित किए जाने के बाद से ही पार्किंग की समस्या गंभीर बनी हुई थी। अदालत परिसर में उपलब्ध पार्किंग क्षमता जरूरत के मुकाबले काफी कम थी, जिसके कारण वकीलों और आम लोगों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

उन्होंने कहा कि जिला अदालत में प्रतिदिन करीब 1200 वकील और हजारों वादकारी आते हैं। पार्किंग नहीं मिलने के कारण वकीलों का काफी समय व्यर्थ होता था और अदालत के बाहर तथा सेक्टर-43 बस स्टैंड के आसपास वाहनों की लंबी कतारें लगने से अक्सर यातायात जाम की स्थिति बन जाती थी। इसलिए बार एसोसिएशन की मांग है कि नई मल्टीलेवल पार्किंग में वकीलों को प्राथमिकता दी जाए और उनके लिए पर्याप्त स्थान आरक्षित किया जाए।

करीब 80 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस आधुनिक पार्किंग परियोजना का शिलान्यास 30 जुलाई 2022 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया था। पार्किंग में बेसमेंट सहित चार मंजिलों पर लगभग 1500 वाहनों को खड़ा करने की क्षमता विकसित की गई है। आधुनिक सुविधाओं से लैस यह पार्किंग न केवल अदालत परिसर में पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाएगी, बल्कि आसपास की सड़कों पर लगने वाले ट्रैफिक जाम को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मल्टीलेवल पार्किंग से मिलेंगे बड़े लाभ

सेक्टर-43 स्थित जिला अदालत के पास मल्टीलेवल पार्किंग शुरू होने से वकीलों, वादकारियों और आम नागरिकों को सबसे बड़ी राहत पार्किंग की समस्या से मिलेगी। अब अदालत आने वाले लोगों को वाहन खड़ा करने के लिए लंबे समय तक इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा। लगभग 1500 वाहनों की क्षमता होने से अदालत परिसर और आसपास की सड़कों पर वाहनों का दबाव कम होगा, जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या में भी कमी आएगी। समय की बचत होने के साथ अदालत की कार्यवाही के लिए आने वाले लोगों को अधिक सुविधा मिलेगी। पार्किंग व्यवस्थित होने से सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर भी रोक लगेगी और यातायात सुचारु रहेगा। आधुनिक पार्किंग व्यवस्था से सुरक्षा बेहतर होगी तथा वाहनों के क्षतिग्रस्त होने या चोरी की आशंका भी कम होगी। इसके अलावा अदालत परिसर का संचालन अधिक व्यवस्थित होगा और आने वाले लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाओं का अनुभव मिलेगा।

उत्तराखंड के पांच जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

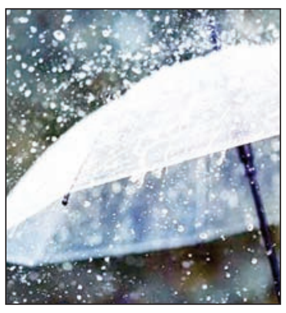

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहने का पूर्वानुमान जारी करते हुए देहरादून, नैनीताल, पिथौरागढ़, चम्पावत और बागेश्वर जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश की चेतावनी दी है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और मौसम को देखते हुए ही यात्रा करने की अपील की है।

पर्वतीय जिलों और ऊधमसिंह नगर में आकाशीय बिजली गिरने तथा तेज बारिश के दौर की भी आशंका जताई गई है। विभाग के अनुसार 17 जुलाई को राज्य के 10 जिलों में भारी वर्षा हो सकती है, जबकि 18 और 19 जुलाई को देहरादून, बागेश्वर और नैनीताल में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने भूस्खलन, चट्टानें गिरने, सड़कें अवरुद्ध होने और निचले इलाकों में जलभराव की आशंका को देखते हुए लोगों को अनावश्यक यात्रा से बचने और नदी-नालों के आसपास विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। राजधानी देहरादून में सुबह धूप और उमस के बीच बादलों की आवाजाही बनी रही, जिससे दिन में बारिश की संभावना जताई गई है। केंद्रीय जल आयोग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश की सभी प्रमुख नदियां फिलहाल खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं और बाढ़ जैसी कोई स्थिति नहीं है।

हरेला पर्व पर पर्यटन मंत्री ने रुद्राक्ष का पौधा रोपकर दिया पर्यावरण संदेश

हरित उत्तराखंड के संकल्प संग अधिक वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण का किया आह्वान

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला के अवसर पर वन विभाग की ओर से नगर वन देवपुर में भव्य वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने रुद्राक्ष का पौधा रोपकर अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, संतों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी पौधारोपण कर हरित उत्तराखंड के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों के संवर्धन और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संदेश दिया गया।

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि हरेला केवल एक पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी आस्था, कृतज्ञता और संरक्षण की भावना का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में वृक्ष, नदियां, पर्वत और वन सदैव पूजनीय रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रकृति सुरक्षित रहेगी तो मानव जीवन भी स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध रहेगा। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करे।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ता प्रदूषण और लगातार घटते वन क्षेत्र आज पूरी दुनिया के सामने गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे समय में हरेला जैसे जनजागरूकता अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की पहचान उसकी प्राकृतिक संपदा, हिमालय, घने वन, पवित्र नदियां और समृद्ध जैव विविधता से है। यही प्राकृतिक धरोहर राज्य के पर्यटन और स्थानीय लोगों की आजीविका का भी प्रमुख आधार है। वन संरक्षण और पर्यटन विकास एक-दूसरे के पूरक हैं तथा दोनों को समान प्राथमिकता देना आवश्यक है।

सतपाल महाराज ने कहा कि हरिद्वार देश और विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों का प्रमुख धार्मिक और पर्यटन केंद्र है। यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छ, हरित और सुंदर वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी परिवारों से प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लेने की अपील की।

निवंदू पुरी महाराज को संतों ने दी श्रद्धांजलि

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। कनखल स्थित शिवायतन आश्रम में पूज्य निवंदू पुरी महाराज की पुण्यतिथि श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच मनाई गई। इस अवसर पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज सहित विभिन्न अखाड़ों के संत-महात्माओं ने उपस्थित होकर दिवंगत संत को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया और संत समाज के साथ उनकी पुण्य स्मृति को नमन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ हुआ। संतों ने निवंदू पुरी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके आध्यात्मिक जीवन, तप, सेवा और सनातन धर्म के प्रति समर्पण को याद किया। श्रद्धांजलि सभा में उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए संतों ने उनके आदर्शों को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि निवंदू पुरी महाराज ने अपना संपूर्ण जीवन सनातन धर्म, संत समाज और राष्ट्र सेवा को समर्पित किया। उन्होंने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए सदैव सक्रिय भूमिका निभाई। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही सनातन परंपराओं को मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने संत समाज से धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया।

पुलिस अधीक्षक ने पर्यावरण संरक्षण का दिया प्रभावी संदेश

हरेला पर्व पर रुद्रप्रयाग पुलिस ने किया वृक्षारोपण

भारतेंदु संवाददाता, रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला के अवसर पर रुद्रप्रयाग पुलिस ने पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से जिलेभर में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर के नेतृत्व में पुलिस लाइन, पुलिस कार्यालय तथा जनपद की सभी कोतवालियों, चौकियों और पुलिस परिसरों की खाली भूमि पर फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल कर धरती को हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर ने कहा कि हरेला पर्व उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। यह पर्व हमें पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए पौधरोपण अत्यंत आवश्यक है। यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय दायित्वों के निर्वहन में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है।

नाबार्ड कार्यक्रम में किसानों को कृषि यंत्रीकरण की दी जानकारी

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के सहयोग से नवगुरुकुल फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड की ओर से बहादराबाद स्थित हाईटेक कस्टम हायरिंग सेंटर में किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम कृषि विभाग की मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना के तहत आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। इस दौरान किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, कृषि यंत्रीकरण और सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में भूमि संरक्षण अधिकारी बहादराबाद अमरेन्द्र चौधरी ने कहा कि वर्तमान समय में खेती को लाभकारी बनाने के लिए आधुनिक कृषि यंत्रों और वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि कस्टम हायरिंग सेंटर छोटे और सीमांत किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा है। इसके माध्यम से किसान कम लागत पर आधुनिक कृषि उपकरणों का उपयोग कर सकते हैं, जिससे खेती की लागत कम होगी और उत्पादन में वृद्धि होगी।

उन्होंने किसानों से कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में तकनीकी बदलाव किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। लक्सर शुगर मिल के महाप्रबंधक डॉ. बी.एस. तोमर ने गन्ना किसानों को गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और आधुनिक तकनीकों के प्रयोग पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कृषि यंत्रीकरण से समय की बचत होती है और खेती की लागत भी कम होती है।

वृद्ध जागेश्वर धाम पहुंचे मुख्यमंत्री धामी

महादेव से प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि और जनकल्याण की कामना कर लिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री ने वृद्ध जागेश्वर धाम में डेढ़ क्विंटल की घंटी भेंट की।

भारतेंदु संवाददाता, अल्मोड़ा। हरेला पर्व के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोड़ा स्थित प्राचीन वृद्ध जागेश्वर धाम पहुंचकर भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने देवाधिदेव महादेव से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करते हुए राज्य की निरंतर प्रगति तथा जनकल्याण के लिए आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रद्धा स्वरूप मंदिर में डेढ़ क्विंटल वजनी घंटी भी भेंट की।

पूजा-अर्चना के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में कन्यापूजन किया और कन्याओं को प्रसाद वितरित किया। उन्होंने प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व प्रकृति संरक्षण, हरियाली और समृद्धि का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि वृद्ध जागेश्वर धाम देश के प्रमुख और प्राचीन शिव धामों में से एक है, जिसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान पूरे देश में है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। तीर्थस्थलों पर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, आधारभूत ढांचे को मजबूत करने और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विकास योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, पार्किंग और अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि वृद्ध जागेश्वर धाम आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध तथा सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित की जाएं।

न्यूज ब्रीफ

एनएसटीआई देहरादून में स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान देहरादून में गुरुवार को स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय नई दिल्ली तथा प्रशिक्षण महानिदेशालय के निर्देशानुसार यह अभियान 16 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक देशभर में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में एनएसटीआई देहरादून और एनआईईएसबीयूडी के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता बनाए रखने और स्वच्छ भारत मिशन की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विशेष सेल्फी बूथ भी बनाया गया, जहां प्रतिभागियों ने स्वच्छता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सेल्फी लेकर अभियान का समर्थन किया। कार्यक्रम के अंत में संस्थान, कार्यस्थल और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ, हरित एवं सुंदर बनाए रखने की सामूहिक शपथ ली गई। पखवाड़े के दौरान स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता से जुड़ी कई गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

बारहवीं में अनिवार्य संस्कृत पढ़ाएगी निर्झरा-2 पाठ्यपुस्तक

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद ने कक्षा 12 के हिंदी भाषा पाठ्यक्रम में अनिवार्य संस्कृत भाग के लिए निर्झरा-2 पाठ्यपुस्तक लागू कर दी है। परिषद ने स्पष्ट किया है कि वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षा में हिंदी विषय के अनिवार्य संस्कृत खंड के प्रश्न इसी पुस्तक से पूछे जाएंगे। परिषद के सचिव विनोद कुमार ढौंडियाल ने सभी मुख्य शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर विद्यालयों में नई व्यवस्था के अनुसार पढ़ाई सुनिश्चित करने को कहा है। वहीं कृषि हिंदी विषय में अनिवार्य संस्कृत भाग के प्रश्न निर्झरा-1 और निर्झरा-2 दोनों पुस्तकों से पूछे जाएंगे। नई व्यवस्था वर्तमान शैक्षिक सत्र से प्रभावी होगी।

हरेला पर्व पर चम्पावत में लगेंगे हजारों पौधे

भारतेंदु संवाददाता, चम्पावत। हरेला महोत्सव-2026 के अवसर पर चम्पावत जिले में पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन के लिए व्यापक पौधरोपण अभियान चलाया गया। वन पंचायत पुनेठी, ताराचौड़, मानेश्वर महादेव मंदिर, डिप्टेश्वर मंदिर, रजत जयंती पार्क और भारत-नेपाल सीमा से लगे विद्यालयों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सुरक्षा बलों, विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों ने पौधे लगाए। वन पंचायत पुनेठी में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में जिलाधिकारी मनीष कुमार, राज्य मंत्री श्याम नारायण पाण्डेय और नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमा पाण्डेय ने पौधरोपण किया। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में हरेला पर्व के तहत करीब 70 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि पौधों का संरक्षण और नियमित देखभाल भी जरूरी है। आईटीबीपी की 36वीं वाहिनी ने मानेश्वर महादेव मंदिर परिसर में लगभग 200 पौधे लगाए। वहीं रजत जयंती पार्क और सीमा क्षेत्र के विद्यालयों में भी वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रमों में पर्यावरण संरक्षण और हरित उत्तराखंड के निर्माण का संकल्प लिया गया।

एमडीडीए ने अवैध प्लाटिंग पर चलाया बुलडोजर अभियान

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने डोईवाला से मसूरी तक अवैध प्लाटिंग और बिना स्वीकृति किए जा रहे निर्माण कार्यों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। डोईवाला के खत्ता रोड क्षेत्र में लगभग 30 बीघा भूमि पर विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाकर सड़कें और अन्य संरचनाएं ध्वस्त कर दी गईं। वहीं कारगी ग्रांट, ग्राफिक रेरा यूनिवर्सिटी रोड और मसूरी के टिपरी धार क्षेत्र में कई अवैध व्यावसायिक एवं आवासीय निर्माण सील किए गए। एमडीडीए ने स्पष्ट किया कि अवैध निर्माण और प्लाटिंग के खिलाफ कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

हरित हिमालय संकल्प के तहत चलाया गया अभियान

हरेला सप्ताह में 130 इन्फैंट्री बटालियन ने रोपे 70 हजार पौधे

भारतेंदु संवाददाता, पिथौरागढ़। पर्यावरण संरक्षण और हरित हिमालय के संकल्प को मजबूत करते हुए 130 इन्फैंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) इकोलॉजिकल कुमाऊं ने हरेला सप्ताह के तहत वृहद वृक्षारोपण अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया। 10 से 16 जुलाई तक चले इस अभियान के दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में 70 हजार पौधों का रोपण किया गया।

बटालियन की ओर से यह अभियान बनानी, गुनसेरा चंडाक, अगनिया बुंगाचीना, सुवाकोट वड्डा सहित कई क्षेत्रों में चलाया गया। इसमें स्थानीय ग्रामीणों, पूर्व सैनिकों, विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, वन विभाग और सिविल प्रशासन ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अभियान के दौरान पर्यावरण अनुकूल और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इसमें आम, अनार, अमरूद, लीची, नींबू, बांज, मणिपुरी बांज, चिनार, देवदार, सुरई और कचनार जैसी फलदार एवं स्थानीय प्रजातियों का रोपण किया गया। बटालियन ने बताया कि यह अभियान वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित आठ लाख पौधों के वार्षिक लक्ष्य के अतिरिक्त स्वैच्छिक रूप से संचालित किया गया। यह पर्यावरण संरक्षण के प्रति बटालियन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सिलक्यारा टनल हादसे में वेल्डर की दर्दनाक मौत

भारतेंदु संवाददाता, उत्तरकाशी। उत्तरकाशी जिले में निर्माणाधीन सिलक्यारा टनल में गुरुवार तड़के हुए एक हादसे में झारखंड निवासी 22 वर्षीय वेल्डर की मौत हो गई। शॉटक्रीट लाइनिंग का एक ब्लॉक अचानक टूटकर गिरने से वह उसकी चपेट में आ गया। घटना के बाद प्रशासन और निर्माण एजेंसी ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, हादसा गुरुवार सुबह करीब दो बजे बड़कोट की ओर से टनल के लगभग 900 मीटर भीतर हुआ। शॉटक्रीट लाइनिंग का भारी ब्लॉक गिरने से वेल्डर नरेश गांझू, पुत्र खिरोधर गांझू, निवासी नारायणपुर, झारखंड गंभीर रूप से घायल हो गए। साथी श्रमिकों ने उन्हें तत्काल निजी एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बड़कोट पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने अधिकारियों को मौके पर भेजा।

मंडलायुक्त ने कांवड़ मेले की तैयारियों का लिया जायजा

◆ यात्रा शुरू होने से पहले सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूरी करने के निर्देश

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। उत्तराखंड में आगामी कांवड़ मेले को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। इसी क्रम में गढ़वाल मंडल आयुक्त आनंद स्वरूप ने गुरुवार को हरिद्वार पहुंचकर कांवड़ पटरी मार्ग का विस्तृत निरीक्षण किया और मेले से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रा प्रारंभ होने से पहले सभी निर्माण, मरम्मत और अन्य आवश्यक कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं ताकि शिवभक्तों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने कांवड़ पटरी मार्ग पर चल रहे निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की प्रगति देखी। इसके साथ ही उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, चिकित्सा सुविधाएं, शौचालय, विश्राम स्थलों और सुरक्षा संबंधी इंतजामों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचते हैं, इसलिए प्रत्येक विभाग पूरी जिम्मेदारी और समन्वय के साथ कार्य करे। मंडलायुक्त आनंद स्वरूप ने कहा कि कांवड़ मेला प्रदेश की आस्था और संस्कृति से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुचारु आवागमन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने निर्देश दिए कि यात्रा मार्ग पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या बाधा नहीं होनी चाहिए तथा सभी आवश्यक सेवाएं चौबीसों घंटे उपलब्ध रहें।

सम्मान | व्यापारियों की समस्याओं के समाधान और समन्वय का लिया गया संकल्प

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों का सम्मान समारोह

◆ व्यापारियों के हितों की मजबूती से होगी पैरवी

◆ नवनियुक्त पदाधिकारियों ने व्यापारियों की समस्याओं के समाधान का दिलाया भरोसा

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के नवनियुक्त जिला संयोजक प्रदीप कालरा एवं सहसंयोजक वैभव शिवपुरी के सम्मान में गुरुवार को एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तराखंड से संबद्ध जिला, शहर, युवा एवं तहसील व्यापार मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में व्यापारिक, सामाजिक और संगठनात्मक क्षेत्र से जुड़े अनेक पदाधिकारियों, व्यापारियों और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। समारोह के दौरान दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों का माल्यार्पण, पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा पटका पहनाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ व्यापारियों और सरकार के बीच समन्वय स्थापित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। व्यापार प्रकोष्ठ के माध्यम से व्यापारियों की समस्याओं को संबंधित विभागों और शासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाता है तथा उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए जाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदीप कालरा के नेतृत्व में हरिद्वार का व्यापारी वर्ग और अधिक संगठित होगा तथा व्यापारियों के हितों की मजबूती से पैरवी की जाएगी।

वक्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा व्यापारियों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक व्यापारियों तक पहुंचाने में व्यापार प्रकोष्ठ की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। साथ ही व्यापारियों और प्रशासन के बीच बेहतर संवाद स्थापित कर व्यापारिक गतिविधियों को सुगम बनाने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। सम्मान समारोह की अध्यक्षता संजीव नैय्यर ने की, जबकि संचालन नागेश वर्मा और संदीप शर्मा ने किया। अपने संबोधन में नवनियुक्त जिला संयोजक प्रदीप कालरा ने सभी व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि व्यापार प्रकोष्ठ व्यापारी समाज और सरकार के बीच विश्वास का मजबूत सेतु बनकर कार्य करेगा। व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से संबंधित अधिकारियों और शासन के समक्ष उठाया जाएगा तथा उनके त्वरित समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य प्रत्येक व्यापारी को सम्मान, सुरक्षा और बेहतर व्यापारिक वातावरण उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी व्यापारिक संगठनों को साथ लेकर कार्य किया जाएगा और व्यापारी समाज की एकजुटता को और मजबूत बनाया जाएगा।

हरेला पर्व पर डॉ. अग्रवाल ने दिया हरियाली बढ़ाने का संदेश

◆ स्मृति वन में हरेला पर्व पर रोपे गए सैकड़ों पौधे

भारतेंदु संवाददाता, ऋषिकेश। हरेला लोकपर्व के अवसर पर वन रेंज ऋषिकेश की ओर से गुमानीवाला स्थित स्मृति वन में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने वन अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों के साथ पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए और उनकी नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि हरेला पर्व उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति, प्रकृति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण की भावना का प्रतीक है। यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराता है और अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं और स्वच्छ व संतुलित पर्यावरण बनाए रखने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण की चुनौतियों से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर पौधरोपण और वन संरक्षण आवश्यक है। केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। यदि समाज का प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसकी जिम्मेदारी निभाए तो हरित और स्वच्छ उत्तराखंड का सपना साकार किया जा सकता है।

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जनभागीदारी के माध्यम से राज्य में हरियाली बढ़ाने के कई अभियान चलाए जा रहे हैं।

कार लोन से महंगा शिक्षा ऋण : क्या बदलनी होगी हमारी प्राथमिकताएं?

भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा को हमेशा राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है। हम अक्सर कहते हैं कि युवा देश का भविष्य हैं, शिक्षा समाज की रीढ़ है और ज्ञान ही विकास का आधार है लेकिन जब व्यवहारिक व्यवस्था को देखा जाता है, तो स्थिति कुछ अलग दिखाई देती है।

आज भारत में कार खरीदना अपेक्षाकृत आसान होता जा रहा है, जबकि उच्च शिक्षा प्राप्त करना लगातार महंगा और कठिन बनता जा रहा है। बैंक नई कार खरीदने के लिए कम ब्याज दरों पर तुरंत ऋण देने को तैयार रहते हैं, परंतु शिक्षा ऋण के मामले में ब्याज दरें अधिक, नियम कठोर और प्रि, या जटिल हो जाती है। यह केवल बैंकिंग व्यवस्था की तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक और आर्थिक प्राथमिकताओं पर गंभीर प्रश्नचिन्ह है। वर्तमान समय में उच्च शिक्षा का खर्च सामान्य परिवारों की क्षमता से बाहर होता जा रहा है। मेडिकल, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, लॉ और निजी विश्वविद्यालयों की फीस लाखों रुपए तक पहुंच चुकी है। मध्यमवर्गीय परिवार बच्चों की पढ़ाई के लिए वर्षों की बचत खर्च कर देते हैं, फिर भी उन्हें शिक्षा ऋण लेना पड़ता है। दुखद बात यह है कि जिस शिक्षा से भविष्य बनना है, उसी पर सबसे अधिक ब्याज का बोझ डाल दिया जाता है। कई बार कार लोन की ब्याज दरें शिक्षा ऋण से कम होती हैं। इसका अर्थ यह है कि एक उपभोक्ता वस्तु खरीदना शिक्षा प्राप्त करने से सस्ता पड़ रहा है। यह केवल आर्थिक असंतुलन नहीं, बल्कि सामाजिक सोच की भी विडंबना है।

डॉ. प्रियंका सौरभ
कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक

बैंकों का तर्क होता है कि कार लोन सुरक्षित होता है, क्योंकि वाहन गिरवी संपत्ति की तरह काम करता है। यदि ऋण चुकाया न जाए तो बैंक वाहन जब्त कर सकते हैं। इसके विपरीत शिक्षा ऋण में कोई भौतिक संपत्ति नहीं होती, वहां केवल छात्र की योग्यता और उसका भविष्य होता है। इसलिए बैंक इसे जोखिमपूर्ण निवेश मानते हैं।

बैंकिंग दृष्टि से यह तर्क उचित लग सकता है, लेकिन राष्ट्रीय दृष्टि से यह संकीर्ण सोच है। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा पीढ़ी होती है। एक छात्र जब डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, शिक्षक या प्रशासक बनता है, तो उसका लाभ केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि पूरे समाज को मिलता है। इसलिए शिक्षा ऋण को केवल व्यापारिक दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए।

शिक्षा ऋण आज आर्थिक सहायता के साथ-साथ मानसिक दबाव का कारण भी बन चुका है। विद्यार्थी पढ़ाई पूरी होने से पहले ही ईएमआई और ब्याज की चिंता में घिर जाते हैं। नौकरी मिलने से पहले कर्ज का भय उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करता है। भारत में उच्च शिक्षा लगातार महँगी होती जा रही है, जबकि शिक्षा ऋण पर ब्याज दरें अब भी अधिक हैं। इसके विपरीत कार लोन आसानी से और कम ब्याज पर मिल जाते हैं।

यह स्थिति हमारी सामाजिक और आर्थिक प्राथमिकताओं पर प्रश्न खड़े करती है। मध्यमवर्गीय परिवार सबसे अधिक प्रभावित होते हैं, क्योंकि वे न तो सरकारी सहायता के पात्र बन पाते हैं और न ही भारी फीस आसानी से चुका सकते हैं। परिणामस्वरूप उन्हें शिक्षा ऋण लेना पड़ता है, जो बाद में मानसिक और आर्थिक बोझ बन जाता है।

कई छात्र अपनी रुचि छोड़कर केवल अधिक वेतन वाली नौकरियों की ओर जाते हैं ताकि ऋण जल्दी चुका सकें। इससे शोध, अध्यापन, साहित्य और सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में प्रतिभा कम हो रही है। सरकार और बैंकों को शिक्षा ऋण पर कम ब्याज, लचीली पुनर्भुगतान व्यवस्था और विशेष राहत योजनाएँ लागू करनी चाहिए। शिक्षा खर्च नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य में निवेश है।

आज के ज्ञान-आधारित वैश्विक दौर में किसी भी देश की वास्तविक संपत्ति उसके प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि शिक्षित और कुशल मानव संसाधन होते हैं। जिन देशों ने शिक्षा को निवेश के रूप में देखा, वे विज्ञान, तकनीक, स्वास्थ्य, उद्योग और नवाचार के क्षेत्र में विश्व के अग्रणी देशों में शामिल हो गए। भारत भी विश्वगुरु बनने और विकसित राष्ट्र का लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है, लेकिन यह लक्ष्य तभी साकार होगा जब हर प्रतिभाशाली विद्यार्थी को आर्थिक बाधाओं से मुक्त होकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। यदि शिक्षा केवल आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग तक सीमित हो जाएगी, तो समाज में अवसरों की असमानता और अधिक बढ़ेगी तथा अनेक प्रतिभाएं संसाधनों के अभाव में आगे नहीं बढ़ पाएंगी।

शिक्षा ऋण व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों के सपनों को पंख देना होना चाहिए, न कि उन्हें कर्ज के बोझ तले दबाना। आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा ऋण को सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में देखा जाए।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

आत्मविश्वासी व्यक्ति हर चुनौती का डटकर सामना करता है

आज के समय में हर व्यक्ति किसी न किसी के सहारे की तलाश में रहता है। कोई दोस्तों पर भरोसा करता है, कोई परिवार पर और कोई समाज पर लेकिन जीवन का सबसे बड़ा सच यह है कि इंसान का सबसे अच्छा दोस्त उसका अपना आप होता है। जब व्यक्ति खुद का साथ देना सीख जाता है, तब वह हर परिस्थिति का सामना मजबूती से कर सकता है।

मेरे विचार से यदि इंसान खुद को समझ ले, खुद पर विश्वास करना सीख ले, तो उसे जीवन में आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। आज की युवा पीढ़ी एक ऐसी दुनिया में जी रही है जहां दिखावा, तुलना और दूसरों की राय बहुत मायने रखने लगी है। सोशल मीडिया पर लोग अपनी जिंदगी का केवल अच्छा हिस्सा दिखाते हैं, जिसे देखकर कई युवा खुद को कम समझने लगते हैं। वे दूसरों जैसी जिंदगी पाने की दौड़ में अपनी असली पहचान खोने लगते हैं। मुझे लगता है कि यही आज की सबसे बड़ी समस्या है। युवा दूसरों को खुश करने में इतने व्यस्त हो गए हैं कि वे खुद की खुशी को भूलते जा रहे हैं।

रश्मि शर्मा
अध्यापिका, घुमारवीं, जिला बिलासपुर

मेरे अनुसार हर व्यक्ति अपने आप में खास होता है। किसी की सफलता देखकर खुद को कमजोर समझना सही नहीं है। हर इंसान की अपनी क्षमता और अपनी पहचान होती है। जरूरत केवल इस बात की है कि हम खुद को स्वीकार करें और अपनी कमियों को सुधारते हुए आगे बढ़ें। जब इंसान खुद से प्यार करना सीख जाता है, तब उसे दूसरों की स्वीकृति की जरूरत कम पड़ने लगती है। कठिन समय में कई बार लोग साथ छोड़ देते हैं, लेकिन यदि व्यक्ति का आत्मविश्वास मजबूत हो तो वह कभी टूटता नहीं। मैंने हमेशा यही महसूस किया है कि जीवन में सबसे ज्यादा जरूरत खुद के भरोसे की होती है। जब हम खुद को समझते हैं, अपने मन की सुनते हैं और अपनी भावनाओं का सम्मान करते हैं, तभी हम सच्चे अर्थों में खुश रह सकते हैं। आज के युवाओं को यह समझने की जरूरत है कि असली खुशी दूसरों जैसा बनने में नहीं, बल्कि अपने वास्तविक व्यक्तित्व को अपनाने में है। हर समय दूसरों से तुलना करना केवल तनाव और निराशा बढ़ाता है। यदि युवा अपनी ऊर्जा अपनी प्रतिभा को पहचानने और अपने सपनों को पूरा करने में लगाएं, तो वे जीवन में कहीं ज्यादा सफल और संतुष्ट रह सकते हैं। मेरे विचार से आत्मविश्वास इंसान की सबसे बड़ी ताकत होती है। जब व्यक्ति स्वयं का मित्र बन जाता है, तब वह अकेले रहकर भी कभी कमजोर महसूस नहीं करता। उसे अपने निर्णयों पर भरोसा होने लगता है और वह जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना साहस के साथ करना सीख जाता है।

आत्मविश्वासी व्यक्ति दूसरों पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहता, बल्कि अपनी क्षमताओं को पहचानकर आगे बढ़ता है। जीवन में कई बार लोग बदल जाते हैं, रिश्ते कमजोर पड़ जाते हैं और परिस्थितियां भी साथ नहीं देतीं, लेकिन एक रिश्ता ऐसा होता है जो हमेशा हमारे साथ रहता है- हमारा अपने आप से रिश्ता।

इसलिए हमें सबसे पहले स्वयं को समझना चाहिए, अपनी अच्छाइयों और कमियों को स्वीकार करना चाहिए और खुद का सम्मान करना सीखना चाहिए। जब इंसान खुद का सच्चा साथी बन जाता है, तब वह हर मुश्किल को आसानी से पार कर सकता है और जीवन की राहें भी सरल लगने लगती हैं।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

> **अकर्मण्यता** के जीवन से यशस्वी जीवन और यशस्वी मृत्यु श्रेष्ठ होती है।
>
> **-चंद्रशेखर वेंकट रमण**

संपादकीय

मजबूत कृषि नीति की जरूरत

देश इस वर्ष कमजोर मानसून की चुनौती का सामना कर रहा है। मानसून भारतीय अर्थव्यवस्था, विशेषकर कृषि क्षेत्र के लिए हमेशा से बेहद महत्वपूर्ण रहा है। जून महीने में सामान्य से 43 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई, जो पिछले कई दशकों के सबसे सूखे जून महीनों में शामिल है। हालांकि जुलाई के शुरुआती दिनों में हुई बारिश से कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन मौसम विभाग के अनुमान अभी भी सामान्य से कम वर्षा की संभावना की ओर संकेत कर रहे हैं। ऐसे समय में केवल अच्छी बारिश की उम्मीद के सहारे कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को छोड़ना गंभीर जोखिम साबित हो सकता है। सरकार को तत्काल राहत उपायों के साथ-साथ दीर्घकालिक कृषि सुधारों पर भी तेजी से काम करना होगा। भारत की कृषि व्यवस्था लंबे समय से मानसून पर निर्भर रही है। देश की लगभग आधी कृषि भूमि अभी भी सिंचाई सुविधाओं से वंचित है और वर्षा आधारित खेती पर निर्भर है। ऐसे क्षेत्रों में बारिश की कमी का प्रभाव केवल खेतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि किसानों की आय, ग्रामीण रोजगार, बाजार की मांग और पूरे ग्रामीण आर्थिक ढांचे को प्रभावित करता है। जब पर्याप्त वर्षा नहीं होती तो किसानों को फसल उत्पादन में नुकसान उठाना पड़ता है, कर्ज का दबाव बढ़ता है और ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ जाती हैं। देश के कई हिस्सों में मानसून की कमी चिंता का कारण बनी हुई है।

बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड, मराठवाड़ा, राजस्थान और उत्तर-पश्चिम भारत के कई क्षेत्रों में कम बारिश का असर कृषि गतिविधियों पर दिखाई दे रहा है। इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में छोटे और सीमांत किसान खेती पर निर्भर हैं। ऐसे किसानों के लिए मौसम में थोड़ी सी अनिश्चितता भी बड़ी आर्थिक परेशानी का कारण बन सकती है। कमजोर मानसून पहले से मौजूद कृषि संकट, कम आय और ग्रामीण गरीबी को और बढ़ा सकता है। इस वर्ष खरीफ फसलों की बुआई पर भी मानसून की कमी का असर देखने को मिला है। धान, दलहन, तिलहन, कपास और अन्य प्रमुख फसलों के रकबे में गिरावट दर्ज की गई है। खरीफ सीजन पूरी तरह मानसूनी बारिश पर निर्भर होता है और समय पर बारिश न होने से किसान बुआई में देरी करने को मजबूर होते हैं। यदि आने वाले समय में बारिश की स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो उत्पादन घटने की संभावना बढ़ सकती है। कृषि उत्पादन में कमी का सीधा असर खाद्य महंगाई पर पड़ सकता है। हालांकि देश के पास गेहूं और चावल जैसे प्रमुख खाद्यान्नों का पर्याप्त भंडार मौजूद है, लेकिन दालों और तिलहनों के मामले में भारत अभी भी काफी हद तक आयात पर निर्भर है। यदि घरेलू उत्पादन कम होता है तो आयात बढ़ाना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर भारतीय उपभोक्ताओं पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सरकार को खाद्य सुरक्षा और कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए पहले से रणनीति तैयार करनी होगी। कमजोर मानसून का एक बड़ा प्रभाव जल संसाधनों पर भी पड़ता है। देश के कई हिस्सों में जलाशयों का जल स्तर लगातार दबाव में है।

भूजल का अत्यधिक दोहन भी एक गंभीर समस्या बन चुका है। कई राज्यों में किसान सिंचाई के लिए भूजल पर निर्भर हैं, लेकिन लगातार गिरते जल स्तर के कारण भविष्य में खेती करना और कठिन हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश का स्वरूप भी बदल रहा है। कहीं अत्यधिक बारिश हो रही है तो कहीं सूखे जैसी स्थिति बन रही है। इसलिए केवल मानसून पर निर्भर कृषि व्यवस्था लंबे समय तक टिकाऊ नहीं रह सकती। भारत को अब कृषि क्षेत्र में जल प्रबंधन को सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। सूक्ष्म सिंचाई तकनीक जैसे ड्रिप और स्प्रिंकलर प्रणाली को बढ़ावा देना होगा। वर्षा जल संचयन, छोटे जलाशयों का निर्माण और पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण भी जरूरी है। किसानों को ऐसी फसलों की ओर प्रोत्साहित करना होगा जिनमें कम पानी की आवश्यकता होती है और जो बदलते मौसम के अनुरूप बेहतर उत्पादन दे सकती हैं। फसल विविधीकरण भी कमजोर मानसून से निपटने का महत्वपूर्ण उपाय हो सकता है। लंबे समय से कई क्षेत्रों में किसान अधिक पानी वाली फसलों पर निर्भर हैं। इसके कारण जल संकट बढ़ रहा है। सरकार को किसानों को दलहन, तिलहन, मोटे अनाज और अन्य कम पानी वाली फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे न केवल जल संरक्षण होगा बल्कि देश की आयात निर्भरता भी कम हो सकती है। कृषि क्षेत्र को आधुनिक तकनीक से जोड़ना भी समय की आवश्यकता है। मौसम आधारित सलाह, बेहतर बीज, डिजिटल कृषि सेवाएं और वैज्ञानिक खेती के तरीकों से किसान बदलते मौसम की चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर सकते हैं। छोटे किसानों तक इन सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करना जरूरी है। केवल बड़े किसानों तक तकनीक सीमित रहने से कृषि संकट का समाधान नहीं हो पाएगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए रखना भी सरकार की बड़ी जिम्मेदारी है।

कमजोर मानसून का असर केवल खेती करने वालों पर नहीं पड़ता, बल्कि इससे ग्रामीण बाजार, छोटे व्यापार और रोजगार के अवसर भी प्रभावित होते हैं। ऐसे समय में ग्रामीण रोजगार योजनाओं को प्रभावी बनाना जरूरी है। रोजगार गारंटी कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आय का सहारा दिया जा सकता है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन और अन्य गैर-कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देना होगा। इससे किसानों की आय के स्त्रोत बढ़ेंगे और वे केवल एक फसल या मानसून पर निर्भर नहीं रहेंगे। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करना जरूरी है। सरकार को किसानों के लिए राहत उपायों पर भी ध्यान देना होगा। फसल बीमा योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाना, समय पर मुआवजा उपलब्ध कराना और कृषि ऋण व्यवस्था को आसान बनाना आवश्यक है। किसानों को संकट के समय तत्काल सहायता मिले, इसके लिए प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करना होगा।

-शिवांश धाकड़

फसल बचाने की चुनौती: सिंचाई संकट, आवारा पशु और वन्यजीवों से जूझ रहे किसान

आजकल सरकार किसानों को कृषि उत्पादन के नए-नए तरीके सिखा रही है। आए दिन सेमिनार होते हैं, कृषि की गुणवत्ता बढ़ाने व उसे उपजाऊ कैसे बनाया जाए की विस्तृत जानकारी दी जाती है। कृषि विशेषज्ञ गांव-गांव जाकर किसानों को नवीन तकनीक से खेती करने के लिए जानकारियां उपलब्ध करवाते हैं।

राकेश डोगरा
गांव कौना हल्दरा, पालमपुर

यहां तक कि केंद्र सरकार किसानों को फसल बीजने, खाद डालने आदि के लिए सालाना 6000 रुपए किसान सम्मान निधि के रूप में भी दे रही है। इसके बावजूद क्या हम अपनी फसलों को बचा पाते हैं, उन्हें ले पाते हैं। शायद बहुत कम। फसल न ले पाने के बहुत से कारण हैं। चंगर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा न के बराबर होना, आज से 40-50 वर्ष पहले हमारे बुजुर्ग खड्डों से कूहलों के जरिए पानी लाकर फसलों की सिंचाई करते थे, लेकिन अब वह गुजरे वक्त की बात है। कुछ ऐतिहासिक कूहलें भी हैं जैसे-महाराजा संसार चंद कूहल, कृपाल चंद कूहल, जिनसे हमारे पूर्वज फसल की सिंचाई करके उसे उगाते थे, क्योंकि वे उन कूहलों की सांभ-संभाल रखते थे लेकिन हम लोगों ने उन्हें खो दिया। कभी उनकी मेंटेनेंस नहीं करवाई। उल्टा उनमें कूड़ा-करकट डालते रहे। इसी कारण वे धीरे-धीरे अपना अस्तित्व ही खो बैठीं। इसके अलावा यह बात भी सही है कि ज्यादातर चंगर क्षेत्र के निवासी बारिश के पानी पर ही निर्भर करते हैं। अगर समय पर बारिश न हो तो अकाल जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

अगर समय पर बारिश हो जाए तो फसल उग आती है, लेकिन फिर दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जंगलों में बड़ी तादाद में छोड़े गए जंगली मवेशी नील गाय और सांभर फसल बड़ी होने से पहले ही खा लेते हैं, उनके लिए बाड़बंदी की भी जरूरत भी नहीं होती, क्योंकि इनकी लंबी और ऊंची छलांग 8-10 फुट से कम नहीं होती। वे कभी भी कहीं भी आ जा सकते हैं। इनके साथ साथ विभिन्न प्रकार के जंगली पंछी मोर, तोते, हंस, बगुला आदि भी फसल को उजाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ते। अगर बंदर आपके इलाके में पाए जाएं तो फसल रो-

रोकर यह ही कहती है कि किसान महाराज मुझे बीजना बंद कर दो, क्योंकि बंदरों को बाड़बंदी से कोई फर्क नहीं पड़ता। इनकी छलांग बहुत लंबी और ऊंची होती है। अगर फिर भी फसल इन सब से बच जाए तो लावारिस मवेशी जो स्थानीय गांव वाले अपना काम निकालने के बाद उन्हें आवारा छोड़ देते हैं, वे भी फसल को नहीं छोड़ते।

आपको बता दें कि जिस तरह हमारे समाज में एक बहुत बड़ी कुरीति है कि हर किसी के घर में लड़का ही चाहिए, लड़की नहीं। उसी तरह गाय से भी हम बछड़ी ही चाहते हैं, बछड़ा नहीं। चाहिए भी क्यों भला, क्योंकि हम मतलब परस्त जो हैंञ बछड़ी बड़ी होकर गाय बनेगी और दूध से मालिक के परिवार का पालन-पोषण करगी, जबकि बछड़ा बड़ा होकर बैल बनता है और वह आजकल किसी काम का नहीं है।

पहले हल जोतने के काम में लाया जाता था, मगर आजकल हल की जगह ट्रैक्टर ने ले ली है। पहले हल जोतने का जो काम घंटों में होता था वह अब ट्रैक्टर के जरिए मिनटों में हो जाता है। इस वजह से इस जमाने में बैल का कोई मोल नहीं रहा। यही कारण है कि बछड़े का कोई भी ध्यान नहीं रखता और सही पालन पोषण न करके उसे मरने के लिए छोड़ दिया जाता है। थोड़े बहुत जो बच जाते हैं वे आवारा बनकर लोगों के खेतों को उजाड़ कर नुकसान पहुंचाते हैं। फसल न बीजने का यह भी एक करण है। इंसान भी कितना मतलबपरस्त होता है उन आवारा पशुओं को अपने गांव से खदेड़ कर किसी अन्य गांव में छोड़ आता है ताकि इन आवारा मवेशियों से उसकी फसल बची रहे। यह बहुत गलत बात है। अपने फायदे के लिए दूसरे का नुकसान करना कहां की अक्लमंदी है, बल्कि इस समस्या से निजात पाने के लिए कारगर समाधान की आवश्यकता है।

सरकार द्वारा किसानों की फसल को बचाने के लिए कुछ योजनाएं चलाई गईं हैं, जिनमें एक है सोलर फेंसिंग, इसमें सरकार सब्सिडी भी देती है। इससे गांव की उपजाऊ जमीन के चारों ओर तारों से बाड़बंदी कर दी जाती है, जिसमें मामूली सा सोलर करंट छोड़ा जाता है। जब भी कोई मवेशी उसे लांघने की कोशिश करता है तो उसे थोड़ा सा करंट लगता है और मवेशी वहां आने की दोबारा हिम्मत नहीं करता। इस करंट से मवेशी को जान की हानि नहीं होती। इससे भी फसलों का बचाव हो सकता है। बहुत से गांवों में यह सुविधा उपलब्ध भी है, मगर कुछेक ग्रामीण उस सोलर फेंसिंग का रख-रखाव ही नहीं कर पाते।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

बहुमुखी प्रतिभा के धनी कलाकार

रवि किशन

रवि किशन भारतीय सिनेमा और राजनीति का जाना-माना नाम हैं। उनका जन्म 17 जुलाई 1969 को उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में हुआ था। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत हिंदी फिल्मों से की, लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा लोकप्रियता भोजपुरी सिनेमा से मिली। अपनी दमदार आवाज, शानदार संवाद अदायगी और अभिनय प्रतिभा के कारण उन्होंने दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई।

रवि किशन ने भोजपुरी फिल्मों के साथ-साथ हिंदी, तेलुगु और अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी काम किया है। उन्होंने कई फिल्मों और टेलीविजन कार्यक्रमों में अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया। उनकी मेहनत और संघर्ष ने उन्हें फिल्म जगत में एक अलग मुकाम दिलाया। अभिनय के बाद रवि किशन ने राजनीति में कदम रखा। वह भारतीय जनता पार्टी से जुड़े और गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद चुने गए। संसद में वह अपने क्षेत्र और जनता से जुड़े मुद्दों को उठाते रहे हैं। रवि किशन को उनकी ऊर्जा, प्रभावशाली व्यक्तित्व और जनता से जुड़ाव के लिए जाना जाता है।

कविता

मोबाइल में खोया बचपन...!

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

यूं किताबें हैं सामने खुली पड़ी, पर नजरें 'स्क्रीन' में अटकी हैं।
वो बचपन की मीठी किलकारी, आजकल मोबाइल में सिमटी हैं।
अब ना मैदानों की वह दौड़ रही, ना पेड़ोंवाली ठंडी-सी छांव रही।
उन उंगलियों के छोटे 'स्पर्शों' में, तब सारी दुनिया ही सिमटी रही।
वो ही 'मां' की बातें आधी सुनते, पापा का 'स्नेह' भी कम लगता।
'गेम और वीडियो' की दुनिया से, हर पल उन्हें सब 'प्रिय' लगता।
यहां 'ज्ञान' मिले तो अच्छी बात, तकनीक के साथ 'वरदान' बने।
पर ये मोबाइल की अंधी आदत, बचपन का तो नुकसान ना बने।
आओं चलो फिर से खेल सजाएं, चलकर मिट्टी में सपने बोएं हम।
वर्तमान मोबाइल से थोड़ा दूर हटें, हंसता-गाता बचपन संजोएं हम।

अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस: न्याय और मानवाधिकारों की रक्षा का वैश्विक संकल्प

हर साल 17 जुलाई को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस मनाया जाता है। यह दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्याय व्यवस्था को मजबूत करने, गंभीर अपराधों के खिलाफ आवाज उठाने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के प्रयासों को याद करने का अवसर है। यह दिवस विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) की स्थापना से जुड़ा हुआ है, जो युद्ध अपराध, मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार जैसे गंभीर मामलों की जांच और सुनवाई करता है।

अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस का उद्देश्य दुनिया भर में कानून के शासन, मानवाधिकारों और शांति को बढ़ावा देना है। यह दिन लोगों को यह संदेश देता है कि किसी भी व्यक्ति या समूह के खिलाफ होने वाले गंभीर अपराधों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए और दोषियों को कानून के दायरे में लाना जरूरी है।

दिनेश दमाथीआ
स्वतंत्र लेखक

17 जुलाई 1998 को रोम समझौते को अपनाया गया था, जिसके आधार पर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ। इसी ऐतिहासिक घटना की याद में 17 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस मनाया जाता है। आईसीसी ने वर्ष 2002 से आधिकारिक रूप से काम करना शुरू किया।

आईसीसी का उद्देश्य उन अपराधों पर कार्रवाई करना है, जो पूरी मानवता के लिए गंभीर खतरा माने जाते हैं। इनमें नरसंहार, युद्ध अपराध, मानवता के खिलाफ अपराध और आक्रामकता जैसे अपराध शामिल हैं। यह अदालत उन मामलों में हस्तक्षेप करती है जहां राष्ट्रीय न्याय व्यवस्था किसी कारणवश कार्रवाई करने में सक्षम नहीं होती या निष्पक्ष न्याय की संभावना कम होती है। अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस मानवाधिकारों की रक्षा के महत्व को भी उजागर करता है। दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध, हिंसा, भेदभाव और अत्याचार के कारण लाखों लोग प्रभावित होते हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय न्याय व्यवस्था पीड़ितों को न्याय दिलाने और अपराधियों को जवाबदेह बनाने का काम करती है।

यह दिवस लोगों को यह समझाने का प्रयास करता है कि न्याय केवल अदालतों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में समानता, सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करने का माध्यम भी है। जब अपराध करने वालों को सजा मिलती है तो पीड़ितों को न्याय का भरोसा मिलता है और समाज में कानून के प्रति विश्वास मजबूत होता है। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय एक स्वतंत्र न्यायिक संस्था है। इसका मुख्यालय नीदरलैंड के हेग शहर में स्थित है। यह अदालत उन मामलों की सुनवाई करती है जिनमें बड़े पैमाने पर मानव अधिकारों का उल्लंघन हुआ हो। आईसीसी का काम किसी देश की सामान्य अदालतों की जगह लेना नहीं है, बल्कि गंभीर अंतरराष्ट्रीय अपराधों के मामलों में अंतिम विकल्प के रूप में काम करना है। इसका उद्देश्य अपराधियों को सजा दिलाकर भविष्य में ऐसे अपराधों को रोकना है।

अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस का संदेश है कि न्याय, शांति और मानव गरिमा एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। बिना न्याय के स्थायी शांति स्थापित नहीं की जा सकती। यह दिन सरकारों, संस्थाओं और आम नागरिकों को जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर विभिन्न देशों में जागरूकता कार्यक्रम, चर्चाएं और कानूनी विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनमें मानवाधिकारों की रक्षा, युद्ध प्रभावित लोगों की सहायता और न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाने जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाती है।

भारत में भी 17 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन देश में कानून के महत्व, न्याय व्यवस्था की भूमिका और मानवाधिकारों के संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित करता है। भारत हमेशा से वैश्विक शांति, कानून के शासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का समर्थन करता रहा है। देश में न्यायपालिका को लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ माना जाता है और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा को प्राथमिकता दी जाती है। अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि न्याय और मानवता के प्रति दुनिया की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह दिन याद दिलाता है कि किसी भी प्रकार के अत्याचार, हिंसा और अपराध के खिलाफ आवाज उठाना जरूरी है। न्याय व्यवस्था तभी मजबूत होती है जब हर व्यक्ति के अधिकारों का सम्मान किया जाए और दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई हो।

17 जुलाई का यह दिवस पूरी दुनिया को यह संदेश देता है कि शांति और सुरक्षा के लिए न्याय सबसे महत्वपूर्ण आधार है। न्याय के माध्यम से ही एक बेहतर, सुरक्षित और समान समाज का निर्माण संभव है। अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि न्याय केवल अपराधियों को सजा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पीड़ितों को सम्मान, सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा का भरोसा दिलाने का माध्यम है। दुनिया के कई हिस्सों में आज भी लोग युद्ध, हिंसा और भेदभाव जैसी परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय न्याय व्यवस्था उनकी आवाज को मजबूती देने का काम करती है।

इस दिवस का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि आधुनिक समय में अपराधों का स्वरूप लगातार बदल रहा है। साइबर अपराध, मानव तस्करी, आतंकवाद और बड़े पैमाने पर होने वाली हिंसा जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए देशों के बीच सहयोग जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय न्याय व्यवस्था विभिन्न देशों को मिलकर काम करने और कानून के प्रति अपनी प्रतिबद्धता मजबूत करने का अवसर देती है।

अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस युवाओं को भी कानून, मानवाधिकार और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करने का संदेश देता है। एक मजबूत न्याय व्यवस्था ही समाज में विश्वास और समानता को बढ़ावा देती है।

यह दिन हमें प्रेरणा देता है कि हर व्यक्ति को न्याय पाने का अधिकार है और किसी भी अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। जब दुनिया के सभी देश मिलकर न्याय और मानव अधिकारों की रक्षा के लिए प्रयास करेंगे, तभी शांति और सुरक्षा का वास्तविक लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा। न्यायपूर्ण समाज के निर्माण के लिए सभी देशों को मिलकर पारदर्शी व्यवस्था, समान अधिकार और निष्पक्ष कानूनों को मजबूत करना होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

पीएम मोदी ने विकसित भारत का लक्ष्य लेकर 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से किया बाहर:केशव

एजेंसी, वाराणसी

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर देश में बड़े स्तर पर काम किया है। उन्होंने दावा किया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रभावी नीतियों के कारण करीब 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इसी दिशा में सरकार लगातार गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के हित में योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों को आवास, शौचालय, मुफ्त राशन, स्वास्थ्य सुविधाएं और बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने जैसे कदमों से लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने का काम कर रही हैं। सरकार की प्राथमिकता हर वर्ग को आत्मनिर्भर बनाना और रोजगार के अवसर बढ़ाना है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश में आधारभूत ढांचे का तेजी से विकास हो रहा है। सड़कों, रेलवे, डिजिटल सेवाओं और औद्योगिक क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों से भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रहा है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले की सरकारों में योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचने में देरी होती थी, लेकिन अब पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से सीधे लाभार्थियों तक सहायता पहुंचाई जा रही है।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि विकसित भारत का सपना केवल सरकार का नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक का संकल्प होना चाहिए। उन्होंने लोगों से सरकार की योजनाओं से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी करने की अपील की। उन्होंने विश्वास जताया कि सामूहिक प्रयासों से भारत जल्द ही दुनिया की प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से देश में विकास की गति तेज हुई है

30 करोड़ फर्जीवाड़ा केस में नंदग्राम पुलिस पर विभागीय कार्रवाई

फ्लैट बुकिंग ठगी मामले में 40 निवेशकों से 30 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में लापरवाही पर नंदग्राम थाने के पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

एजेंसी, गाजियाबाद

फ्लैट बुकिंग के नाम पर करीब 30 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठने के बाद नंदग्राम थाने के आठ पुलिसकर्मियों पर विभागीय कार्रवाई की गई है। आरोप है कि मामले में मनमानी धाराएं लगाई गईं, जिसके बाद अधिकारियों ने सख्त कदम उठाते हुए आठ पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया। इसके साथ ही नंदग्राम थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह को भी पद से हटाकर क्राइम ब्रांच भेज दिया गया है।

पुलिस विभाग के अधिकारियों के अनुसार, फ्लैट बुकिंग के नाम पर निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी के मामले में शिकायत दर्ज की गई थी। जांच के दौरान सामने आया कि मुकदमा दर्ज करते समय कुछ धाराओं को उचित तरीके से नहीं लगाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों ने जांच कराई, जिसके बाद नंदग्राम थाने में तैनात पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस मामले में नंदग्राम थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह को हटाकर क्राइम ब्रांच भेजा गया है। वहीं दो इंस्पेक्टरों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसके अलावा भोजपुर थाना प्रभारी प्रताप सिंह बालियान का गैर जनपद स्थानांतरण होने के बाद साइबर क्राइम थाने में तैनात गिरीराज सिंह किशोर को भोजपुर थाने की जिम्मेदारी दी गई है।

जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद के एएसआर सेंट्रल एवेन्यू प्रोजेक्ट के बिल्डर संदीप कुमार गुप्ता और राइट अर्थ इंफ्रा एलएलपी के बिल्डर वरुण मक्कड़ समेत कई अन्य लोगों के खिलाफ फ्लैट बुकिंग के नाम पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप है कि बिल्डरों ने करीब 40 निवेशकों से फ्लैट देने के नाम पर लगभग 30.56 करोड़ रुपये लिए, लेकिन निर्धारित समय पर फ्लैट

उपलब्ध नहीं कराए गए। निवेशकों की शिकायत के बाद नंदग्राम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।

शिकायतकर्ताओं का आरोप था कि उन्हें फ्लैट देने का भरोसा दिलाकर रकम जमा कराई गई, लेकिन बाद में न तो फ्लैट मिले और न ही पैसा वापस किया गया। मामले में बिल्डरों और अन्य संबंधित लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि निवेशकों से जुड़े इस मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। आरोपितों के खिलाफ सभी तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिसकर्मियों पर हुई कार्रवाई को विभागीय स्तर पर लापरवाही के खिलाफ कदम बताया जा रहा है। अधिकारियों ने साफ किया है कि किसी भी मामले में जांच और मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायतों की निष्पक्ष जांच और पीड़ितों को न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिकता है।

फिलहाल 30 करोड़ रुपये के इस फर्जीवाड़े मामले में बिल्डरों के खिलाफ जांच जारी है। पुलिस निवेशकों से जुड़े दस्तावेजों, लेनदेन और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। आने वाले दिनों में जांच के आधार पर और भी कार्रवाई होने की संभावना जताई जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में जांच की प्रक्रिया जारी है और सभी संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है। निवेशकों से प्राप्त शिकायतों, बैंक लेनदेन और बिल्डर से जुड़े रिकॉर्ड की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। वहीं, पुलिसकर्मियों पर हुई कार्रवाई को विभाग में जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया का हिस्सा बताया जा रहा है। आरोपियों की भूमिका की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

कानपुर देहात के स्कूलों में बिना अनुमति बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक, बीएसए ने दिए निर्देश

एजेंसी, कानपुर देहात। परिषदीय विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और अनुशासित शैक्षणिक माहौल बनाए रखने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार पांडेय ने सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों में बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। निर्देशों के अनुसार विद्यालय परिसर में अनधिकृत प्रवेश या अनावश्यक हस्तक्षेप करने वालों के खिलाफ दंडात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को आदेश का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रधानाध्यापकों को स्कूल की दीवारों और प्रमुख स्थानों पर नियमों की जानकारी लिखवाने को कहा गया है। यह कदम बच्चों की सुरक्षा और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए उठाया गया है।

जेपी विश टाउन में 22 वर्षीय युवती ने की आत्महत्या, नौकरी की कर रही थी तलाश

एजेंसी, नोएडा। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र में रहने वाली 22 वर्षीय युवती ने गुरुवार सुबह अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान एटा निवासी दीक्षा यादव के रूप में हुई है। वह जेपी विश टाउन सोसायटी में अपनी दो बहनों के साथ रहती थी और नर्सिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी की तलाश कर रही थी। पुलिस के अनुसार घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं थाना सेक्टर-58 क्षेत्र में एक 50 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पहचान की कोशिश शुरू कर दी है।

सपा का पीडीए का नारा, खुद ही पिट गया ओम प्रकाश राजभर

एजेंसी, लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) नारे पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सपा का पीडीए का नारा अब खुद ही कमजोर पड़ गया है और जनता ने इसे नकार दिया है। राजभर ने दावा किया कि भाजपा सरकार की नीतियों से सभी वर्गों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं का फायदा समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह केवल राजनीतिक लाभ के लिए जातीय मुद्दों को उठा रहा है। राजभर ने कहा कि आने वाले समय में जनता विकास और काम के आधार पर फैसला करेगी।

बलात्कार का आरोपित कोर्ट के आदेशों का नहीं कर रहा पालन, मुकदमा दर्ज

एजेंसी, नोएडा। गौतमबुद्धनगर के थाना दादरी में तैनात महिला उप निरीक्षक मीनू गालियान ने बलात्कार के मामले में आरोपित राजेंद्र पाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार आरोपित न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं कर रहा है। उप निरीक्षक ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपित के खिलाफ अदालत ने वारंट जारी किया हुआ है, लेकिन वह न तो न्यायालय में आत्मसमर्पण कर रहा है और न ही पुलिस के सामने पेश हो रहा है। आरोपित के खिलाफ पहले से बलात्कार का मुकदमा दर्ज है। थाना प्रभारी ने बताया कि महिला उप निरीक्षक की शिकायत के आधार पर आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 209 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आरोपित की तलाश कर रही है।

सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्यता का वास हो : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के शुभारंभ अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्यता की कामना की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा सनातन संस्कृति की आस्था, सामाजिक समरसता और लोकमंगल का प्रतीक है। उन्होंने श्रद्धालुओं को यात्रा के शुभारंभ की शुभकामनाएं देते हुए प्रार्थना की कि भगवान जगन्नाथ, बलभद्र जी और माता सुभद्रा जी की कृपा सभी पर बनी रहे। सीएम योगी ने कहा कि यह पावन यात्रा लोगों में श्रद्धा, एकता और भाईचारे का संदेश देती है। उन्होंने सभी के कल्याण की कामना की।

तीन मौतों के बाद कुदारन में बवाल, जाम के दौरान पुलिस-ग्रामीण आमने-सामने

एजेंसी, मीरजापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र के कुदारन गांव में ट्रक हादसे में तीन लोगों की मौत के बाद गुरुवार को ग्रामीणों ने मुआवजे और कार्रवाई की मांग को लेकर वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग जाम कर दिया। पुलिस और ग्रामीणों के बीच कहासुनी के बाद स्थिति बिगड़ गई और पथराव शुरू हो गया। हालात काबू करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को हटाया। घटना में कुछ पुलिसकर्मियों के घायल होने की सूचना है। जाम के कारण मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने वाहनों का रूट डायवर्ट कर स्थिति संभाली। अधिकारियों के अनुसार अब हालात नियंत्रण में हैं और मामले में कार्रवाई जारी है।

शराब पार्टी के बाद धारदार हथियार से किसान की हत्या, तीन युवकों पर आरोप

एजेंसी, कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र के हाथीगांव में खेत की रखवाली कर रहे किसान की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। गुरुवार सुबह ट्यूबवेल के पास किसान हरिमोहन सिंह यादव (45) का रक्तरंजित शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार मृतक रोज रात ट्यूबवेल पर रुकते थे। घटनास्थल से शराब की खाली बोतलें और गिलास मिलने के बाद पुलिस ने वारदात से पहले शराब पार्टी होने की आशंका जताई है। परिजनों ने गांव के तीन लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपों के आधार पर संदिग्धों से पूछताछ शुरू कर दी है।

नोएडा में साइबर ठगी का नेटवर्क बेनकाब, चार बैंक खाताधारक बने पुलिस जांच का हिस्सा

एजेंसी, नोएडा

साइबर अपराधियों द्वारा ठगी की रकम के लेनदेन के लिए इस्तेमाल किए जा रहे बैंक खातों के खिलाफ नोएडा पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना सूरजपुर पुलिस ने साइबर ठगी में प्रयोग किए गए चार म्यूल खाता धारकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि इन बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर अपराधियों ने लोगों से ठगी की रकम ट्रांसफर करने के लिए किया था।

पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल के अनुसार उप निरीक्षक आयुषी मिश्रा ने थाना सूरजपुर में शिकायत दर्ज कराई है। जांच के दौरान पता चला कि मकोड़ा गांव स्थित यूको बैंक शाखा में मनीष नागर के नाम से खोले गए खाते में साइबर ठगी से जुड़ी रकम ट्रांसफर की गई थी। इस खाते के खिलाफ एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत भी दर्ज है। पुलिस जांच में एक अन्य मामले में प्रिंस भाटी के खाते का इस्तेमाल भी साइबर अपराध में होने की जानकारी मिली। पुलिस के मुताबिक प्रिंस भाटी ने प्रिया गोल्ड फैक्ट्री के पास स्थित कोटक महिंद्रा बैंक में खाता खुलवाया था, जिसका दुरुपयोग साइबर अपराधियों ने किया।

इसके अलावा अंकित कुमार के एचडीएफसी बैंक खाते और गौरव कुमार के यूको बैंक मकोड़ा शाखा स्थित खाते का भी साइबर ठगी में इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार म्यूल खाते वे बैंक खाते होते हैं, जिनका इस्तेमाल साइबर अपराधी ठगी की रकम को इधर-उधर भेजने के लिए करते हैं। कई बार ऐसे खातों का उपयोग अपराधी फर्जी तरीके से या लालच देकर खुलवाए गए खातों के जरिए करते हैं।

नोएडा पुलिस अब सभी खातों से जुड़े लेनदेन, खाताधारकों की भूमिका और साइबर अपराधियों के नेटवर्क की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। साइबर अपराधों पर रोक लगाने के लिए पुलिस लगातार संदिग्ध बैंक खातों की निगरानी कर रही है। नोएडा पुलिस साइबर ठगी के मामलों में लगातार कार्रवाई कर रही है। पुलिस अब म्यूल खातों से जुड़े सभी लेनदेन, खाताधारकों की भूमिका और साइबर अपराधियों के नेटवर्क की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साइबर अपराध रोकने के लिए संदिग्ध बैंक खातों की निगरानी भी बढ़ा दी गई है।

नोएडा में आगजनी से दो लोगों की मौत का मामला पीजी संचालक गिरफ्तार, केयरटेकर फरार

एजेंसी, नोएडा। थाना फेस-3 क्षेत्र के मामूरा गांव में स्थित एक पीजी बिल्डिंग में इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्जिंग के दौरान लगी आग के मामले में पुलिस ने गुरुवार को पीजी संचालक कृष्ण कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। इस हादसे में दो लोगों की दम घुटने से मौत हो गई थी। वहीं बिल्डिंग का केयरटेकर धर्मेंद्र अभी फरार है, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। अपर पुलिस उपायुक्त स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि मामूरा गांव की गली नंबर-2 स्थित जी-4 बिल्डिंग में बुधवार दोपहर ग्राउंड फ्लोर पर इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज करते समय शॉर्ट सर्किट से आग लग गई थी। देखते ही देखते आग ने आसपास खड़े अन्य वाहनों और पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया।

हादसे में बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी 24 वर्षीय स्नेहा श्रीवास्तव और मध्य प्रदेश के बालाघाट निवासी 27 वर्षीय ऋषभ कुमार की धुएं के कारण दम घुटने से मौत हो गई। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस मामले में पीजी संचालक कृष्ण कुमार और केयरटेकर धर्मेंद्र के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 110, 125 और 3(5) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने कृष्ण कुमार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है, जबकि फरार केयरटेकर की तलाश जारी है। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की सात गाड़ियां और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म मौके पर पहुंच गए थे। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से करीब 50 परिवारों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

उन्होंने बताया कि गली संकरी होने के कारण राहत और बचाव कार्य में काफी मुश्किलें आईं। दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे तक अभियान चलाकर आग पर काबू पाया। कुछ लोगों को दमकलकर्मियों ने पीठ पर उठाकर बाहर निकाला, जबकि कई लोगों ने बांस की सीढ़ियों की मदद से अपनी जान बचाई। स्थानीय लोगों ने बताया कि शुरुआत में आग छोटी लग रही थी, लेकिन कुछ ही समय में धुआं पूरी बिल्डिंग में फैल गया। पुलिस और अग्निशमन विभाग मामले की जांच कर रहे हैं। आग लगने की घटना के बाद पुलिस ने पीजी संचालक के खिलाफ कार्रवाई की है। अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा मानकों की जांच भी की जा रही है। हादसे में लापरवाही की भूमिका सामने आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जल संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व : मनीष कुमार वर्मा

एजेंसी, प्रयागराज

जल संरक्षण को लेकर जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को प्रयागराज में भूजल सप्ताह-2026 का शुभारंभ किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर से भूजल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को लेकर प्रचार वाहन तथा छात्र-छात्राओं की जागरूकता रैली को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि लगातार गिरते भूजल स्तर को रोकने के लिए वर्षा जल संचयन और जल का सोच-समझकर उपयोग करना बेहद जरूरी है। यदि आज समाज जल संरक्षण के प्रति जागरूक होगा, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित जल संसाधन उपलब्ध रह सकेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि भूजल सप्ताह के माध्यम से लोगों को जागरूक कर जल संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रचार वाहन आने वाले दिनों में जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों और विकास खंडों में भ्रमण करेगा। इसके माध्यम से ग्रामीणों को भूजल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और जल प्रबंधन के बेहतर तरीकों

◆ प्रयागराज में भूजल सप्ताह-2026 का आगाज लोगों को दिया जल बचाने का संदेश

की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकालकर लोगों को जल बचाने का संदेश दिया।

रैली में जनपद के विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली कलेक्ट्रेट परिसर से शुरू होकर विकास भवन परिसर में समाप्त हुई। इस मौके पर भूजल रिचार्ज और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत भी की गई। अधिकारियों ने जल संरक्षण की आधुनिक तकनीकों, भूजल पुनर्भरण और वर्षा जल के उचित प्रबंधन पर चर्चा की।

यमुना में कूदे डॉक्टर सौरभ वाजपेयी का शव 15 घंटे बाद मिला, अस्पताल संचालक गिरफ्तार

एजेंसी, औरैया

उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में यमुना नदी में छलांग लगाने वाले डॉक्टर सौरभ वाजपेयी का शव करीब 15 घंटे बाद गुरुवार सुबह एसडीआरएफ की टीम ने सर्च अभियान के दौरान बरामद कर लिया। डॉक्टर ने आत्मघाती कदम उठाने से पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर दो वीडियो पोस्ट किए थे, जिनमें उन्होंने एक निजी अस्पताल संचालक के रिश्तेदार पर मारपीट और थप्पड़ मारने का आरोप लगाया था।

लखीमपुर खीरी निवासी नंदकिशोर वाजपेयी के पुत्र डॉ. सौरभ वाजपेयी (बीएमएस) पिछले करीब दो वर्षों से औरैया स्थित राम औतार मेमोरियल हॉस्पिटल में प्रैक्टिस कर रहे थे। बुधवार शाम करीब पांच बजे वह यमुना पुल पर पहुंचे थे। वहां उन्होंने इंस्टाग्राम पर दो वीडियो साझा किए और इसके बाद नदी में छलांग लगा दी। पहले वीडियो में डॉक्टर ने आरोप लगाया कि अस्पताल संचालक के बहनोई ने उनके साथ मारपीट की और थप्पड़ मारा।

वहीं दूसरे वीडियो में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय की अपील की। उन्होंने कहा कि कमरा बदलने के दौरान उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। हालांकि वीडियो में डॉक्टर ने अस्पताल संचालक एसपी सिंह को अपना बड़ा भाई भी बताया था। डॉक्टर के नदी में कूदने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत तलाश अभियान शुरू किया। बुधवार देर शाम तक चले अभियान में सफलता नहीं मिली। इसके बाद गुरुवार सुबह एसडीआरएफ की टीम ने दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया। कुछ देर बाद टीम ने यमुना नदी से डॉक्टर का शव बरामद कर लिया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद डॉक्टर के पिता नंदकिशोर वाजपेयी, मां शिखा वाजपेयी और पत्नी रूबी वाजपेयी भी मौके पर पहुंचे। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने बताया कि परिजनों की शिकायत के आधार पर अस्पताल संचालक एसपी सिंह और उनके रिश्तेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने एसपी सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

रथयात्रा परंपरा और आस्था का संगम बनी काशी की लक्खा रथयात्रा, मेले में बढ़ी रौनक

काशी में शुरू हुआ लक्खा रथयात्रा मेला, दर्शन को उमड़ी भक्तों की भीड़

एजेंसी, वाराणसी

धार्मिक नगरी काशी में गुरुवार से तीन दिवसीय ऐतिहासिक लक्खा रथयात्रा मेले का शुभारंभ हो गया। हल्की बारिश और उमस के बावजूद सुबह से ही हजारों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए मेला क्षेत्र में पहुंचने लगे। भोर में विधि-विधान के साथ भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के काष्ठ विग्रहों को अष्टकोणीय रथ पर विराजमान कराया गया।

अस्सी स्थित जगन्नाथ मंदिर के पुजारी पं. राधेश्याम पांडेय की देखरेख में भगवान के विग्रहों का विशेष श्रृंगार किया गया। भगवान को पीतांबर वस्त्र धारण कराए गए और स्वर्ण मुकुट व आभूषणों से सजाया गया। इसके बाद बेला, गुलाब, चंपा, चमेली और तुलसी की मालाओं से भगवान का मनमोहक श्रृंगार किया गया। शुभ मुहूर्त में सुबह चार बजे भगवान

जगन्नाथ और शालिग्राम पूजन के साथ मंगला आरती संपन्न हुई। परंपरा के अनुसार श्रद्धालुओं ने भगवान के रथ को दो पग खींचा।

इसके बाद रथ के पट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए। भगवान की अलौकिक झांकी देखने के लिए बड़ी संख्या में भक्त उमड़ पड़े। पूरा मेला क्षेत्र जय जगन्नाथ और हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान को फल, पुष्प और तुलसी की माला अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। पहले दिन परंपरा के अनुसार दोपहर 12 बजे मध्याह्न भोग आरती, तीन बजे श्रृंगार आरती, रात आठ बजे भोग श्रृंगार आरती और रात 12 बजे शयन आरती का आयोजन किया गया।

रथयात्रा के साथ ही मेले में भी रौनक बढ़ गई। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने परिवार के साथ झूले, चरखी और अन्य मनोरंजन साधनों का आनंद लिया। काशी के प्रसिद्ध नानखटाई की खरीदारी भी लोगों ने जमकर की। मेले में खिलौने, खान-पान, चाट-पकौड़ी और सौंदर्य प्रसाधनों की दुकानें सजाई गई हैं। दुकानदारों ने बारिश और धूप से बचाव के लिए तिरपाल की व्यवस्था की है।

इससे पहले बुधवार शाम भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की प्रतीकात्मक 'मनफेर' परंपरा पूरी की गई। भगवान की डोली यात्रा अस्सी स्थित जगन्नाथ मंदिर से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए रथयात्रा क्षेत्र स्थित बेनीराम बाग पहुंची। यात्रा में हजारों श्रद्धालु जयघोष करते हुए शामिल हुए। बेनीराम बाग पहुंचने पर जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट और शापुरी परिवार के सदस्यों ने परंपरानुसार भगवान के विग्रहों का स्वागत किया। रात्रि विश्राम के बाद भगवान को अष्टकोणीय रथ पर विराजमान कराया गया। पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास रथ पूजन और आरती के साथ सभी धार्मिक अनुष्ठान पूरे किए गए।

गाजियाबाद में झगड़े के बाद पति पत्नी ने खाया जहर, अस्पताल में मौत

एजेंसी, नोएडा

गाजियाबाद के रिपब्लिक क्रॉसिंग सोसाइटी में रहने वाले एक दंपती की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद दोनों ने आक्रोश में आकर यह कदम उठाया।

पुलिस के मुताबिक संदीप गौतम (26) और उनकी पत्नी तान्या गौतम (25) गाजियाबाद की रिपब्लिक क्रॉसिंग सोसाइटी में रहते थे। दोनों बुधवार रात बुलंदशहर के गुलावटी कार से जा रहे थे। रास्ते में किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद दोनों ने जहरीला पदार्थ खा लिया।

जहर खाने के बाद भी दोनों सफर करते रहे। सिकंदराबाद के पास उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे के बाद किसी व्यक्ति ने घटना की जानकारी उनके परिजनों को दी। परिजन मौके पर पहुंचे और दोनों को ग्रेटर

◆ विवाद बना मौत की वजह दंपती ने गंवाई जान

नोएडा स्थित जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान देर रात तान्या की मौत हो गई, जबकि संदीप ने गुरुवार सुबह दम तोड़ दिया।

पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। वहीं नोएडा में भी अलग-अलग स्थानों पर आत्महत्या के मामले सामने आए हैं। दनकौर थाना क्षेत्र में 22 वर्षीय राहुल तिवारी ने मानसिक तनाव के चलते घर में फंदा लगाकर जान दे दी। इसके अलावा सेक्टर-93 निवासी मनोज शर्मा और ईकोटेक प्रथम क्षेत्र के हिमांशु गौतम ने भी फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। एक अन्य घटना में सेक्टर-113 क्षेत्र में रामादेवी संदिग्ध परिस्थितियों में छत से गिर गईं, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस सभी मामलों की जांच कर रही है।

लंबे संघर्ष के बाद चानौत में लौटा पानी, पूरे गांव ने मनाया उत्सव

भारतेन्दु संवाददाता, हांसी

हरियाणा के हांसी क्षेत्र के चानौत गांव में करीब 25 दिन बाद पानी का टी-कनेक्शन दोबारा लगने पर पूरे गांव में खुशी का माहौल देखने को मिला। लंबे समय से चल रहे पानी विवाद के समाप्त होने पर ग्रामीणों ने इसे अपनी बड़ी जीत बताते हुए जश्न मनाया। गांव से करीब दो किलोमीटर पहले टी कनेक्शन को जेसीबी पर रखकर धरना समिति के सदस्य जुलूस के रूप में गांव लेकर पहुंचे। रास्ते भर ग्रामीणों ने फूल-मालाओं, नारों और तालियों के साथ उनका स्वागत किया।

धरनास्थल पर पहुंचने के बाद टी-कनेक्शन का प्रतीकात्मक स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने लड्डू चढ़ाए और पूरे गांव में मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। महिलाओं ने ढोल की थाप पर नृत्य किया, जबकि युवाओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर लंबे संघर्ष की सफलता का जश्न मनाया। सुबह से ही धरनास्थल पर बड़ी संख्या में

ग्रामीण एकत्र रहे और हर चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दे रही थी।

ग्रामीणों ने 20 जून का दिन भी याद किया, जब पहली बार गांव में टी-कनेक्शन लगाया गया था और उस समय भी मिठाइयां बांटी गई थीं। हालांकि, 23 जून की रात प्रशासन ने इसे अवैध बताते हुए भारी पुलिस बल की मौजूदगी में टी-कनेक्शन हटा दिया था। उस दौरान विरोध कर रहे ग्रामीणों को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए थे, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया था। अब दोबारा पानी का कनेक्शन बहाल होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। उनका कहना है कि यह लंबे संघर्ष और एकजुटता की जीत है।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को 17 जुलाई को पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली ट्रेन पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया प्रतीक बनेगी

भारतेन्दु संवाददाता, जींद

भारतीय रेल हरित और स्वच्छ परिवहन की दिशा में एक नई शुरुआत करने जा रहा है। 17 जुलाई को हरियाणा के जींद से देश की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित ट्रेन का शुभारंभ होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

यह ट्रेन जींद से सोनीपत रेलखंड पर चलेगी और इसे भारतीय रेल के ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य डीजल आधारित ट्रेनों पर निर्भरता कम करना और पर्यावरण के अनुकूल रेल परिवहन को बढ़ावा देना है। हाइड्रोजन ट्रेन की सबसे बड़ी विशेषता इसकी जीरो उत्सर्जन तकनीक है। यह ट्रेन हाइड्रोजन फ्यूल सेल से संचालित होती है। फ्यूल सेल में हाइड्रोजन और हवा से मिलने वाली ऑक्सीजन के बीच रासायनिक प्रक्रिया होती है, जिससे बिजली उत्पन्न होती है।

इसी बिजली से ट्रेन के मोटर संचालित होते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य प्रदूषक गैसों का उत्सर्जन नहीं होता। इसका एकमात्र उप-उत्पाद पानी और जलवाष्प होता है, इसलिए इसे पर्यावरण के लिए बेहद सुरक्षित माना जाता है।

भारतीय रेल के अधिकारियों के अनुसार, यह ट्रेन लगभग 120 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से चलने में सक्षम होगी। इसमें यात्रियों की सुविधा के लिए आधुनिक कोच, बेहतर सुरक्षा प्रणाली, डिजिटल सूचना डिस्प्ले, सीसीटीवी निगरानी, आरामदायक सीटें और अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। ट्रेन में कंपन और शोर भी पारंपरिक डीजल इंजनों की तुलना में काफी कम होगा, जिससे यात्रा अधिक आरामदायक बनेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि हाइड्रोजन ईंधन भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा का महत्वपूर्ण स्रोत है। दुनिया के कई विकसित देश पहले से ही हाइड्रोजन आधारित परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दे रहे हैं।

भारत में इस तकनीक का सफल संचालन ऊर्जा आत्मनिर्भरता और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिलेगी। रेल मंत्रालय का कहना है कि यदि यह परियोजना सफल रहती है तो भविष्य में अन्य रेल मार्गों पर भी हाइड्रोजन ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाएगा। इससे भारतीय रेल के आधुनिकीकरण के साथ-साथ हरित ऊर्जा के उपयोग को भी गति मिलेगी।

ईंट, रॉड और बरछी से हमला कैथल में बुजुर्ग महिला की हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल। कैथल जिले के गांव मंडवाल में रंजिश के चलते एक परिवार पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि टोटका कराने और पुलिस को भुक्की (नशीले पदार्थ) की सूचना देने के शक में पड़ोसियों ने रात के समय घर में घुसकर हमला कर दिया। इस हमले में गंभीर रूप से घायल 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला निर्मल कौर की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं परिवार के अन्य सदस्य भी घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस ने मामले में हत्या समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव मंडवाल निवासी शमशेर उर्फ शेरू ने बताया कि वह ट्रक चालक है। उसके अनुसार 14 जुलाई की सुबह करीब नौ बजे पड़ोसी संदीप उर्फ काली उनके घर के सामने पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि संदीप ने शमशेर और उसके परिवार पर आरोप लगाया कि उन्होंने उसके घर पर टोटका कराया है और उसकी गाड़ियों में भुक्की होने की सूचना पुलिस को दी है। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। दोनों पक्षों ने पुलिस को शिकायत दी थी। बाद में गांव की पंचायत में बातचीत के बाद मामला शांत करा दिया गया था। हालांकि आरोप है कि रात में दोबारा विवाद बढ़ गया और पड़ोसी अपने कुछ साथियों के साथ घर में घुस आए। शिकायतकर्ता के अनुसार हमलावरों ने ईंट, लोहे की रॉड और बरछी से हमला किया। आरोप है कि संदीप की ओर से फेंकी गई ईंट शमशेर की मां निर्मल कौर की छाती में लगी, जिससे वह नीचे गिर गईं। वहीं अन्य परिवार के सदस्यों पर भी हमला किया गया, जिसमें कई लोग घायल हो गए। घायल निर्मल कौर को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनकी मौत के बाद परिवार में मातम छा गया और गांव में तनाव का माहौल बन गया।झ घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है और जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ-साथ घटना से जुड़े सबूत जुटा रही है। वहीं मृतका के परिवार ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले की जांच पूरी होने के बाद ही घटना की पूरी सच्चाई सामने आएगी।

न्यूज ब्रीफ

शादी के कुछ महीनों बाद दुल्हन फरार नकदी और जेवर भी साथ ले गई

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। यमुनानगर जिले में शादी के महज पांच महीने बाद एक विवाहिता के घर से फरार होने का मामला सामने आया है। पीड़ित पति ने आरोप लगाया है कि उसकी पत्नी घर में रखी करीब 50 हजार रुपये की नकदी और सोने-चांदी के जेवर भी अपने साथ ले गई। उस समय पति गुजरात में नौकरी के सिलसिले में गया हुआ था। घर लौटने पर परिजनों ने पत्नी के गायब होने की जानकारी दी। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों के साथ-साथ रिश्तेदारों से भी पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सोनीपत में टायर बदलते वक्त ट्रक ने तीन दोस्तों को कुचला, दो की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। सड़क हादसे में तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे गाड़ी का टायर बदल रहे तीन दोस्तों को कुचल दिया। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसा तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क पर मदद के बहाने लूट, महिला के बैग से 2.11 लाख के जेवर गायब

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। सोनीपत जिले में टायर पंचर गैंग ने एक महिला को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरों से भरा बैग लूट लिया। घटना उस समय हुई जब महिला अपनी गाड़ी से जा रही थी। रास्ते में बदमाशों ने टायर पंचर होने का इशारा कर गाड़ी रुकवा ली। महिला और उसके साथ मौजूद लोग जब टायर देखने लगे, तभी मौका पाकर बदमाश कार में रखा बैग लेकर फरार हो गए। बैग में करीब 2.11 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण थे। पीड़िता ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

गुरुग्राम में डंपर ने जेप्टो डिलीवरी पार्टनर को कुचला, हादसे के बाद लगा 4 किलोमीटर जाम

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। शहर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में जेप्टो डिलीवरी पार्टनर की मौत हो गई। घटना हाइवे पर हुई, जहां तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार डिलीवरी राइडर को कुचल दिया। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि घायल राइडर काफी देर तक सड़क पर तड़पता रहा, लेकिन समय पर मदद नहीं मिल सकी। घटना से गुस्साए अन्य डिलीवरी राइडर्स मौके पर पहुंच गए और विरोध जताते हुए करीब तीन घंटे तक शव नहीं उठाने दिया। प्रदर्शन के कारण हाइवे पर करीब चार किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। गुरुग्राम में डंपर की टक्कर से जेप्टो डिलीवरी पार्टनर की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक फरार हो गया। गुस्साए राइडर्स ने विरोध करते हुए तीन घंटे तक शव नहीं उठाने दिया, जिससे हाइवे पर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को शांत कराया और फरार डंपर चालक की तलाश शुरू कर दी।

शवगृहों की बदहाली पर आयोग का सख्त रुख, मृतकों की गरिमा से समझौता नहीं

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

हरियाणा के सरकारी अस्पतालों में शवगृहों की बदहाल स्थिति को गंभीरता से लेते हुए राज्य मानवाधिकार आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने सभी सरकारी अस्पतालों को निर्देश दिए हैं कि शवगृहों में लगे फ्रीजर हर समय चालू रखे जाएं, ताकि मृतकों के शव सुरक्षित रह सकें और उनकी गरिमा से किसी भी प्रकार का समझौता न हो।

आयोग ने स्पष्ट किया कि शवों के संरक्षण में लापरवाही न केवल प्रशासनिक विफलता है, बल्कि यह मानवीय संवेदनाओं के भी विपरीत है। आयोग ने हाल ही में विभिन्न अस्पतालों से प्राप्त रिपोर्टों और शिकायतों का संज्ञान लेते हुए पाया कि कई स्थानों पर शवगृहों में फ्रीजर बंद मिले, रखरखाव की स्थिति खराब थी और आवश्यक सुविधाओं का अभाव था। इससे शवों के सुरक्षित संरक्षण में कठिनाई उत्पन्न हो रही थी। आयोग ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया है कि सभी शवगृहों की नियमित निगरानी की जाए और खराब उपकरणों की तत्काल मरम्मत कराई जाए।

इसके साथ ही अस्पताल प्रबंधन को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध रहे, ताकि फ्रीजर लगातार संचालित होते रहें। आयोग ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में किसी अस्पताल में लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने आयोग के निर्देशों का पालन करने का भरोसा दिलाया है।

एशियन एमएमए खिताब के लिए 19 जुलाई को पाकिस्तानी फाइटर से भिड़ेंगे संग्राम सिंह

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक

हरियाणा के प्रसिद्ध पहलवान और एमएमए फाइटर संग्राम सिंह 19 जुलाई को मलेशिया में आयोजित एशियन चैंपियन एमएमए टाइटल फाइट में पाकिस्तान के मोहम्मद आबिद अली का सामना करेंगे। इस मुकाबले को लेकर खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। यदि संग्राम सिंह यह मुकाबला जीतने में सफल रहते हैं तो वह एशियन एमएमए खिताब जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। इसे भारतीय मिश्रित मार्शल आर्ट्स के इतिहास में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

दो बार के कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैंपियन रह चुके संग्राम सिंह ने कुश्ती के बाद एमएमए में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। अपनी फिटनेस, अनुभव और आक्रामक खेल शैली के दम पर उन्होंने लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके मुकाबलों ने भारतीय खिलाड़ियों की क्षमता को नई पहचान दिलाई है। संग्राम सिंह का पाकिस्तान के खिलाड़ियों के खिलाफ रिकॉर्ड भी प्रभावशाली रहा है।

उन्होंने अपनी पहली एमएमए फाइट में पाकिस्तान के अली रजा नासिर को मात्र 90 सेकंड में हराकर सभी को चौंका दिया था। इसके बाद फरवरी 2024 में दुबई में आयोजित एक रेसलिंग मुकाबले में उन्होंने पाकिस्तान के मोहम्मद सईद को भी शिकस्त दी थी। अब मोहम्मद आबिद अली के खिलाफ होने वाला मुकाबला उनके करियर की चौथी एमएमए फाइट होगी। संग्राम सिंह ने मुकाबले से पहले कहा कि उनका लक्ष्य केवल जीत हासिल करना ही नहीं, बल्कि देश का नाम रोशन करना भी है।

चुनावी तैयारियों में जुटी कांग्रेस, प्रभारी संजय दत्त पांच जिलों में करेंगे बैठकें

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त 19 जुलाई से पांच दिवसीय जिला दौरे की शुरुआत करेंगे। पहले चरण में वह पंचकूला, यमुनानगर, अंबाला, कुरुक्षेत्र और करनाल जिलों का दौरा करेंगे। दौरे के दौरान संजय दत्त जिला कांग्रेस कमेटियों के पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों, पूर्व जनप्रतिनिधियों, चुनाव लड़ चुके प्रत्याशियों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। इन बैठकों में संगठन की स्थिति, जिलेवार राजनीतिक हालात, जनहित के मुद्दों और आगामी रणनीति पर चर्चा की जाएगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने संबंधित नेताओं और पदाधिकारियों को कार्यक्रम की जानकारी जारी कर दी है। कांग्रेस का लक्ष्य संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय करना और कार्यकर्ताओं को मजबूत करना है।

मानसून की बेरुखी से हरियाणा में बढ़ी भीषण गर्मी, 15 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा में मानसून की रफ्तार धीमी पड़ने से लोगों को भीषण गर्मी और उमस का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बुधवार को बारिश नहीं होने के कारण तापमान में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। सबसे अधिक तापमान भिवानी में 42.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि फरीदाबाद, रोहतक और अन्य कई जिलों में भी पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। मौसम विभाग ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए प्रदेश के 15 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, फिलहाल मानसूनी गतिविधियां कमजोर बनी हुई हैं। इसी कारण प्रदेश में बारिश की कमी बनी हुई है और दिन के समय तेज धूप के साथ उमस लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। हालांकि मेवात, नूंह, सोनीपत और झज्जर के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन इससे तापमान में कोई खास गिरावट दर्ज नहीं की गई।

मौसम विभाग का अनुमान है कि 20 जुलाई तक प्रदेश में व्यापक वर्षा की संभावना कम है। ऐसे में आने वाले दिनों में गर्मी और उमस का असर बना रह सकता है। विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और धूप से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी है।

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश में लगातार हो रही देरी का असर फसलों पर भी पड़ सकता है। विशेष रूप से धान और अन्य खरीफ फसलों की खेती करने वाले किसानों की चिंता बढ़ गई है। यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो सिंचाई पर निर्भरता बढ़ सकती है। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे मौसम संबंधी ताजा अपडेट पर नजर रखें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। बढ़ती गर्मी और उमस को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

मौसम विभाग के अनुसार, मानसूनी गतिविधियों में तेजी आने पर ही तापमान में गिरावट की संभावना बनेगी। फिलहाल लोगों को गर्म हवाओं और उमस से राहत मिलने के आसार कम हैं। प्रशासन ने भी नागरिकों से पर्याप्त पानी पीने, हल्के कपड़े पहनने और दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने की अपील की है, ताकि लू और गर्मी से होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचा जा सके।

रोहतक में बड़ा हादसा टला आग के बीच मजदूरों ने बचाई अपनी जान

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक। रोहतक जिले के बहुअकबरपुर गांव स्थित पुराली से गिट्टी बनाने वाले प्लांट में बुधवार रात अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि काफी दूर तक दिखाई दे रही थीं। हादसा रात करीब दो बजे हुआ, जब प्लांट में कुछ श्रमिक सो रहे थे। आग लगते ही मजदूरों ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। कई घंटे की मशक्कत के बाद भी सुबह तक आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका था। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण प्लांट के पैनल में हुआ शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। प्लांट मालिक आशीष ने बताया कि उन्होंने करीब एक साल पहले एक एकड़ जमीन में यह प्लांट लगाया था। आग से लगभग 40 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच कर रहे हैं।

बिजली पोल छूते ही हुआ धमाका, करंट लगने से व्यक्ति की मौके पर दर्दनाक मौत

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा के हिसार में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में बिजली के पोल में उतरे करंट की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब व्यक्ति सड़क किनारे लगे बिजली के पोल के संपर्क में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पोल छूते ही तेज धमाके की आवाज आई और व्यक्ति करंट की चपेट में आकर पोल से चिपक गया। कुछ ही क्षणों में वह दीवार के सहारे स्थिर हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत बिजली विभाग और पुलिस को सूचना दी। बिजली आपूर्ति बंद किए जाने के बाद स्थानीय लोगों की मदद से शव को पोल से अलग किया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवा दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इलाके में लंबे समय से बिजली के नंगे तार खुले पड़े थे और कई बार इसकी शिकायत भी की गई थी, लेकिन विभाग ने समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की। लोगों का कहना है कि यदि तारों और पोल की समय पर मरम्मत कर दी जाती तो यह हादसा टाला जा सकता था।

हादसे का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें व्यक्ति करंट लगने के बाद पोल के पास खड़ा दिखाई दे रहा है। हालांकि, वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, जबकि बिजली विभाग ने भी तकनीकी कारणों की पड़ताल के लिए टीम गठित कर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है और लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बारिश के मौसम में बिजली के पोल, ट्रांसफार्मर और खुले तारों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। बिजली विभाग ने भी घटना के बाद क्षेत्र में सभी पोल और विद्युत लाइनों का निरीक्षण शुरू करने की बात कही है, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

पानीपत में ढाबे से 1.70 लाख चुराने वाले दो आरोपी सीसीटीवी की मदद से गिरफ्तार हुए

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

पानीपत पुलिस ने ढाबे से 1.70 लाख रुपये से भरा बैग चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी नशे के आदी हैं और नशे की डोज के लिए पैसों की जरूरत पड़ने पर उन्होंने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने ढाबे में ग्राहक बनकर पहले रेकी की और मौका मिलते ही नकदी से भरा बैग उठाकर फरार हो गए।

घटना के बाद ढाबा संचालक ने पुलिस को शिकायत दी। शिकायत मिलते ही पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में दोनों आरोपी बैग लेकर जाते हुए दिखाई दिए। इसके आधार पर पुलिस ने उनकी पहचान की और संभावित ठिकानों पर दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली।

पुलिस के अनुसार, चोरी किए गए पैसों का कुछ हिस्सा आरोपियों ने नशा खरीदने और अन्य खर्चों में खर्च कर दिया था। शेष राशि बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे पहले भी ऐसी घटनाओं में शामिल रहे हैं या नहीं।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किए गए कुछ सामान भी बरामद किए हैं। दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान पुलिस चोरी की रकम की बरामदगी और अन्य संभावित वारदातों के संबंध में पूछताछ करेगी।

पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि बाजार, होटल, ढाबों और सार्वजनिक स्थानों पर नकदी या कीमती सामान को लावारिस न छोड़ें। साथ ही संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां मिली हैं। यह भी जांच की जा रही है कि दोनों ने जिले या आसपास के क्षेत्रों में इसी तरह की अन्य चोरी की वारदातों को अंजाम तो नहीं दिया। बरामद साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस मामले की कड़ियां जोड़ रही है। यदि अन्य मामलों में भी संलिप्तता सामने आती है तो उनके खिलाफ अतिरिक्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मध्य प्रदेश के बासमती जीआई टैग पर विवाद, सात राज्यों ने जताया विरोध

बासमती की भौगोलिक पहचान को लेकर छिड़ी बहस, किसानों के हितों पर टिकी सबकी नजर, उत्पादक क्षेत्रों ने जताई चिंता

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

मध्य प्रदेश के 14 जिलों को बासमती चावल का भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग देने की मांग को लेकर विवाद तेज हो गया है। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के मिलर्स एवं बासमती से जुड़े संगठनों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। इन राज्यों के प्रतिनिधियों ने कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सामने अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि मध्य प्रदेश को बासमती जीआई टैग मिलने से पारंपरिक बासमती उत्पादक क्षेत्रों पर असर पड़ सकता है।

विरोध करने वाले राज्यों का कहना है कि बासमती चावल की पहचान लंबे समय से कुछ विशेष भौगोलिक क्षेत्रों से जुड़ी रही है। इन क्षेत्रों में सदियों से बासमती की खेती, प्रसंस्करण और निर्यात का मजबूत आधार बना हुआ है। उनका तर्क है कि यदि मध्य प्रदेश के नए क्षेत्रों को भी जीआई टैग दिया जाता है तो इससे बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और पारंपरिक उत्पादकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। मिलर्स का कहना है कि बासमती केवल एक फसल नहीं बल्कि एक विशेष पहचान और गुणवत्ता से जुड़ा उत्पाद है।

इसके दाने की लंबाई, खुशबू और स्वाद के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अलग मांग है। ऐसे में नए क्षेत्रों को शामिल करने से बासमती की गुणवत्ता और पहचान को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। विरोध करने वालों ने यह भी आशंका जताई है कि इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बासमती पहचान को चुनौती मिल सकती है। उनका कहना है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान पहले से ही बासमती को लेकर अपने दावे करता रहा है। यदि भारत में बासमती उत्पादन क्षेत्र को लेकर विवाद बढ़ता है तो इसका फायदा पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठा सकता है। मध्य प्रदेश सरकार

और वहां के किसान संगठनों का पक्ष है कि राज्य के कई जिलों में लंबे समय से बासमती चावल की खेती हो रही है।

उनका दावा है कि इन क्षेत्रों की मिट्टी और जलवायु बासमती उत्पादन के लिए अनुकूल है। जीआई टैग मिलने से किसानों को बेहतर बाजार, उचित मूल्य और निर्यात के अवसर मिल सकते हैं। मध्य प्रदेश के 14 जिलों को बासमती जीआई टैग देने का मामला पहले भी चर्चा में रहा है। इस पर विभिन्न पक्षों के बीच लंबे समय से मतभेद चल रहे हैं। पारंपरिक बासमती उत्पादक राज्यों का कहना है कि जीआई टैग का उद्देश्य किसी उत्पाद की वास्तविक भौगोलिक पहचान को सुरक्षित करना होता है, इसलिए इसमें ऐतिहासिक और वैज्ञानिक आधार को ध्यान में रखना जरूरी है। वहीं मध्य प्रदेश के समर्थकों का कहना है कि राज्य के किसानों को बासमती उत्पादन से जुड़े अधिकारों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उनका तर्क है कि अगर किसी क्षेत्र में लंबे समय से गुणवत्तापूर्ण बासमती का उत्पादन हो रहा है तो वहां के किसानों को भी इसका लाभ मिलना चाहिए।

फिलहाल यह मामला एपीडा के सामने विचाराधीन है और सभी पक्ष अपने-अपने तर्क पेश कर रहे हैं। आने वाले समय में इस मुद्दे पर फैसला होने की उम्मीद है। जीआई टैग को लेकर जारी यह विवाद केवल राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धा का मामला नहीं बल्कि भारत की पारंपरिक कृषि पहचान और वैश्विक बाजार में बासमती की प्रतिष्ठा से भी जुड़ा हुआ है। मध्य प्रदेश के बासमती जीआई टैग विवाद पर अब किसानों, मिलर्स और सरकारों के बीच मतभेद गहराते जा रहे हैं। एपीडा की रिपोर्ट के बाद ही तय होगा कि बासमती जीआई टैग को लेकर अंतिम फैसला किसके पक्ष में जाएगा।

जगन्नाथ रथयात्रा के चलते दिल्ली में ट्रैफिक डायवर्जन, अरबिंदो मार्ग रहेगा प्रभावित

48वीं जगन्नाथ रथयात्रा के लिए दिल्ली पुलिस तैयार, कई इलाकों में यातायात व्यवस्था बदली

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा के आयोजन को देखते हुए यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। हौज खास और त्यागराज नगर क्षेत्रों में रथयात्रा के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे रथयात्रा के मार्गों पर जाने से बचें और अपनी यात्रा के लिए वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करें, ताकि उन्हें जाम और असुविधा का सामना न करना पड़े।

हौज खास में बृहस्पतिवार को 48वीं जगन्नाथ रथयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं की भीड़ और रथयात्रा के सुचारु संचालन को ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस ने विशेष इंतजाम किए हैं। इसके तहत दोपहर दो बजे से शाम सात बजे तक अरबिंदो मार्ग पर यातायात को नियंत्रित किया जाएगा और आवश्यकता के अनुसार वाहनों को दूसरे मार्गों की ओर डायवर्ट किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, रथयात्रा के दौरान मुख्य मार्गों पर भीड़ बढ़ सकती है, इसलिए वाहन चालकों को पहले से अपनी यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी गई है। लोगों से कहा गया है कि वे रथयात्रा के आसपास के क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से वाहन लेकर न जाएं और सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग करें।

वहीं, त्यागराज नगर में आयोजित होने वाली रथयात्रा भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। यहां देवी सुभद्रा के रथ को केवल महिला भक्त खींचेंगी। यह पहल महिला सशक्तिकरण और समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका का संदेश देगी। आयोजकों का कहना है कि इस परंपरा के माध्यम से महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

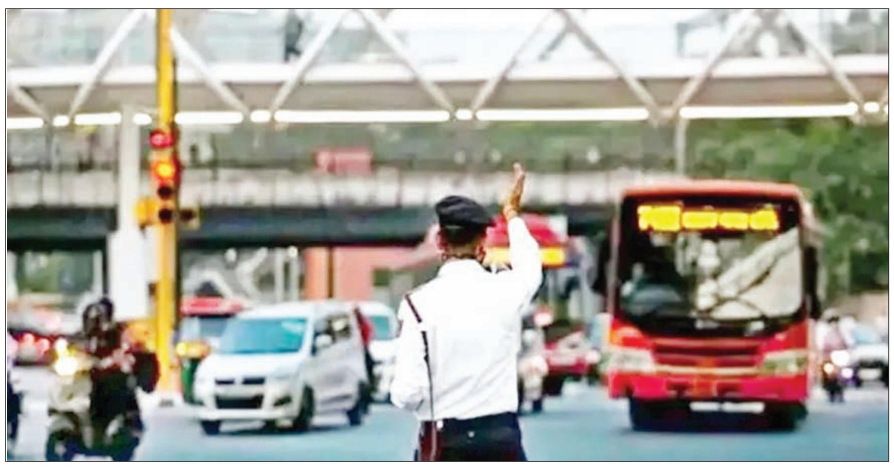

रथयात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विशेष तैयारियां की गई हैं। पुलिसकर्मियों की तैनाती, भीड़ प्रबंधन और यातायात नियंत्रण के लिए अलग-अलग इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन का उद्देश्य है कि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो और आम लोगों को भी कम से कम असुविधा का सामना करना पड़े। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे रथयात्रा के निर्धारित मार्गों की जानकारी पहले से प्राप्त कर लें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा करें। अधिकारियों ने कहा है कि यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे और जरूरत के अनुसार मार्गों में बदलाव किया जा सकता है।

अवैध हथियार मामले में वीरेंद्र उर्फ काला बादल की 4 साल की सजा बरकरार

एजेंसी, नई दिल्ली

हथियार मामले में आरोपी को कोर्ट से झटका

पटियाला हाउस कोर्ट ने अवैध हथियार रखने के मामले में आरोपी वीरेंद्र उर्फ काला बादल की चार साल की सजा को बरकरार रखा है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि केवल मामूली प्रक्रियागत कमियों के आधार पर दोषसिद्धि को रद्द नहीं किया जा सकता, यदि अभियोजन पक्ष द्वारा पेश किए गए साक्ष्य विश्वसनीय और मजबूत हों।

मामले की सुनवाई के दौरान आरोपी ने निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। आरोपी की ओर से दलील दी गई थी कि जांच प्रक्रिया में कुछ खामियां थीं और इन्हीं आधारों पर सजा पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। हालांकि, अदालत ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया और कहा कि जांच में छोटी-मोटी कमियां होना सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है, लेकिन इससे मामले की पूरी विश्वसनीयता प्रभावित नहीं होती। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने अवैध हथियार रखने के आरोप को साबित करने के लिए पर्याप्त और भरोसेमंद साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं।

उपलब्ध तथ्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर आरोपी की दोषसिद्धि सही पाई गई। इसी कारण अदालत ने चार साल की सजा को बरकरार रखने का फैसला सुनाया। अदालत के इस निर्णय के बाद आरोपी को राहत नहीं मिल सकी और उसकी सजा जारी रहेगी। न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि आपराधिक मामलों में फैसला केवल तकनीकी कमियों के आधार पर नहीं, बल्कि उपलब्ध साक्ष्यों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता के आधार पर किया जाता है।

फरीदाबाद में साइबर ठगी, बैंक खाते से उड़ाए 1.54 लाख रुपए

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद में साइबर ठगी का एक नया मामला सामने आया है, जिसमें उत्तम नगर निवासी एक व्यक्ति के बैंक खाते से अज्ञात ठगों ने एक लाख 54 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित को जब अपने खाते से रकम गायब होने की जानकारी मिली तो उसने तुरंत मामले की शिकायत पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और साइबर धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित के बैंक खाते से 9 और 10 जुलाई को अलग-अलग समय पर पैसे निकाले गए थे। शुरुआत में उसे इस लेनदेन की जानकारी नहीं हुई, लेकिन बाद में बैंक खाते की जांच करने पर पता चला कि उसके खाते से बड़ी रकम ट्रांसफर की जा चुकी है। पीड़ित ने इस संबंध में एनआईटी थाना पुलिस को शिकायत दी।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर सेल की मदद से ठगी में इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर, बैंक खातों और डिजिटल लेनदेन की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी किस तरीके से पीड़ित के खाते तक पहुंचे और वारदात को कैसे अंजाम दिया।

बिजली कटौती से मिलेगी राहत, गुरुग्राम के 9 सेक्टरों में जल्द पहुंचेगी पर्याप्त बिजली

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम के कई इलाकों में जल्द ही बिजली आपूर्ति की स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। शहर के नौ सेक्टरों को निर्बाध और पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने के लिए 220 केवी क्षमता वाले नए बिजलीघर के संचालन की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इस परियोजना के तहत गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम को आवश्यक बिजली केवल बिछाने की मंजूरी दे दी है, जिससे बिजलीघर को ग्रिड से जोड़ने का रास्ता साफ हो गया है। अधिकारियों के अनुसार बिजलीघर का निर्माण कार्य लगभग 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है और शेष कार्य भी तेजी से किया जा रहा है। परियोजना पूरी होने के बाद संबंधित नौ सेक्टरों में बिजली की आपूर्ति अधिक स्थिर, सुरक्षित और बेहतर होगी। इससे बार-बार होने वाली बिजली कटौती और कम

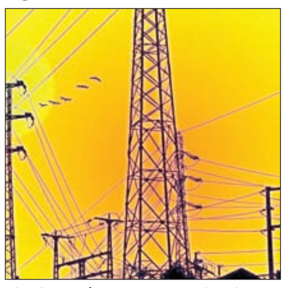

वोल्टेज जैसी समस्याओं से भी काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। बढ़ती आबादी, नए आवासीय क्षेत्रों और व्यावसायिक गतिविधियों को देखते हुए इस बिजलीघर की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद बिजली वितरण नेटवर्क पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव भी कम होगा और भविष्य की बढ़ती मांग को पूरा करने में आसानी होगी। अधिकारियों का कहना है कि सभी तकनीकी और सुरक्षा मानकों को पूरा करने के बाद बिजलीघर का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

सीपीसीबी में कर्मचारियों की भारी कमी, 28% पद खाली होने से बढ़ी चिंता

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी संभालने वाला केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) इन दिनों कर्मचारियों की भारी कमी का सामना कर रहा है। एक आरटीआई के माध्यम से सामने आए आधिकारिक आंकड़ों से पता चला है कि सीपीसीबी में स्वीकृत पदों की तुलना में करीब 28 प्रतिशत पद खाली पड़े हुए हैं। इससे संस्था के कामकाज और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

पर्यावरण कार्यकर्ता अमित गुप्ता द्वारा दायर की गई आरटीआई के जवाब में सीपीसीबी ने 14 जुलाई 2026 को कर्मचारियों की स्थिति से जुड़े आंकड़े जारी किए। रिपोर्ट के अनुसार, बोर्ड में कुल 669 पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में केवल 473 पदों पर ही कर्मचारी कार्यरत हैं। वहीं, 189 पद लंबे समय से खाली पड़े हुए हैं। सीपीसीबी देशभर में वायु, जल और पर्यावरण प्रदूषण की निगरानी, नियंत्रण और उससे संबंधित नीतियों के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ऐसे में बड़ी संख्या में पद खाली होने से निगरानी व्यवस्था, जांच प्रक्रिया और विभिन्न पर्यावरणीय परियोजनाओं के संचालन में चुनौतियां बढ़ सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ते प्रदूषण स्तर और पर्यावरणीय समस्याओं के बीच सीपीसीबी जैसे प्रमुख संस्थान में पर्याप्त कर्मचारियों की उपलब्धता बेहद जरूरी है। कर्मचारियों की कमी के कारण अधिकारियों पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ सकता है और कई महत्वपूर्ण कार्यों में देरी हो सकती है। कर्मचारियों की कमी के कारण सीपीसीबी की निगरानी और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़ी महत्वपूर्ण गतिविधियों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

एनसीआर में निवेश का नया केंद्र बनेगा जेवर-आगरा कॉरिडोर

एजेंसी, नई दिल्ली

एनसीआर में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक नए इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की योजना तैयार की जा रही है। यह कॉरिडोर जेवर से आगरा की दिशा में विकसित किया जाएगा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) बोर्ड ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद क्षेत्र में नए उद्योग स्थापित होने की संभावना बढ़ेगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। प्रस्तावित इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का उद्देश्य औद्योगिक गतिविधियों को विस्तार देना और निवेश को आकर्षित करना है। जेवर क्षेत्र में बन रहे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को देखते हुए इस कॉरिडोर को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है। अधिकारियों के अनुसार, कॉरिडोर के विकास से मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स और अन्य क्षेत्रों की कंपनियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

न्यूज ब्रीफ

बारिश में धंसी सड़कें, एफएमडीए की शिकायत पर ठेकेदार पर केस दर्ज

एजेंसी ,नई दिल्ली फरीदाबाद में बारिश के दौरान दो स्थानों पर सड़क धंसने के मामले में कार्रवाई शुरू हो गई है। फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) की शिकायत पर बीपीटीपी थाना पुलिस ने संबंधित ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि निर्माण कार्य में लापरवाही के कारण सड़क की स्थिति खराब हुई और बारिश के बाद दो जगहों पर सड़क धंस गई। जानकारी के अनुसार, शहर में हुई तेज वर्षा के बाद कुछ क्षेत्रों में सड़क धंसने की समस्या सामने आई थी। इससे स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा और यातायात भी प्रभावित हुआ। मामले की जानकारी मिलने के बाद एफएमडीए अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया और जांच के बाद ठेकेदार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। प्राधिकरण का कहना है कि सड़क निर्माण और संबंधित कार्यों में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का पालन करना जरूरी है। लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ई-20 और पेट्रोल विवाद ने रोका पंजीकरण नोएडा में 40 वाहन लंबित

एजेंसी, नई दिल्ली नोएडा में ई-20 और पेट्रोल फ्यूल के फॉर्म में अंतर के कारण करीब 40 वाहनों का पंजीकरण अटक गया है। वाहन मालिकों को अपने नए वाहनों का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए डीलर और परिवहन विभाग के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इस प्रक्रिया में सामान्य समय से अधिक देरी हो रही है और लोगों को 10 से 15 दिन तक अतिरिक्त इंतजार करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, नए वाहनों के दस्तावेजों में ई-20 और पेट्रोल फ्यूल को लेकर दर्ज जानकारी में अंतर होने के कारण पंजीकरण प्रक्रिया में तकनीकी समस्या आ रही है। इसके चलते परिवहन विभाग के सिस्टम में वाहनों का विवरण सही तरीके से दर्ज नहीं हो पा रहा है। वाहन मालिकों का कहना है कि उन्होंने समय पर सभी दस्तावेज जमा कर दिए हैं, लेकिन फॉर्म में अंतर की वजह से उनका रजिस्ट्रेशन पूरा नहीं हो पा रहा है। कई लोग समस्या के समाधान के लिए वाहन डीलरों और आरटीओ कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। परिवहन विभाग और वाहन डीलर समस्या को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं।

शराब की लत और 150 करोड़ की जायदाद का खूनी अंत, पिता की हत्या कर बेटा फरार

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद के मोदीनगर इलाके से एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां लगभग 150 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक एक व्यक्ति को उसके ही सगे बेटे ने गोलियों से भूनकर मार डाला। घटना बुढ़ाना गांव की है, जहां 55 वर्षीय अमीर किसान हरिओम चौधरी की उनके 32 वर्षीय बेटे निखिल ने बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस जांच के अनुसार, मृतक हरिओम चौधरी के पास करोड़ों की जमीन, दुकानें और व्यावसायिक संपत्तियां थीं।

उनका बड़ा बेटा निखिल बेहद नशेड़ी किस्म का व्यक्ति था। वह काफी समय से अपने हिस्से की जमीन और जायदाद को कानूनी रूप से अपने नाम करवाने का दबाव बना रहा था। हालांकि, बेटे की इस लत और खराब आदतों के कारण पिता जमीन उसके नाम करने

से लगातार मना कर रहे थे। इसी बात को लेकर आरोपी निखिल अपने पिता से गहरी रंजिश रखने लगा था। वारदात की रात, निखिल अत्यधिक शराब पीकर देर रात अपने घर लौटा। जब पिता ने उसकी इस हालत पर नाराजगी जताई, तो दोनों के बीच तीखी बहस और हाथापाई शुरू हो गई। गुस्से में आकर निखिल ने अपनी पिस्तौल निकाली और अपने पिता पर ताबड़तोड़ चार राउंड गोलियां चला दीं। गोलियां हरिओम के चेहरे और सीने में लगीं, जिससे वे लहूलुहान होकर गिर पड़े। परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हत्या की इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने के बाद से ही आरोपी निखिल मौके से फरार है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। फिलहाल फरार आरोपी की तलाश में पुलिस की चार टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं।

नोएडा के तालाबों और झीलों की होगी जांच, एनजीटी ने मांगी स्थिति की जानकारी

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के सभी जलाशयों की स्थिति को लेकर सख्त कदम उठाया है। एनजीटी ने गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी से जिले में मौजूद सभी जल स्रोतों का विस्तृत विवरण मांगा है। इसमें तालाब, झील, पोखर और अन्य जलाशयों की संख्या, उनका क्षेत्रफल, वर्तमान स्थिति, क्षेत्राधिकार और उन पर हुए अतिक्रमण की पूरी जानकारी शामिल है।

एनजीटी ने जलाशयों पर अतिक्रमण की रिपोर्ट मांगी

एनजीटी ने प्रशासन से यह भी बताने को कहा है कि किन-किन जलाशयों पर अवैध कब्जे किए गए हैं और उन्हें हटाने के लिए अब तक क्या कार्रवाई की गई है। इसके अलावा संबंधित विभागों और जिम्मेदारी और जलाशयों के संरक्षण के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी भी मांगी गई है। शहरी विस्तार और तेजी से हो रहे निर्माण कार्यों के कारण कई जलाशयों पर अतिक्रमण की शिकायतें सामने आती रही हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार जलाशय भूजल स्तर बनाए रखने, वर्षा जल संचयन, बाढ़ नियंत्रण और पर्यावरण संतुलन के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इनके खत्म होने से जल संकट और पर्यावरण संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। एनजीटी के निर्देश के बाद गौतमबुद्ध नगर प्रशासन ने संबंधित विभागों से रिकॉर्ड जुटाने और जलाशयों की वास्तविक स्थिति की जांच शुरू कर दी है।

एनसीएमसी कार्ड रिचार्ज पर कर्मचारियों को मिलेगा अतिरिक्त लाभ

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने अपने कर्मचारियों को सार्वजनिक परिवहन के अधिक उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) के इस्तेमाल पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त परिवहन भत्ता देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस नई व्यवस्था के तहत केवल वही कर्मचारी इस अतिरिक्त लाभ के पात्र होंगे, जो अपने मासिक परिवहन भत्ते का कम से कम 25 प्रतिशत एनसीएमसी कार्ड को खरीद या उसके रिचार्ज पर खर्च करेंगे।

सरकार का मानना है कि इस पहल से कर्मचारी मेट्रो, बस और अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का अधिक उपयोग करेंगे, जिससे निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी और यातायात जाम तथा प्रदूषण में भी कमी आएगी। अधिकारियों के अनुसार एनसीएमसी कार्ड एकीकृत डिजिटल भुगतान प्रणाली प्रदान करता है, जिससे विभिन्न परिवहन सेवाओं में एक ही कार्ड का उपयोग संभव हो जाता है। यह कदम डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और परिवहन व्यवस्था को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में भी अहम माना जा रहा है। संबंधित विभागों को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं। कर्मचारियों को अतिरिक्त भत्ता प्राप्त करने के लिए एनसीएमसी कार्ड के उपयोग का प्रमाण निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करना होगा।

जींद से दौड़ेगी देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन

रेल इतिहास में नया अध्याय, पहली हाइड्रोजन ट्रेन को मिलेगी हरी झंडी

एजेंसी, नई दिल्ली

17 जुलाई को देश के रेल इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह ट्रेन हरियाणा के जींद-सोनीपत रेल मार्ग पर संचालित होगी और स्वच्छ, आधुनिक तथा पर्यावरण अनुकूल रेल परिवहन की दिशा में भारत की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली यह ट्रेन अधिकतम 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी और एक बार में लगभग 2600 यात्रियों को यात्रा की सुविधा प्रदान करेगी। इस परियोजना का उद्देश्य रेल सेवाओं को हरित ऊर्जा से जोड़ना, कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। पारंपरिक डीजल इंजनों की तुलना में हाइड्रोजन ट्रेन से प्रदूषण काफी कम होगा, क्योंकि इसके संचालन के दौरान मुख्य रूप से जलवाष्प का उत्सर्जन होता है।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन आज जींद से रवाना

रेलवे अधिकारियों के अनुसार इस ट्रेन में आधुनिक सुरक्षा सुविधाओं, आरामदायक कोच, बेहतर यात्री सुविधाओं और उन्नत तकनीक का उपयोग किया गया है।

हाइड्रोजन ईंधन आधारित तकनीक को भविष्य के परिवहन का महत्वपूर्ण विकल्प माना जा रहा है और भारत इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस ट्रेन के संचालन से स्वच्छ ऊर्जा आधारित रेल नेटवर्क विकसित करने की योजना को भी गति मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह परियोजना सफल रहती है तो आने वाले वर्षों में देश के अन्य रेल मार्गों पर भी हाइड्रोजन ट्रेनों का संचालन शुरू किया जा सकता है।

इससे रेलवे की ईंधन लागत में कमी आने, पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलने और यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित तथा बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। यह पहल भारत को हरित परिवहन और सतत विकास के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखी जा रही है।

घर खरीदारों के हित में बड़ा कदम आईएफएमएस फंड के लिए नई दरें लागू

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश भूसंपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्राधिकरण ने बिल्डरों द्वारा खरीदारों से लिए जाने वाले आईएफएमएस (इंटरेस्ट फ्री मेंटेनेंस सिक्योरिटी) फंड के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए नई व्यवस्था लागू कर दी है। इस फैसले से राज्य की एक हजार से अधिक आवासीय सोसाइटियों के लाखों निवासियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। नई व्यवस्था के तहत आईएफएमएस फंड के उपयोग के लिए स्पष्ट नियम और नई दरें निर्धारित की गई हैं।

अब बिल्डर इस फंड का इस्तेमाल केवल निर्धारित और आवश्यक कार्यों के लिए ही कर सकेंगे। फंड की राशि को अन्य व्यावसायिक या अनधिकृत कार्यों में खर्च नहीं किया जा सकेगा। यूपी रेरा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि खरीदारों से जमा की गई धनराशि का उपयोग सोसाइटी के रखरखाव, आवश्यक सेवाओं और संबंधित सुविधाओं को बेहतर बनाने में ही किया जाए। लंबे समय से कई सोसाइटियों में खरीदार आईएफएमएस फंड के उपयोग को लेकर शिकायतें कर रहे थे। लोगों का आरोप था कि बिल्डर इस राशि का पारदर्शी तरीके से इस्तेमाल नहीं करते और इसका हिसाब भी स्पष्ट नहीं दिया जाता। नई व्यवस्था लागू होने के बाद फंड के संचालन में पारदर्शिता बढ़ेगी और खरीदारों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। प्राधिकरण ने बिल्डरों और संबंधित एजेंसियों को नए नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। माना जा रहा है कि यह कदम रियल एस्टेट क्षेत्र में जवाबदेही बढ़ाने और घर खरीदारों के अधिकारों को मजबूत करने की दिशा में अहम साबित होगा।

स्टेटहुड मुद्दे पर उमर घिरे, बागी सांसद रुहुल्ला ने साधा निशाना

जम्मू-कश्मीर में स्टेटहुड की मांग पर सियासी बयानबाजी तेज, रुहुल्ला ने उठाए सवाल।

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के बागी सांसद आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर निशाना साधते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर की जनता ने केवल स्टेटहुड बहाली के लिए नहीं, बल्कि पांच अगस्त 2019 से पहले की संवैधानिक स्थिति और अधिकारों की वापसी के लिए जनादेश दिया है।

रुहुल्ला ने आरोप लगाया कि उमर अब्दुल्ला की मांग सिर्फ राज्य का दर्जा बहाल करने तक सीमित है, जबकि जनता की उम्मीदें इससे कहीं अधिक हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को अपने राजनीतिक और संवैधानिक अधिकार वापस चाहिए। सांसद ने कहा कि

◆ स्टेटहुड नहीं, 2019 से पहले के अधिकार चाहिए

अगर स्टेटहुड केवल प्रशासनिक अधिकारों और पुलिस सलामी तक सीमित है तो यह जनता की वास्तविक मांग नहीं है।

उन्होंने मुख्यमंत्री पर भाजपा के एजेंडे के अनुसार काम करने का भी आरोप लगाया। रुहुल्ला के बयान के बाद जम्मू-कश्मीर की सियासत में नई बहस शुरू हो गई है। आगा सैयद रुहुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने व्यापक अधिकारों और राजनीतिक पहचान की बहाली के लिए समर्थन दिया है।

जेकेसीए फंड केस में फारूक अब्दुल्ला को राहत, पासपोर्ट नवीनीकरण की मिली मंजूरी

कोर्ट ने पासपोर्ट नवीनीकरण की अनुमति दी, लेकिन विदेश यात्रा से पहले लेनी होगी मंजूरी

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला को जेकेसीए फंड मामले में श्रीनगर की अतिरिक्त सत्र अदालत से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने उनके पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी करने की अनुमति दे दी है। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पासपोर्ट का नवीनीकरण विदेश यात्रा की स्वतः अनुमति नहीं मानी जाएगी।

अदालत के आदेश के अनुसार, डॉ. फारूक अब्दुल्ला को यदि किसी भी विदेश यात्रा पर जाना होगा तो उन्हें हर बार पहले सक्षम अदालत से अनुमति लेनी होगी। न्यायालय ने यह शर्त जेकेसीए फंड से जुड़े मामले को देखते हुए लगाई है। गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) में कथित वित्तीय अनियमितताओं और फंड के दुरुपयोग से जुड़े मामले की जांच लंबे समय से चल रही है। इस मामले में कई लोगों से पूछताछ भी की जा चुकी है। फारूक अब्दुल्ला ने पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए अदालत का रुख किया था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने उन्हें सीमित राहत देते हुए एनओसी की अनुमति दी। अदालत के इस फैसले से उन्हें पासपोर्ट संबंधी प्रक्रिया पूरी करने का रास्ता साफ हो गया है, लेकिन विदेश यात्रा के लिए न्यायिक अनुमति की शर्त बनी रहेगी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि पासपोर्ट नवीनीकरण केवल दस्तावेज की वैधता से

◆ श्रीनगर कोर्ट का फैसला, फारूक के पासपोर्ट की प्रक्रिया हुई आसान

जुड़ा विषय है और इसे विदेश यात्रा की अनुमति नहीं माना जा सकता।

डॉ. फारूक अब्दुल्ला को हर विदेश दौरे से पहले न्यायालय की अनुमति लेनी होगी। जेकेसीए फंड मामले की जांच के दौरान यह शर्त लगाई गई है। अदालत के फैसले के बाद उनके लिए पासपोर्ट प्रक्रिया आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है, लेकिन यात्रा संबंधी प्रतिबंध जारी रहेंगे। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए यह शर्त जारी रखी है ताकि जांच प्रक्रिया प्रभावित न हो और सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

पासपोर्ट नवीनीकरण का रास्ता साफ, जेकेसीए मामले के चलते विदेश यात्रा पर जारी रहेंगी कानूनी शर्तें।

हर विदेश यात्रा से पहले कोर्ट की अनुमति अनिवार्य होगी,यह राहत जेकेसीए फंड गबन मामले से संबंधित है

अदालत के इस निर्णय के बाद डॉ. फारूक अब्दुल्ला के लिए पासपोर्ट से जुड़ी कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ाने का रास्ता आसान हो गया है। हालांकि, न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विदेश यात्रा को लेकर सख्त शर्तें बरकरार रखी हैं। अदालत का मानना है कि जांच पूरी होने तक सभी जरूरी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया जाना आवश्यक है।

जेकेसीए फंड मामले में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच लंबे समय से जारी है। जांच एजेंसियां इस मामले में विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं और कई संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ भी की जा चुकी है। अदालत ने कहा कि पासपोर्ट नवीनीकरण केवल दस्तावेज की वैधता से जुड़ा विषय है, इसे विदेश जाने की अनुमति नहीं माना जा सकता।

फारूक अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर की राजनीति में लंबे समय से सक्रिय हैं और नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख नेताओं में शामिल हैं। अदालत के फैसले के बाद अब उनकी पासपोर्ट प्रक्रिया पूरी हो सकेगी, लेकिन विदेश यात्रा के लिए उन्हें प्रत्येक बार न्यायालय की अनुमति लेनी होगी। अदालत के आदेश के अनुसार यह शर्त जांच प्रक्रिया को प्रभावित होने से रोकने और कानूनी व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से लगाई गई है। इस फैसले के बाद फारूक अब्दुल्ला को पासपोर्ट संबंधी राहत जरूर मिली है, लेकिन जेकेसीए फंड मामले में न्यायिक निगरानी आगे भी जारी रहेगी। मामले में आगे की कार्रवाई जांच पूरी होने के बाद होगी।

नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर जारी है अनशन

वांगचुक के अनशन पर उमर बोले, मनमोहन सरकार के दौर और अन्ना आंदोलन की आई याद

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। लद्दाख के प्रसिद्ध शिक्षाविद और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल को लेकर जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने वांगचुक के आंदोलन की तुलना अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से करते हुए कहा कि लोकतंत्र में बातचीत और संवेदनशीलता का महत्व हमेशा बना रहना चाहिए।

सोनम वांगचुक परीक्षा व्यवस्था में कथित गड़बड़ियों और नीट पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वह नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। लंबे समय से जारी अनशन के कारण उनकी सेहत को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि राजनीति अपनी जगह है, लेकिन मानवीय संवेदनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय अन्ना हजारे और उनके साथियों ने रामलीला मैदान में इसी तरह भूख हड़ताल की थी।

उस दौरान सरकार की ओर से मंत्रियों को भेजकर आंदोलनकारियों से बातचीत की गई थी और समाधान निकालने का प्रयास किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन और असहमति के लिए जगह होनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि मौजूदा मामले में भी बातचीत के जरिए समाधान निकाला जाएगा।

वहीं, सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने भी चिंता जताई है। अदालत ने उनकी सेहत पर निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। समर्थकों का कहना है कि उनकी मांगें छात्रों और परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता से जुड़ी हैं।उनके आंदोलन को लेकर देशभर में बहस लगातार तेज होती जा रही है।

वैष्णो देवी मार्ग पर कथित अशोभनीय हरकत से श्रद्धालुओं में नाराजगी

भारतेन्दु संवाददाता, कटड़ा। विश्व प्रसिद्ध धार्मिक आस्था के केंद्र श्री माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर कुछ युवक-युवतियों की कथित आपत्तिजनक हरकत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद श्रद्धालुओं में नाराजगी फैल गई है। बड़ी संख्या में लोगों ने इस घटना को धार्मिक आस्था और यात्रा की मर्यादा के विपरीत बताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में कुछ युवक-युवतियां यात्रा मार्ग पर ऐसा व्यवहार करते दिखाई दे रहे हैं, जिसे कई श्रद्धालुओं ने अनुचित और आपत्तिजनक बताया है। वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर साझा किया जा रहा है, जिसके बाद लोगों की ओर से प्रशासन और पुलिस से मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग उठी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की सत्यता की जांच की जा रही है और इसमें शामिल लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

श्रद्धालुओं का कहना है कि माता वैष्णो देवी का पवित्र यात्रा मार्ग करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। ऐसे स्थानों पर सभी श्रद्धालुओं और पर्यटकों को धार्मिक मर्यादा और अनुशासन का पालन करना चाहिए, ताकि किसी की भावनाएं आहत न हों। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मामले को लेकर अफवाहें न फैलाएं और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। साथ ही, सोशल मीडिया पर किसी भी वीडियो या संदेश को बिना सत्यापन के साझा करने से बचें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जांच के निष्कर्षों के आधार पर ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।1 आने वाले दिनों में जांच रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एनसी नेता नासिर वानी का दावा, दिल्ली कार्यक्रम नहीं रुकेगा

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी ने कहा है कि पार्टी 20 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित कार्यक्रम हर हाल में करेगी। उन्होंने कहा कि अनुमति मिले या नहीं, पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल होंगे। वानी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के हितों से जुड़े लोग इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुख्य उद्देश्य जम्मू-कश्मीर का संवैधानिक दर्जा और छीनी गई गारंटियों की बहाली है। इसके लिए राज्य का दर्जा वापस मिलना जरूरी है। कांग्रेस नेताओं सहित अन्य दलों के नेताओं को निमंत्रण भेजे जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि 20 जुलाई को स्थिति स्पष्ट होगी। वानी ने पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. शेख मुस्तफा कमाल को याद करते हुए उन्हें अनुभवी नेता और मार्गदर्शक बताया। उन्होंने कहा कि उनका निधन पार्टी के लिए बड़ी क्षति है।

न्यूज ब्रीफ

क्रिकेट को जम्मू बनाम कश्मीर का मुद्दा न बनाया जाए : महबूबा

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) के हालिया घटनाक्रमों पर चिंता जताई है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से मामले में हस्तक्षेप करने की अपील करते हुए कहा कि क्रिकेट को जम्मू बनाम कश्मीर के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। महबूबा ने आरोप लगाया कि जेकेसीए को राजनीति, भ्रष्टाचार और क्षेत्रीय भेदभाव से दूर रहना चाहिए, लेकिन वर्तमान में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष जावेद खिताब और कुछ स्थानीय क्लबों को उनकी पहचान के आधार पर निशाना बनाया जा रहा है। महबूबा ने बीसीसीआई से निष्पक्षता बनाए रखने और खिलाड़ियों के चयन में पहचान के बजाय क्रिकेट क्षमता को प्राथमिकता देने की मांग की।

कश्मीर घाटी में अगले तीन दिनों तक शुष्क और गर्म मौसम रहने की संभावना

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर घाटी में अगले तीन दिनों तक मौसम शुष्क और गर्म रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 18 जुलाई तक बारिश की संभावना कम है और श्रीनगर में तापमान 36 से 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। यह इस मौसम का अब तक का सबसे गर्म दौर माना जा रहा है। मौसम विज्ञानी आदिल मकबूल मीर ने लोगों को दोपहर के समय सावधानी बरतने की सलाह दी है। घाटी के कई मैदानी इलाकों में तापमान सामान्य से 5 से 8 डिग्री अधिक रहने की संभावना है। वहीं जम्मू क्षेत्र में मानसूनी गतिविधियों के कारण तापमान में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं होने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने भी कई इलाकों में सामान्य से अधिक तापमान दर्ज किया है।

राजौरी में पैसेंजर टेम्पो पलटने से आठ लोग घायल

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू । राजौरी शहर में गुरुवार को एक सड़क हादसे में आठ लोग घायल हो गए। हादसा खांडली ब्रिज और जवाहर नगर के बीच चप्पड़ियन इलाके में हुआ, जहां यात्रियों से भरा पैसेंजर टेम्पो अचानक पलट गया। हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एसोसिएटेड हॉस्पिटल राजौरी पहुंचाया। अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त टेम्पो का पंजीकरण नंबर जेके02डीबी-9194 है। घायलों में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल हैं। सभी घायल जमुला गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। अस्पताल में उनका इलाज जारी है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

ठेकेदार बढ़ती लागत की भरपाई के लिए दरों में संशोधन की कर रहे मांग : लोन

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष और हंदवाड़ा विधायक सज्जाद लोन ने जम्मू-कश्मीर सरकार पर ठेकेदारों की दरों में संशोधन नहीं करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दर विवाद के कारण कश्मीर घाटी में सड़क निर्माण और अन्य विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। लोन के अनुसार, बढ़ती लागत और कम कार्य-मौसम के बीच ठेकेदार संशोधित दरों की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से समाधान नहीं निकाला गया। उन्होंने प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर गतिरोध खत्म करने और विकास परियोजनाओं को दोबारा शुरू कराने की अपील की।

11 साल की बच्ची की मौत का मामला सुलझा फरार आरोपी लखनऊ से गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, कुलगाम । कुलगाम पुलिस ने 11 वर्षीय बच्ची की मौत से जुड़े हिट एंड रन मामले को सुलझाने का दावा किया है। पुलिस ने आरोपी अरुण गुप्ता को उत्तर प्रदेश के लखनऊ से गिरफ्तार किया और हादसे में शामिल वाहन को बरेली से जब्त किया। जांच टीम ने सीसीटीवी, तकनीकी साक्ष्यों और खुफिया जानकारी की मदद से आरोपी तक पहुंच बनाई।

पुस्तक विवाद में बढ़ी कार्रवाई, छह घंटे की पूछताछ में खुले कई राज

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू। अलगाववादियों के कथित महिमामंडन से जुड़ी विवादित पुस्तकों के मामले में काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) विंग ने जांच तेज कर दी है। मामले में तीसरे दिन भी तीनों प्रकाशकों से पूछताछ जारी रही। करीब छह घंटे चली पूछताछ के दौरान जांच टीम ने प्रकाशकों से 30 से अधिक सवाल पूछे और जब्त किए गए दस्तावेजों व साक्ष्यों के आधार पर उनके बयानों का मिलान किया।

जांच अधिकारियों ने प्रकाशकों से किताबों के ऑर्डर मिलने की प्रक्रिया, सामग्री उपलब्ध कराने वाले लोगों, भुगतान व्यवस्था और छपाई से पहले हुई बातचीत से जुड़े कई सवाल किए। अधिकारियों ने यह भी जानने का प्रयास किया कि विवादित सामग्री किस माध्यम से उपलब्ध कराई गई और प्रकाशन से पहले

◆ जांच एजेंसी ने प्रकाशकों से पूछे 30 से अधिक सवाल

किन-किन लोगों की भूमिका रही। जांच एजेंसी ने ओबरॉय बुक सर्विस के इंद्रपाल और नोएडा स्थित डोमिनेंट पब्लिशर्स के अमरदीप सिंह व गिरीश अरोड़ा को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक जांच में एजेंसी ने पुस्तकों के प्रकाशन और प्रसार में प्रकाशकों की भूमिका की जांच शुरू की है।

छड़ी मुबारक यात्रा का कार्यक्रम जारी, 28 अगस्त को होगी अंतिम पूजा

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। बाबा अमरनाथ के दर्शन के लिए पहुंचने वाले शिव भक्तों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। श्री अमरनाथ जी की पवित्र छड़ी मुबारक यात्रा-2026 का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। छड़ी मुबारक के महंत दीपेंद्र गिरि जी महाराज ने यात्रा की सभी प्रमुख तिथियों की घोषणा की है। इस बार पवित्र यात्रा का शुभारंभ 29 जुलाई से पहलगाम से होगा, जबकि 28 अगस्त को पवित्र अमरनाथ गुफा में अंतिम पूजा के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होगा।

महंत दीपेंद्र गिरि ने बताया कि छड़ी मुबारक यात्रा सदियों पुरानी धार्मिक परंपरा का हिस्सा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी पवित्र छड़ी को विशेष विधि-विधान के साथ अमरनाथ गुफा तक ले जाया जाएगा। यात्रा के दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे और श्रद्धालु भगवान शिव की

आराधना करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार, यात्रा की शुरुआत आषाढ़ पूर्णिमा के शुभ अवसर से होगी। इसके बाद निर्धारित मार्गों से होते हुए छड़ी मुबारक अमरनाथ की पवित्र गुफा तक पहुंचेगी। श्रावण पूर्णिमा के दिन गुफा में विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। इसी दिन वार्षिक धार्मिक यात्रा का समापन माना जाएगा।

अधिकारियों और यात्रा प्रबंधन से जुड़े लोगों ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे यात्रा में शामिल होने से पहले सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर लें। श्रद्धालुओं को समय पर पंजीकरण कराने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है।

अमरनाथ यात्रा को लेकर देशभर के श्रद्धालुओं में हर साल विशेष उत्साह देखने को मिलता है। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु कठिन पहाड़ी रास्तों से होकर पवित्र गुफा तक पहुंचते हैं। प्रशासन की ओर से यात्रियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और यात्रा मार्ग पर आवश्यक व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाता है। छड़ी मुबारक यात्रा को अमरनाथ यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक परंपराओं में से एक माना जाता है। इसमें साधु-संतों और श्रद्धालुओं की विशेष भागीदारी रहती है। पवित्र छड़ी को भगवान शिव का प्रतीक मानकर पूजा की जाती है और पूरे विधि-विधान के साथ इसे गुफा तक पहुंचाया जाता है।

इस वर्ष भी यात्रा को सफल और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन, सुरक्षा बलों और धार्मिक संगठनों के बीच समन्वय किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्तरों पर तैयारियां की जा रही हैं। महंत दीपेंद्र गिरि की घोषणा के बाद अब शिव भक्तों में उत्साह बढ़ गया है। श्रद्धालु छड़ी मुबारक यात्रा में शामिल होने और बाबा बर्फानी के दर्शन करने के लिए तैयारियों में जुट गए हैं।

दिल्ली में एनसी का प्रदर्शन, उसी दिन घाटी में भाजपा खोलेगी उमर सरकार के खिलाफ मोर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर 20 जुलाई को राजनीतिक गतिविधियां तेज रहने वाली हैं। जहां नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) दिल्ली में प्रदर्शन की तैयारी कर रही है, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उसी दिन कश्मीर घाटी में उमर अब्दुल्ला सरकार के खिलाफ व्यापक आंदोलन का एलान किया है।

इस निर्णय के साथ राज्य में स्टेटहुड के मुद्दे पर सियासी टकराव और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं। भाजपा की जम्मू मुख्यालय में आयोजित बैठक में पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि उमर अब्दुल्ला सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी है। बैठक में निर्णय लिया गया कि 20 जुलाई को जब नेशनल

◆ स्टेटहुड बहाली को लेकर सियासी जंग तेज

कॉन्फ्रेंस दिल्ली में राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर प्रदर्शन करेगी, उसी दिन भाजपा कार्यकर्ता कश्मीर घाटी में सरकार की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन करेंगे। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा ने कहा कि मौजूदा सरकार भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, युवाओं से किए गए वादों और विकास जैसे अहम मुद्दों पर विफल रही है। उनका आरोप था कि दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन सरकार की इन विफलताओं से जनता का ध्यान हटाने का प्रयास है।

उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के बीच जाकर सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाएगी। बैठक में मौजूद विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने सरकारी नौकरियों में आउटसोर्सिंग नीति की आलोचना करते हुए कहा कि इससे पारदर्शी भर्ती व्यवस्था प्रभावित होगी। उनके अनुसार ऐसी व्यवस्था पक्षपात और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे सकती है तथा युवाओं के हितों के विपरीत है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्य का दर्जा बहाल करने का मुद्दा जम्मू-कश्मीर की राजनीति का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

आस्था 57 दिन की यात्रा में लगातार उमड़ रही आस्था, बड़ी संख्या में पहुंच रहे शिव भक्त

5000 से ज्यादा श्रद्धालु अमरनाथ दर्शन के लिए जम्मू से रवाना

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गुरुवार को अमरनाथ यात्रा का 15वां जत्था जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में 5,000 से अधिक श्रद्धालु शामिल रहे, जो बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए उत्साह के साथ आगे बढ़े। श्रद्धालुओं के जयकारों से पूरा बेस कैंप भक्तिमय माहौल में बदल गया। सुरक्षा बलों की निगरानी में यात्रियों को दो प्रमुख आधार शिविरों बालटाल और पहलगाम के लिए रवाना किया गया।

अधिकारियों के अनुसार, गुरुवार को रवाना हुए जत्थे में कुल 5,201 श्रद्धालु शामिल थे। इनमें 92 साधु, नौ साध्वियां, 3,970 पुरुष, 1,124 महिलाएं, पांच बच्चे और एक ट्रांसजेंडर यात्री शामिल थे। सभी

यात्रियों को सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के कड़े सुरक्षा घेरे में रवाना किया गया। यात्रियों की सुरक्षा के लिए 251 वाहनों का काफिला तैयार किया गया था, जो अलग-अलग समूहों में अपने गंतव्य की ओर बढ़ा। बालटाल मार्ग के लिए रवाना हुए काफिले में 74 वाहन शामिल थे, जिनमें 1,745 श्रद्धालु सवार थे।

यह काफिला सुबह करीब तीन बजे भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हुआ। वहीं, पहलगाम मार्ग के लिए 177 वाहनों में 3,456 श्रद्धालुओं को भेजा गया। यह काफिला सुबह साढ़े तीन बजे रवाना हुआ। प्रशासन ने यात्रा मार्ग पर सुरक्षा, चिकित्सा सुविधा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को मजबूत रखा है।

अमरनाथ यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक जम्मू बेस कैंप से 1,04,488 से अधिक श्रद्धालु कश्मीर की ओर रवाना हो चुके हैं। वहीं, 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा में अब तक 3.25 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। जत्थे की रवानगी के दौरान भगवती नगर बेस कैंप में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के जयकारे लगाए। 'बम-बम भोले', 'हर-हर महादेव' और 'जय बर्फानी बाबा की' के उद्घोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कई श्रद्धालुओं ने यात्रा के लिए की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन और सुरक्षा बलों की तैयारियों से यात्रा सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है।

ट्रक से 519 पेटी अवैध बीयर बरामद

मलारी फोरलेन टनल के पास नाकाबंदी में पकड़ी शराब की खेप, चालक नहीं दिखा सका दस्तावेज

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल प्रदेश में अवैध नशा कारोबारियों के खिलाफ चलाई गई मुहिम के तहत स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है।

एसटीएफ ने मंडी में मलारी फोरलेन टनल के पास नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक से भारी मात्रा में अवैध बीयर बरामद की है। जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई बुधवार देर रात को अमल में लाई गई। एसटीएफ की टीम ने मलारी फोरलेन टनल के समीप नाका लगा रखा था। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक ट्रक (एचपी 65ए 3114) को चेकिंग के लिए रोका गया। जब टीम ने ट्रक की तलाशी ली, तो उसमें से भारी मात्रा में बीयर की पेटियां बरामद हुईं। ट्रक की चेकिंग के दौरान कुल 519 पेटियां बीयर (मार्का किंगफिशर और टुबोर्ग) बरामद की गईं, जब एसटीएफ टीम ने ट्रक चालक से इस खेप के संबंध में वैध कागजात या परमिशन लेटर दिखाने को कहा, तो वह कोई भी दस्तावेज पेश नहीं कर सका। एसटीएफ कुल्लू के पुलिस उप-अधीक्षक (डीएसपी) हेम राज वर्मा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि दस्तावेज न होने पर एसटीएफ ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 519 बॉक्स बीयर और ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया।

इस पूरी खेप और आरोपी को आगामी कानूनी कार्रवाई के लिए सदर पुलिस थाना मंडी के सुपुर्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अवैध शराब की इतनी बड़ी खेप कहां ले जाई जा रही थी, इसका पता लगाया जा रहा है। फिलहाल, सदर थाना मंडी पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी तफ्तीश शुरू कर दी है।

सोलंगनाला में 1,200 बोतल अवैध शराब के साथ ट्रक जब्त, चालक काबू

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश में अवैध शराब और नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत मनाली पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने सोलंगनाला के समीप नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक से बिना वैध परमिट और लाइसेंस के ले जाई जा रही 'रॉयल स्टेज' ब्रांड की 1,200 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने शराब की खेप और ट्रक को कब्जे में लेकर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 15 जुलाई को मनाली पुलिस की टीम फर्स्ट स्नो गैलरी, सोलंगनाला के पास नियमित गश्त और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक ट्रक (नंबर एचपी-30बी-2006) को तलाशी के लिए रोका गया। जब पुलिस टीम ने चालक से ट्रक में लदे सामान के बारे में पूछताछ की, तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। मामले की पुष्टि करते हुए उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) मनाली, के.डी. शर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना मनाली में हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 39(1)(ए) के तहत एफआईआर संख्या 102/2026 दर्ज कर ली गई है। पुलिस अब इस बात की कड़ाई से जांच कर रही है कि शराब की यह बड़ी खेप कहां से लोड की गई थी और इसे बिना वैध अनुमति के किस ठिकाने पर पहुंचाया जाना था। इस तस्करी के पीछे जुड़े अन्य चेहरों को भी जल्द बेनकाब कर सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मुख्यमंत्री को अपनी भविष्यवाणी पर इतना भरोसा तो विधानसभा भंग कर चुनाव करवाएं: राजेंद्र राणा

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ मुख्य प्रवक्ता व पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने मुख्यमंत्री सुक्खू की 16 सीट वाली भविष्यवाणी पर पलटवार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को अपने ज्योतिष पर इतना ही भरोसा है, तो तुरंत विधानसभा भंग कर चुनाव करवाकर इसे अमल जामा पहनाकर देख लें।

दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। सर्किट हाउस हमीरपुर में मीडिया से बातचीत में राजेंद्र राणा ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश को भविष्यवाणी नहीं, डीए और रोजगार चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों में प्रदेश भर में कांग्रेस की मिट्टी पलीद हुई है। खुद मुख्यमंत्री के गृह जिला व क्षेत्र में जिला परिषद की 19 सीटों में से कांग्रेस को सिर्फ 1 सीट मिली। 16 सीट का दावा करने वाले पहले नादौन की 19 में 1 सीट का हिसाब तो दे दें, अगर इतना ही ज्योतिष जानते हैं, तो अपना जिला तो बचा लेते। नादौन की जनता ने ट्रेलर दिखा दिया है। विधानसभा चुनाव में नादौन से ही कांग्रेस के पतन की शुरुआत होगी।

राणा ने पावर प्रोजेक्टों को भ्रष्टाचार का अड्डा बताया और कहा कि स्वर्गीय विमल नेगी मामले से सरकार की बदनीयती सामने आएगी। उन पर दबाव बनाकर टॉर्चर के आरोप लगे हैं। उन्होंने पुलिस हार्मनी बैंड के इंस्पेक्टर को सस्पेंड करने पर हमला बोला और कहा कि 6000 रुपए की कमाई भी पुलिस वेलफेयर में डाल दी, लेकिन सराहना की जगह उन्हें सस्पेंड कर दिया। उन्होंने सलाह दी कि हिमाचल पुलिस को हिमाचल की पुलिस मत बनाओ। ये निष्पक्षता के लिए जानी जाती थी, अब बदले और झूठे मुकदमों के औजार के रूप में इस्तेमाल हो रही है। जो लोग आज झूठे और फर्जी मुकद्दमे करवा रहे हैं, वो अपनी बारी में सब कुछ सहने की शक्ति रखें।

न्यूज ब्रीफ

इंदौरा में स्कूल मैदान में मिला युवक का शव

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। विधानसभा क्षेत्र इंदौरा के अंतर्गत एक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मैदान में एक युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही डीएसपी इंदौरा संजीव यादव, थाना प्रभारी इंस्पेक्टर आशीष पठानिया सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार मौके पर मृतक पजामा पहने हुए था और उसके बाजू में सिरिंज लगी हुई मिली। प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि नशे की ओवरडोज के कारण उसकी मौत हुई हो सकती है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल सकेगा। मृतक की पहचान शुभम खोखर पुत्र सोमराज (30) निवासी इंदौरा के रूप में हुई है। वह कॉलेज के सामने गन्ने के जूस की रेहड़ी लगाता था। परिजनों के अनुसार बुधवार रात करीब 9:30 बजे जब वह खाना खाने बैठा था, तभी उसे किसी का फोन आया और वह बिना कमीज पहने स्कूटी लेकर घर से निकल गया। इसके बाद रातभर परिजन उसकी तलाश करते रहे, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। सुबह उसका शव मिलने की सूचना मिलने पर परिवार को घटना की जानकारी हुई। पुलिस ने मृतक का मोबाइल फोन और स्कूटी कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए नूरपुर अस्पताल भेजा गया है।

खैर के 28 मोछों समेत जीप चालक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। वन परिक्षेत्र भदरोया के अंतर्गत गांव बाड़ीखड्ड में खैर के अवैध कटान के मामले में वन विभाग और पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक जीप चालक को गिरफ्तार किया है। जीप से खैर के 28 मोछे बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार महकड़ गांव के समीप स्थानीय लोगों को सूचना मिली थी कि खैर माफिया के लोग अवैध रूप से खैर के पेड़ काटकर जीप में ले जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने जीप का पीछा किया। इस दौरान चालक ने तेज रफ्तार से भागने का प्रयास किया, लेकिन लोगों ने काफी मशक्कत के बाद जीप को रोक लिया और इसकी सूचना ग्राम प्रधान को दी। प्रधान ने मामले की जानकारी एसपी नूरपुर और वन परिक्षेत्र अधिकारी भदरोया अब्दुल हमीद को दी। सूचना मिलते ही सीआईए टीम नूरपुर और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पता चला कि जीप आकाशदीप उर्फ दीपू इंदौरा की है, जिस पर पहले भी अवैध कटान के मामले दर्ज हैं। जीप चालक सनी के खिलाफ भी वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज बताया गया है। मामले में थाना डमटाल में केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वन विभाग अब यह पता लगाने में जुटा है कि खैर के पेड़ कहां से काटे गए थे।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने बस दुर्घटना में तीन लोगों के निधन पर शोक व्यक्त किया

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र के गारटोला में बस दुर्घटना में तीन लोगों के निधन पर शोक व्यक्त किया है। इस दुर्घटना में घायल 21 लोग उपचाराधीन हैं। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को मृतकों के परिजनों को तत्काल राहत प्रदान करने तथा घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना तथा शोकाकुल परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

भाजपा ने पुराने कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला हमीरपुर ने भोरंज क्षेत्र के 80 व 90 के दशक के समर्पित वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का घर-घर जाकर सम्मान किया। इस अभियान के माध्यम से उन कार्यकर्ताओं के योगदान और संघर्ष को याद किया गया, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में पूर्व विधायक डॉ. अनिल धीमान, प्रदेश महिला मोर्चा महामंत्री व पूर्व विधायक कमलेश कुमारी, भोरंज मंडल अध्यक्ष अशोक ठाकुर सहित भाजपा पदाधिकारियों ने रुठवाणी, पट्टा व लठवां गांवों में पहुंचकर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं अश्वनी कुमार, जोगिंदर मल्होत्रा, देवराम, सत्या देवी, प्यार चंद सहित अन्य कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया। राकेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा की मजबूत संगठनात्मक नींव इन्हीं समर्पित कार्यकर्ताओं के त्याग और परिश्रम से तैयार हुई है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान संगठन का नैतिक दायित्व है और उनके अनुभव नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने संगठन के शुरुआती दौर के संघर्ष और अनुभव साझा किए। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग बना रोजगार का मजबूत विकल्प

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करने वाले छात्रों ने प्लेसमेंट के क्षेत्र में नया रिकॉर्ड बनाया है। वर्ष 2026 में पास आउट होने वाले छात्रों को अब तक 21 कंपनियों की ओर से कुल 195 नौकरी के प्रस्ताव मिल चुके हैं। इनमें से 172 ऑफर 2.5 लाख से 5 लाख रुपए वार्षिक पैकेज के बीच हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग का कोर्स प्रदेश के सात सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों हमीरपुर, कांगड़ा, सुंदरनगर, बिलासपुर (कलोल), प्रागतिनगर (शिमला), पांवटा साहिब और किन्नौर स्थित संस्थानों में संचालित हो रहा है। इस वर्ष मारुति सुजुकी, सीजी पावर, टीवीएस मोटर्स, सुजुकी मोटर्स, एलएंडटी, गोदरेज एंड बॉयस, महिंद्रा स्वराज, डॉ. रेड्डीज सहित कई प्रतिष्ठित कंपनियों ने छात्रों को रोजगार के अवसर दिए हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष अरविंद कटोच ने बताया कि छात्रों के लिए संयुक्त कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जाती है, जिसमें प्रदेश के सभी सात पॉलिटेक्निक संस्थानों के पात्र छात्रों को अवसर मिलता है। उन्होंने बताया कि राजकीय पॉलिटेक्निक हमीरपुर में इस वर्ष 12 से अधिक राज्य स्तरीय प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की गईं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्रों को रोजगार मिला। उन्होंने कहा कि उद्योगों में मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिप्लोमा धारकों की मांग लगातार बढ़ रही है। कई कंपनियां छात्रों की कमी के कारण बिना भर्ती के लौट रही हैं।

हिमाचल में जनगणना का पहला चरण पूरा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जनगणना कार्य निदेशालय, हिमाचल प्रदेश द्वारा संचालित जनगणना का प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) 15 जुलाई को सफलतापूर्वक पूरा हो गया। 16 जून से शुरू हुए इस एक माह के अभियान में डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर तेज और सटीक तरीके से आंकड़े एकत्र किए गए। इस चरण की प्रमुख उपलब्धि स्व-गणना विकल्प की सफलता रही, जिसमें प्रदेश के नागरिकों ने डिजिटल सुविधा का उपयोग करते हुए स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई। जनगणना निदेशालय ने बताया कि अभियान को सफल बनाने में उपायुक्तों, नगर निगम आयुक्तों, तहसीलदारों, वरिष्ठ जनगणना अधिकारियों, प्रशिक्षकों, प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद फील्ड स्टाफ ने घर-घर जाकर डेटा संकलित किया। निदेशालय ने इस राष्ट्रीय अभियान की सफलता के लिए प्रदेशवासियों, प्रशासनिक अधिकारियों, फील्ड कर्मियों और मीडिया के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

कैंसर, पीसीओएस व डायबिटीज पर किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में जेंडर इक्विटी सेल की ओर से छात्राओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एमबीबीएस डॉ. वंशिका ने मुख्य वक्ता के रूप में छात्राओं को महिलाओं में होने वाली विभिन्न बीमारियों, उनके कारणों और बचाव के उपायों की जानकारी दी। डॉ. वंशिका ने गर्भाशय ग्रीवा कैंसर और स्तन कैंसर जैसे गंभीर रोगों के शुरुआती लक्षणों की पहचान, नियमित जांच और समय पर उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने डायबिटीज, पीसीओएस और अन्य जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के कारणों पर चर्चा करते हुए कहा कि अनियमित दिनचर्या, असंतुलित खान-पान और तनाव इन समस्याओं को बढ़ा सकते हैं। कार्यक्रम में छात्राओं ने स्वास्थ्य संबंधी सवाल पूछे, जिनका डॉ. वंशिका ने विस्तार से उत्तर दिया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्राओं के स्वास्थ्य और जागरूकता के लिए आवश्यक हैं। कार्यक्रम में बीबीए, बीसीए और बायोटेक विभाग की करीब 100 छात्राओं ने भाग लिया।

जीडीएच इंडस्ट्रीज बसाल में भरे जाएंगे 56 पद, साक्षात्कार 18 को

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। मैसर्ज जीडीएच इंडस्ट्रीज बसाल में 56 पद विभिन्न श्रेणी में भरे जाएंगे। इन पदों के लिए साक्षात्कार 18 जुलाई को सुबह 10.30 बजे जिला रोजगार कार्यालय ऊना में लिया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी, ऊना अक्षय शर्मा ने बताया कि जीडीएच इंडस्ट्रीज बसाल में प्लांट हेल्पर के 10 पद, टूल रूम वर्कर के 15, फरनेस हेल्पर के 15, सुपरवाइजर के 3, प्रेस ऑप्रेटर के 4, फरनास ऑप्रेटर के 2, टेबल ऑप्रेटर के 2 और टूल एंड डाई ऑप्रेटर के 5 पद भरे जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्लांट हेल्पर, प्रेस ऑप्रेटर, फरनास ऑप्रेटर, टेबल ऑप्रेटर एवं टूल एंड डाई ऑप्रेटर पदों के लिए 10वीं निर्धारित की गई है। टूल रूम वर्कर के लिए 10वीं और आईटीआई निर्धारित की गई है। इन सभी पदों के लिए आयु सीमा 18 से 35 वर्ष तथा वेतन सरकारी मानदंडों के अनुसार दिया जाएगा।

कांगड़ा घाटी रेल सेवा अब सप्ताह के सातों दिन दौड़ेगी, शुक्रवार का मेंटेनेंस ब्रेक खत्म

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट-जोगिंद्रनगर के बीच चलने वाली ऐतिहासिक कांगड़ा घाटी रेल सेवा अब सप्ताह के सातों दिन सुचारू रूप से चलेगी। रेलवे प्रशासन ने शुक्रवार को ट्रैक मेंटेनेंस के नाम पर होने वाले साप्ताहिक बंद को समाप्त करने का फैसला लिया है। यह निर्णय कांगड़ा सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज के हस्तक्षेप और रेलवे बोर्ड के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया।

वर्ष 2023 में आई प्राकृतिक आपदा के दौरान चक्की रेलवे पुल क्षतिग्रस्त होने से यह रेल सेवा लंबे समय तक बंद रही थी। करीब 43 महीने बाद 2 जून 2026 से सेवा बहाल हुई, लेकिन इसके बाद प्रत्येक शुक्रवार को मेंटेनेंस के कारण ट्रेन संचालन रोक दिया जाता था। इससे यात्रियों, पर्यटकों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। रेल सेवा के सातों दिन उपलब्ध होने से कांगड़ा घाटी में पर्यटन, व्यापार और दैनिक आवागमन को बढ़ावा मिलेगा। पंजाब, दिल्ली और अन्य राज्यों से आने वाले पर्यटक अब शुक्रवार को भी पठानकोट से धर्मशाला, मैक्लोडगंज, पालमपुर, बैजनाथ और बीड़-बिलिंग जैसे पर्यटन स्थलों तक कम खर्च में पहुंच सकेंगे। स्थानीय व्यापारियों, छोटे दुकानदारों और होटल कारोबारियों को भी इसका लाभ मिलेगा। वहीं नौकरीपेशा लोगों, छात्रों, बुजुर्गों और मरीजों के लिए यह सेवा राहत साबित होगी। सड़क मार्ग के ट्रैफिक और महंगे परिवहन विकल्पों से यात्रियों को राहत मिलेगी। रेलवे के इस फैसले से कांगड़ा घाटी की लाइफलाइन कही जाने वाली नैरोगेज रेल सेवा क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति देगी।

हमीरपुर शहर अंडरग्राउंड केबलिंग सिस्टम के लिए राशि जारी

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर शहर में फैले बिजली के तारों के जाल से अब लोगों को छुटकारा मिल जाएगा। शहर में ओवरहेड यानी खंभों पर लटके तार दिखाई नहीं देंगे। 20 करोड़ की लागत से शहर में अंडरग्राउंड केबल डाली जाएंगी, इसके राशि भी जारी कर दी है। इसका टेंडर हो गया है। भोरंज के विधायक सुरेश कुमार ने वीरवार को मीडिया से बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शहर में सुधार के लिए मुख्यमंत्री ने इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी है। बिजली बोर्ड के अधिकारियों ने इस योजना के तहत जो एस्टीमेट बनाकर सरकार को सौंपा था, उसे ओके कर दिया गया था और अब इसका टेंडर भी हो गया है। उन्होंने कहा कि तारों का जाल तो खत्म होगा ही शहर के तमाम ट्रांसफार्मर भी अपग्रेड होने वाले हैं, ताकि किसी भी इलाके में बिजली की समस्या नहीं रहेगी। सुरेश कुमार ने कहा कि बिजली की व्यवस्था को जब सुधार दिया जाएगा, तो शहर वासियों को काफी राहत मिलेगी। यह शहर सुंदर भी लगेगा। हमीरपुर में जिस बड़े बस अड्डे का निर्माण हो रहा है, वह हमीरपुर की शान बनेगा।

93 करोड़ रुपए से पेयजल योजना गर्मियों तक

भोरंज विधानसभा क्षेत्र के एक बड़े इलाके के लिए गोविंद सागर झील से 93 करोड़ की लागत वाली नई उठाऊ पेयजल योजना का टेंडर अवार्ड कर दिया गया है। पट्टा से मुंडखर तक के इलाके को इस योजना का फायदा होगा। सीधी पाइपलाइन गोबिंद सागर झील से इस इलाके में पहुंचेगी व इस बड़ी योजना के तहत कई टैंक भी बनाए जा रहे हैं। निश्चित रूप में यदि इस योजना पर पैसे की और जरूर हुई, तो मुख्यमंत्री ने इसके लिए भरोसा दिलाया है। उन्होंने यह बात साफ तौर पर कही है कि अगली गर्मियों में यानी मई महीने तक योजना का पानी लोगों के नलों में आना शुरू हो जाएगा। मुंडखर तक का इलाका पीने के पानी की समस्या से जूझता रहता है।

भोरंज की सड़कों को मिलेगा नया रूप

भोरंज विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए सुरेश कुमार ने कहा कि इलाके की लगभग तमाम सड़कों को टू-लेन टाइप बनाने का काम जारी है और बहुत जल्दी यह सारी सड़कें बेहतर हो जाएंगी। भोरंज में बस अड्डे का निर्माण हो गया है। कई छोटी-छोटी लेकिन बहुत जरूरी समस्याएं हल हुई हैं। क्रिटिकल केयर यूनिट भोरंज के अस्पताल में स्थापित हो रहा है और अगले कुछ दिनों में यह लोगों के लिए समर्पित हो जाएगा। मुख्यमंत्री इसका उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने जिस बड़े स्तर पर हमीरपुर जिला में विकास कार्य को गति दी हुई है। अब लोगों का यह दायित्व बनता है कि आने वाले समय में लोग मुख्यमंत्री का साथ दें, क्योंकि इन्हीं कार्यों के बूते मुखिया का काम करवाने का हौंसला बढ़ाया जाता है। इस पर अब लोगों की परीक्षा भी होगी।

◆ **93 करोड़ की पेयजल योजना, पट्टा से मुंडखर तक समस्या होगी हल**

गरीब व जरूरतमंद परिवारों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार संवेदनशील : कमलेश

भारतेन्दु संवाददाता, देहरा। समाज के जरूरतमंद व आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत प्रदान करने की दिशा में मिनी सचिवालय देहरा में विधायक कमलेश ठाकुा की अध्यक्षता में चेक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री राहत कोष के अंतर्गत 35 जरूरतमंद लाभार्थियों को लगभग 8 लाख 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि के चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गरीब, जरूरतमंद, तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का एकमात्र ध्येय यह है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से पहुंचे तथा कोई भी पात्र लाभार्थी सरकारी सहायता से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक सहायता केवल एक चेक नहीं, बल्कि जरूरतमंद परिवारों के जीवन में आशा, आत्मविश्वास और संबल का माध्यम है।

सरकार का लक्ष्य लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना तथा कठिन परिस्थितियों में उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्रदान की जा रही यह आर्थिक सहायता जरूरतमंद परिवारों के लिए संबल का कार्य करेगी तथा उनके जीवन स्तर में सुधार लाने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने लोगों से प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया।

शराब के नशे में धुत्त बेटे ने बाप को पीट-पीट कर मार डाला

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। शराब के नशे में एक बेटे ने अपने ही बाप को मौत के घाट उतार दिया। यह घटना बडैहर गांव की है। बुधवार देर रात बडैहर गांव में हुई इस वारदात ने पूरे क्षेत्र को हिला कर रख दिया है। हालांकि, पुलिस ने आरोपी बेटे व उसकी मां को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि जमीन अपने नाम करवाने को लेकर रत्न चंद और उसके बेटे के बीच बहस बाजी शुरू हुई थी, जिसके चलते बेटे ने अपने पिता से मारपीट की और उसकी मौत हो गई।

बता दें कि थाना भोरंज के बडैहर गांव में बाप-बेटे की लड़ाई में बाप की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। यह घटना बीते बुधवार रात्रि करीब 11:15 बजे की है। जानकारी के अनुसार मृतक रत्न चंद (65) और उसके बेटे विजय कुमार (32) जोकि बिजली विभाग में टी मेट के पद पर सेवारत है उसके बीच शराब के नशे में बहस बाजी हुई है, जो कि बाद में मारपीट में बदल गई, जिससे विजय कुमार ने अपने पिता रत्न चंद को हाथ से पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया है। मृतक रत्न चंद के मुंह को बुरी तरह से पीटा गया है, जिससे नाक, मुंह से खून निकल गया है, जिससे घटना स्थल पर ही रत्न चंद की मौत हो गई।

इस घटना की सूचना मृतक रत्न चंद के टैक्सी चालक अजय कुमार ने जाहू पुलिस चौकी को दी तथा शिकायत दर्ज करवाई है, जिससे पुलिस कर्मचारी घटना स्थल पर पहुंची और आरोपी को पकड़ कर गिरफ्तार किया। यह भी पता चला है कि आरोपी पूछताछ में रत्न चंद के गिरने की बात कह रहा था, लेकिन भोरंज थाना में हुई पूछताछ के दौरान अपना गुनाह कबूल कर लिया है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर परिवारजनों को सौंप दिया है। हमीरपुर डीएसपी लालमन शर्मा व बिलासपुर जिला की फॉरेंसिक टीम ने भी बडैहर में पहुंचकर साक्ष्य जुटाए है और परिवारजनों के पूछताछ की है। बडैहर पंचायत उपप्रधान विजय डोगरा का कहना है कि यह शर्मसार करने वाली घटना है। मृतक रत्न चंद का विजय कुमार इकलौता बेटा है और एक बेटी है, जिसकी शादी हो गई है। रत्च चंद टैंपू भी चलाता था। डीएसपी लालमन शर्मा का कहना है कि भोरंज थाना में हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी बेटे का भोरंज सिविल अस्पताल में मेडिकल करवा कर गिरफ्तार कर लिया है तथा मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

क्या कहते हैं पुलिस अधीक्षक हमीरपुर

पुलिस अधीक्षक हमीरपुर बलवीर सिंह ने कहा कि रत्न चंद की हत्या में शामिल उसके बेटे विजय कुमार व उसकी मां को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है।

◆ **पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर बेटे और मां को किया गिरफ्तार**

◆ **बिलासपुर फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल पर पहुंच कर जुटाए साक्ष्य**

टेट प्रभावित शिक्षकों ने गठित किया प्रदेश स्तरीय मोर्चा

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। टेट प्रभावित शिक्षकों ने सेवारत अध्यापकों पर टेट की अनिवार्यता लागू करने के विरोध में प्रदेश स्तरीय मोर्चा गठित किया है। मोर्चा के सदस्यों का कहना है कि वर्षों से विद्यालयों में सेवाएं दे रहे शिक्षकों पर नई शर्तें थोपना उनके अनुभव और कार्यक्षमता पर सवाल उठाने जैसा है। मोर्चा ने मांग की है कि यदि सरकार सेवारत शिक्षकों के लिए स्पेशल टेट आयोजित करती है, तो उसका स्वरूप व्यावहारिक, न्यायसंगत और शिक्षक हितैषी होना चाहिए। इसमें केवल सेवारत शिक्षक होना न्यूनतम योग्यता मानी जाए तथा उच्च शिक्षा, अंक प्रतिशतता और अनुभव के आधार पर आवश्यक छूट दी जाए। टेट प्रभावित शिक्षक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष नरेश ठाकुर ने कहा कि विभागीय सेवा और शिक्षण अनुभव को ध्यान में रखते हुए उत्तीर्णांक में भी रियायत दी जानी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से आग्रह किया कि विधानसभा में अध्यादेश लाकर इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि शिक्षकों की नौकरी पर संकट न आए।

भ्रमण अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर विजिट से प्रशिक्षुओं को मिली वैश्विक कार्य संस्कृति की जानकारी

वैश्विक अनुभव से कौशल विकास को मिलेगी नई दिशा: धर्माणी

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक व औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर विजिट के तहत प्रदेश के विभिन्न राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) से चयनित 30 प्रशिक्षुओं ने कजाकिस्तान के अल्माटी में आधुनिक उद्योगों, वैश्विक शिक्षा प्रणाली व नवाचार से जुड़े संस्थानों का भ्रमण कर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी कर रहे हैं। उनके साथ तकनीकी शिक्षा निदेशक रोहित राठौर भी मौजूद हैं।

14 जुलाई को प्रतिनिधिमंडल ने समाल वाटर बॉटलिंग प्लांट का दौरा किया, जहां प्रशिक्षुओं ने जल शुद्धिकरण, स्वचालित बोतल निर्माण, भराई, पैकेजिंग, गुणवत्ता नियंत्रण और खाद्य सुरक्षा मानकों की आधुनिक प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। इसके बाद राखात चॉकलेट फैक्टरी में चॉकलेट निर्माण, पैकेजिंग, गुणवत्ता प्रबंधन तथा बड़े पैमाने पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की कार्यप्रणाली को समझा। प्रशिक्षुओं ने ग्रीन मार्केट का भी भ्रमण किया, जहां स्थानीय कृषि उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक खाद्य पदार्थों और बाजार प्रबंधन प्रणाली का अध्ययन कर उद्यमिता और स्थानीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं की जानकारी हासिल की। इसके उपरांत एसेंटाई नदी क्षेत्र का भ्रमण कर शहरी विकास, पर्यावरण संरक्षण, जल संसाधन प्रबंधन तथा सार्वजनिक पर्यटन स्थलों के रखरखाव की आधुनिक व्यवस्थाओं को करीब से देखा। 15 जुलाई को हॉलिडे इन, अल्माटी में आयोजित तकनीकी सत्र में होटल के सर्विस इंजीनियर ने आधुनिक होटल की जल आपूर्ति एवं शुद्धिकरण प्रणाली, केंद्रीय हीटिंग, प्लंबिंग नेटवर्क, एचवीएसी ऊर्जा प्रबंधन तथा मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल एवं प्लंबिंग (एमईपी) सेवाओं के समन्वित संचालन की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षुओं ने जाना कि आधुनिक होटल उद्योग में इंजीनियरिंग सेवाएं उत्कृष्ट अतिथि सेवाओं की आधारशिला होती हैं। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने शिंबुलाक माउंटेन रिजॉर्ट और केबल कार प्रणाली का निरीक्षण किया। यहां ऑपरेशन मैनेजर ने केबल कार के संचालन, नियंत्रण प्रणाली, सुरक्षा मानकों, नियमित रखरखाव, आपदा प्रबंधन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनाई जाने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं की जानकारी दी। वहीं प्रो. अलीशेर कादिरोव ने कजाकिस्तान की उच्च शिक्षा प्रणाली में हुए सुधारों, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी साझा की। अल्माटी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी की प्रो. सदिकोवा नरगिजा अलालदीनकिजी ने जैव प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक अनुसंधान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, इंडस्ट्री 4.0, ग्रीन केमिस्ट्री और सतत औद्योगिक विकास के क्षेत्र में कजाकिस्तान की उपलब्धियों से प्रशिक्षुओं को अवगत कराया। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर कार्यक्रम का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश के आईटीआई प्रशिक्षुओं को वैश्विक औद्योगिक प्रक्रियाओं, आधुनिक तकनीकों, अनुसंधान, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय कार्य संस्कृति से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि ऐसे अध्ययन भ्रमण युवाओं में नवाचार, गुणवत्ता, अनुशासन, आत्मविश्वास और वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अंगदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा, नर्सिंग छात्राओं को दी कानूनी प्रक्रिया की जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राज्य अंग व ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (सोटो) हिमाचल प्रदेश ने 'अंगदान जीवन संजीवनी अभियान' के तहत मंडी स्थित नैना नर्सिंग कॉलेज में अंगदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नर्सिंग छात्राओं को अंगदान के महत्व, प्रक्रिया और कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर उन्हें समाज में जागरूकता का सशक्त माध्यम बनाना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. कम्मू वर्मा ने किया। उन्होंने स्वयं अंगदान की शपथ लेते हुए छात्राओं को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अंगदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है व इससे कई जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने छात्राओं से अपने परिवार और समाज में भी अंगदान का संदेश पहुंचाने का आह्वान किया। सोटो हिमाचल प्रदेश की आईईसी/मीडिया कंसल्टेंट रमेश्वरी ठाकुर ने पावर प्वॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से अंगदान एवं ऊतकदान की प्रक्रिया, ब्रेन स्टेम डेथ की अवधारणा, कानूनी प्रावधान, पात्रता और इससे जुड़ी भ्रांतियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक मृत अंगदाता कई लोगों को जीवनदान दे सकता है और समाज में अंगदान को लेकर सकारात्मक सोच विकसित करना समय की आवश्यकता है। सोटो के ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर नरेश कुमार ने कहा कि अस्पतालों में मरीजों और उनके परिजनों के सबसे निकट नर्सिंग स्टाफ रहता है। ऐसे में नर्सें संभावित अंगदाताओं के परिवारों को सही जानकारी देकर अंगदान की प्रक्रिया को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने छात्राओं से स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ अंगदान जागरूकता अभियान से भी सक्रिय रूप से जुड़ने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने विशेषज्ञों से अंगदान संबंधी विभिन्न प्रश्न पूछे।

रोंडा राउजी की दुनिया दीवानी

नई दिल्ली। रोंडा राउजी अमेरिका की एक प्रसिद्ध खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 1 फरवरी 1987 को हुआ था। वह यूएफसी की पूर्व महिला बैंटमवेट चैंपियन और ओलंपिक पदक विजेता जुडो खिलाड़ी रह चुकी हैं। उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई में भी अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

स्पोर्ट्स विंडो

एशियाई खेलों के लिए तैयार है राइफल शूटर सोनम मस्कर

एजेंसी, नई दिल्ली। कभी शौकिया तौर पर निशानेबाजी शुरू करने वाली कोल्हापुर की 23 वर्षीय सोनम उत्तम मस्कर अब एशियाई खेलों में भारत के लिए पदक जीतने के लक्ष्य के साथ तैयार हैं। 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाज सोनम ने 2024 में तीन रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। इनमें नई दिल्ली में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल का रजत पदक सबसे खास रहा। अब उनकी नजर 20 जुलाई से हांगझोऊ में शुरू होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप और सितंबर-अक्टूबर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों पर है। सोनम ने बताया कि उन्हें बचपन से खेलों का शौक था। शतरंज खेलने के साथ उन्होंने 2018 में मुंबई में पढ़ाई के दौरान पहली बार राइफल उठाई। कोविड-19 महामारी और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने 2021 में कोल्हापुर शूटिंग रेंज में दोबारा गंभीरता से प्रशिक्षण शुरू किया। उन्होंने कहा कि जब अपने उपकरण खरीदने की जरूरत पड़ी तो उनके पिता ने आर्थिक तंगी के बावजूद संपत्ति बेचने का बड़ा फैसला लिया। परिवार के इसी समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ने का हौसला दिया। सोनम ने कहा, 'दिल्ली विश्व कप फाइनल का रजत पदक मेरे करियर का सबसे यादगार पल है। घरेलू दर्शकों के सामने पोडियम पर खड़ा होना अविस्मरणीय अनुभव था।' विदेशी कोच फर्निक थॉमस और भारतीय कोचिंग स्टाफ की देखरेख में तैयारी कर रहीं सोनम ने कहा कि उनका पूरा फोकस एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर है।

टेस्ट से संन्यास लेने के बाद डरहम के लिए काउंटी क्रिकेट खेलेंगे स्टोक्स

एजेंसी, लंदन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद बेन स्टोक्स मंगलवार को अपनी घरेलू काउंटी टीम डरहम के लिए मैदान में वापसी करेंगे। स्टोक्स 21 जुलाई से शुरू होने वाले घरेलू वनडे कप में डर्बीशायर के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगे। वह डरहम के लिए खेलेंगे और फिटनेस ठीक रहने पर 50 ओवर के मेट्रो बैंक कप और काउंटी चैंपियनशिप सीजन के बाकी सभी मैचों के लिए वह उपलब्ध रहेंगे। उनकी शुरुआत अगले सप्ताह डर्बीशायर के खिलाफ होने वाले मैच से हो सकती है। स्टोक्स को लेकर डरहम के मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने कहा, 'वह अब एक संन्यास ले चुके टेस्ट सुपरस्टार हैं, लेकिन उन्होंने डरहम के क्रिकेटर के रूप में अपनी ड्यूटी ज्वाइन कर ली है। वह ट्रेनिंग करना शुरू कर चुके हैं और हमारे लिए सभी मैच खेलने को देखेंगे। जाहिर है कि हमें उनके वर्कलोड का ध्यान रखना होगा। उन्होंने काफी क्रिकेट खेली है, इसलिए हमें उनकी देखभाल करनी होगी। लेकिन फिलहाल वह उपास आ गए हैं और हम उन्हें टीम में पाकर बेहद उत्साहित हैं।'

हान यू को हराकर पीवी सिंधु जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी, टोक्यो। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने वीरवार को महिला एकल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन की हान यू को हराकर जापान ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। आज यहां टोक्यो मेट्रोपोलिटन जिम्नेजियम में खेले गए मुकाबले में बैडमिंटन रैंकिंग में अभी 10वें नंबर पर मौजूद पीवी सिंधु ने चीन की दुनिया की नंबर 5 खिलाड़ी हान यू को मात्र 35 मिनट में 21-16, 21-14 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। यह भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी शुक्रवार को बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए स्थानीय पसंदीदा और पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजोमी ओकुहारा का सामना करेंगी। ओकुहारा तब आगे बढ़ीं जब दक्षिण कोरिया की टॉप सीड एन से-यंग अपने दूसरे राउंड के मैच से हट गईं।

वेस्टइंडीज ने आयरलैंड को 64 रन से हराकर 3-0 से जीती सीरीज

एजेंसी, ब्रेडी। स्टेफनी टेलर के शानदार शतक और करिश्मा रामहरक व एफी फ्लेचर की घातक गेंदबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज महिला टीम ने तीसरे वनडे में आयरलैंड को 64 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 257 रन बनाए। स्टेफनी टेलर ने 105 रन की बेहतरीन पारी खेली और अपने वनडे करियर का 10वां शतक जड़ा। पिछले दो मैचों में यह उनका दूसरा शतक रहा। हालांकि उनके अलावा शीर्ष क्रम का कोई भी बल्लेबाज 30 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। आयरलैंड ने 31 अतिरिक्त रन दिए, जिनमें 27 वाइड शामिल रहीं। टेलर ने अपनी पारी में 10 चौके लगाए और इसी मुकाबले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने की ऐतिहासिक उपलब्धि भी हासिल की। उनका 10वां वनडे शतक उन्हें नेट साइवर-ब्रंट की बराबरी पर ले आया। 257 रन के लक्ष्य का पीछा करते उतरी आयरलैंड की टीम वेस्टइंडीज के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। करिश्मा रामहरक और एफी फ्लेचर ने तीन-तीन विकेट लेकर आयरलैंड की पारी समेट दी और वेस्टइंडीज को 64 रन की जीत दिलाई। इससे मेहमान टीम ने सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप पूरा किया।

फीफा विश्व कप: इंग्लैंड को सेमीफाइनल में 2-1 से हराया

अर्जेंटीना फिर फाइनल में, स्पने से होगी भिड़ंत

एजेंसी, अटलांटा

लियोनेल मेसी के शानदार खेल और आखिरी मिनटों में किए गए दो असिस्ट की बदौलत अर्जेंटीना ने फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में बुधवार को इंग्लैंड को 2–1 से हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बना ली। अब 19 जुलाई को होने वाले खिताबी मुकाबले में अर्जेंटीना का सामना स्पेन से होगा।

इंग्लैंड ने मैच के 55वें मिनट में एंथनी गॉर्डन के गोल की बदौलत बढ़त बना ली थी। ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड 1966 के बाद पहली बार विश्व कप फाइनल में पहुंचेगा, लेकिन अंतिम पांच मिनट में मेसी के जादू ने मुकाबले का रुख पलट दिया।

मैच के 85वें मिनट में लियोनेल मेसी ने कॉर्नर से खेल की शुरुआत करते हुए गेंद वापस ली और मिडफील्ड में मौजूद एंजो फर्नांडिज को शानदार पास दिया। फर्नांडिज ने करीब 25 गज की दूरी से बेहतरीन कर्लिंग शॉट लगाकर गोल दागा और मुकाबला 1–1 से बराबर कर दिया। इसके बाद अतिरिक्त समय के दूसरे मिनट में मेसी ने एक सटीक क्रॉस बॉक्स में पहुंचाया, जहां लाउटारो मार्टिनेज ने दो डिफेंडरों के बीच से निकलकर शानदार हेडर के जरिए विजयी गोल कर अर्जेंटीना को 2–1 की यादगार जीत दिला दी।

जीत के साथ अर्जेंटीना ने लगातार दूसरी बार विश्व कप फाइनल में जगह बनाई है। अब टीम के पास ब्राजील (1958 और 1962) के बाद लगातार दो विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बनने का सुनहरा मौका होगा। वहीं इंग्लैंड का 60 साल बाद विश्व कप फाइनल खेलने का सपना टूट गया।

गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी आगे

लियोनेल मेसी इस मुकाबले में गोल नहीं कर सके, लेकिन उनके दो असिस्ट ने उन्हें गोल्डन बूट की दौड़ में बढ़त दिला दी। मेसी और फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे दोनों के नाम इस विश्व कप में 8-8 गोल हैं, लेकिन मेसी के नाम अधिक असिस्ट होने के कारण वह फिलहाल शीर्ष पर पहुंच गए हैं। मेसी विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा 21 गोल करने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। हालांकि, उनकी नजर अब व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा अर्जेंटीना को एक और विश्व कप खिताब दिलाने पर है। अब अर्जेंटीना विश्व चैंपियन बनने से सिर्फ एक जीत दूर है।

अर्जेंटीना से हार के बाद बोले हैरी केन-

यह मेरा आखिरी विश्व कप है या नहीं, कहना जल्दबाजी

एजेंसी, अटलांटा

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने अर्जेंटीना के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में 2–1 की हार के बाद कहा कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि यह उनका आखिरी विश्व कप था या नहीं। उन्होंने माना कि एक बार फिर टीम उसी तरह हार गई, जैसी पिछले बड़े टूर्नामेंटों में हारती रही है। इंग्लैंड ने 55वें मिनट में एंथनी गॉर्डन के गोल से बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद टीम रक्षात्मक हो गई। अर्जेंटीना ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए 85वें मिनट में एंजो फर्नांडिज के जरिए बराबरी की और फिर इंजरी टाइम में लाउटारो मार्टिनेज ने लियोनेल मेसी के क्रॉस पर विजयी गोल दाग दिया।

मैच के बाद केन ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह वही कहानी है, जो पिछले बड़े टूर्नामेंटों में भी देखने को मिली। करीब 60 मिनट तक हमने मैच की गति पर शानदार नियंत्रण रखा। हमने गोल किया और बढ़त हासिल कर ली।'

उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन फिर किसी न किसी वजह से हम गेंद पर नियंत्रण बनाए नहीं रख सके। हम गेंद पर दबाव भी नहीं बना पाए, जिससे अर्जेंटीना को लगातार आक्रमण करने का मौका मिला और उसने हमारे पेनाल्टी क्षेत्र में दबाव बढ़ा दिया।' केन ने माना कि बढ़त मिलने के बाद टीम का रवैया बदल गया। उन्होंने कहा, 'एक गोल की बढ़त बचाने की मानसिकता सामान्य होती है, लेकिन तब भी मुकाबले में करीब 20 मिनट बाकी थे। इतने समय में विपक्षी टीम गोल कर सकती है। हमें मैच का वीडियो देखकर समझना होगा कि ऐसी परिस्थितियों में हम क्या बेहतर कर सकते थे। पिछले चार बड़े टूर्नामेंटों में यही हमारी सबसे बड़ी कमी रही है।' अगला विश्व कप होने तक केन 36 वर्ष के हो जाएंगे। हालांकि, उन्होंने अपने भविष्य को लेकर कोई फैसला लेने से इनकार कर दिया।

इंग्लैंड के कोच बने रहेंगे थॉमस

एजेंसी, अटलांटा

फीफा विश्व कप–2026 के सेमीफाइनल में अर्जेंटीना से 2–1 की हार के बावजूद इंग्लैंड के मुख्य कोच थॉमस ट्यूखल ने साफ कर दिया है कि वह टीम के साथ बने रहेंगे और यूरो 2028 तक इंग्लैंड के कोच की जिम्मेदारी निभाएंगे। उन्होंने अर्जेंटीना के खिलाफ अपनाई गई अपनी रणनीति का भी बचाव किया। विश्व कप शुरू होने से पहले ही ट्यूखल ने फुटबॉल एसोसिएशन (एफए) के साथ अपने अनुबंध का विस्तार कर लिया था, जो उन्हें यूरो 2028 तक इंग्लैंड का मुख्य कोच बनाए रखेगा। मैच के बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या वह आगे भी टीम के साथ बने रहेंगे, तो ट्यूखल ने कहा, 'सबसे पहले तो विश्व कप अभी खत्म नहीं हुआ है। हमारे सामने तीसरे स्थान का एक मुकाबला बाकी है। भले ही हम उस मैच का बेसब्री से इंतजार नहीं कर रहे हों, लेकिन वह मैच खेलना है। उसके बाद हम आगे बढ़ेंगे। मेरा अनुबंध घरेलू यूरो 2028 तक है और मैं अभी भी उस टूर्नामेंट का इंतजार कर रहा हूं, भले ही इस समय आगे देखना थोड़ा मुश्किल हो।' ईएसपीएन की रिपोर्ट के मुताबिक, विश्व कप सेमीफाइनल में हार के बावजूद इंग्लैंड फुटबॉल एसोसिएशन का भरोसा ट्यूखल पर कायम है और वह यूरो 2028 तक टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे।

रणनीति पर उठे सवाल ट्यूखल ने दिया जवाब

इंग्लैंड ने 55वें मिनट में एंथनी गॉर्डन के गोल से बढ़त बना ली थी, लेकिन अंतिम मिनटों में अर्जेंटीना ने जोरदार वापसी करते हुए मैच 2–1 से अपने नाम कर लिया। मैच के आखिरी चरण में इंग्लैंड की टीम रक्षात्मक होती गई और अर्जेंटीना ने लगातार दबाव बनाकर दो गोल दाग दिए। मुख्य कोच थॉमस ट्यूखल ने 82वें मिनट में रीस जेम्स की जगह डैन बर्न और डेक्लन राइस की जगह निको ओ'राइली को उतारा। हालांकि, इन बदलावों के बाद इंग्लैंड गेंद पर नियंत्रण बनाए नहीं रख सका। गॉर्डन के गोल से लेकर अर्जेंटीना के विजयी गोल तक इंग्लैंड के पास सिर्फ 12 प्रतिशत समय ही गेंद का कब्जा रहा। मैच के बाद अपने फैसलों पर उठे सवालों के जवाब में ट्यूखल ने कहा, 'नहीं, मुझे बिल्कुल नहीं लगता कि फैसले गलत थे। फुटबॉल का यही स्वभाव है। हार के बाद आलोचना होना तय है। कोई नहीं जानता कि अगर हम अलग फैसले लेते तो क्या होता। उन फैसलों की जिम्मेदारी मेरी है और आलोचना भी मैं ही स्वीकार करूंगा।'

बुडापेस्ट में बजा भारत का डंका

अमन सहरावत ने जीता गोल्ड

एजेंसी, बुडापेस्ट

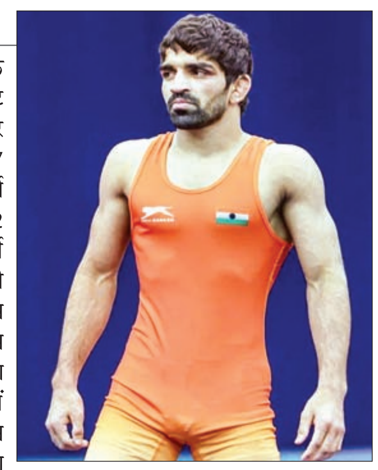

भारत के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया। फाइनल में 22 वर्षीय अमन ने जॉर्जिया के रोबर्टी डिंगाशविली को 13–3 से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ अमन ने एक बार फिर खुद को दुनिया के उभरते हुए शीर्ष पहलवानों में साबित किया। इससे पहले वह पेरिस ओलंपिक में भारत के सबसे युवा व्यक्तिगत पदक विजेता और अंडर-23 विश्व चैंपियन बनने वाले पहले भारतीय पहलवान भी रह चुके हैं।

भारत को एक और पदक 61 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में मिला, जहां दीपक ने कांस्य पदक मुकाबले में अजरबैजान के नूरदीन नोवरूजोव को 9–8 से हराकर पोडियम पर जगह बनाई। अब भारत की नजर 65 किलोग्राम वर्ग के दो और कांस्य पदकों पर है। कुमार मोहित का मुकाबला कजाकिस्तान के नाचिन कुलार से, जबकि विशाल कालीरमन का सामना कजाकिस्तान के ओस्पुमझान दस्तानबेक से होगा।

एएफसी अंडर-17 एशियाई कप

इराक–सीरिया से भिड़ेंगी भारत की युवा शेरनियां

एजेंसी, कुआलालंपुर। भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम को पांच से 11 अक्टूबर तक यहां होने वाले एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर में मलेशिया, सीरिया और इराक के साथ ग्रुप ई में रखा गया है। एशियाई फुटबॉल महासंघ (एएफसी) हाउस में वीरवार को ड्रॉ निकाला गया। भारत अपने अभियान की शुरुआत इराक के खिलाफ करेगा। उसके बाद वह सीरिया और मलेशिया का सामना करेगा। ग्रुप की विजेता टीम अगले वर्ष 31 मार्च से 17 अप्रैल तक चीन के सूज़ौ में होने वाले अंडर17 महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करेगी। भारत ने पिछली बार इस प्रतियोगिता के नॉकआउट चरण में जगह बनाई थी। पिछली चैंपियनशिप में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम मौजूदा चैंपियन उत्तर कोरिया, उपविजेता जापान, ऑस्ट्रेलिया और चीन ने प्रतियोगिता के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। उनके साथ क्वालीफायर में आठ ग्रुप की विजेता टीम भाग लेंगी।

ईडी ने अवैध घुसपैठ मामले में बंगाल में की छापेमारी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की अवैध घुसपैठ तथा फर्जी दस्तावेजों के जरिए उनके पुनर्वास से जुड़े धनशोधन मामले में वीरवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में छापेमारी की। इस दौरान पश्चिम बंगाल के कलिलकापुर स्थित हरौरा अल-जमीयतुल इस्लामिया दारुल उलूम से 40 लाख रुपए नकद और 130 ग्राम वजन के सोने के सिक्के बरामद किए गए। ईडी ने बताया कि परिसर के प्रभारी व्यक्ति से इस धन और सोने के बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला, जिसके बाद इसे धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 17 के तहत जब्त कर लिया गया।

ईडी ने कहा कि छापेमारी के दौरान डिजिटल उपकरण, दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की गई है, जिनकी जांच की जा रही है। संबंधित व्यक्तियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। एजेंसी ने बताया कि यह कार्रवाई एक संगठित गिरोह पर की गई है, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए अवैध घुसपैठ कराने, फर्जी आधार, पैन कार्ड और पासपोर्ट बनवाने तथा विदेशी धन के सहारे घुसपैठियों को भारत में बसाने का काम करता था।

◆ 40 लाख रुपए नकदी सोने के सिक्के बरामद

प्रारंभिक जांच में सामने आया था कि विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकृत कुछ सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट इस नेटवर्क से जुड़े हुए थे। इन ट्रस्टों को ब्रिटेन स्थित संस्थाओं से धन प्राप्त होता था, जिसे बाद में छोटी-छोटी किश्तों में संदिग्ध व्यक्तियों को भेजा जाता था, ताकि उन्हें भारत में स्थायी रूप से बसने में मदद मिल सके। इस धन का उपयोग ई-रिक्शा खरीदने, रोजगार उपलब्ध कराने और नकद सहायता देने जैसे कार्यों में किया जाता था।

भारत में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विदेशी छात्रों में सबसे अधिक नेपाली

एजेंसी, काठमांडू। भारत में उच्च शिक्षा हासिल करने वाले विदेशी छात्रों में नेपाल के छात्रों की संख्या सबसे अधिक है। भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (2023–24) के अनुसार, देश के विश्वविद्यालयों में कुल 58,134 विदेशी छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, जिनमें 24.1 प्रतिशत छात्र नेपाल से हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 173 देशों के छात्र अध्ययनरत हैं। नेपाल के बाद संयुक्त अरब अमीरात के 7 प्रतिशत, अमेरिका और बांग्लादेश के 5.9–5.9 प्रतिशत, नाइजीरिया के 5.5 प्रतिशत और जिम्बाब्वे के 4 प्रतिशत छात्र शामिल हैं। कुल विदेशी छात्रों में 73.6 प्रतिशत स्नातक और 16.8 प्रतिशत स्नातकोत्तर स्तर पर पढ़ाई कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि नेपाल से भारत आने वाले छात्रों की बड़ी संख्या के पीछे कई कारण हैं। दोनों देशों की भौगोलिक नजदीकी, समान संस्कृति, कम खर्च, बेहतर विश्वविद्यालय और आसान आवागमन छात्रों को आकर्षित करते हैं। नेपाली छात्रों को भारत आने के लिए वीजा की आवश्यकता भी नहीं होती।

शिक्षाविदों के अनुसार, भारत में समय पर कक्षाएं, परीक्षाएं और परिणाम जारी होने से भी छात्र यहां पढ़ाई को प्राथमिकता देते हैं। नेपाल में शैक्षणिक कैलेंडर में देरी के कारण कई छात्र भारत का रुख करते हैं। नेपाल के शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, मई 2024 से मार्च 2026 तक भारत में अध्ययन के लिए 14,720 एनओसी जारी किए गए हैं।

शेयर बाजार सपाट बंद; सेंसेक्स एक अंक बढ़ा, पांच अंक फिसला निफ्टी

एजेंसी, मुंबई। घरेलू शेयर बाजार वीरवार को मामूली उतार-चढ़ाव के बाद लगभग सपाट स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स एक अंक की बढ़त के साथ 77,186 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 5 अंक गिरकर 24,072 पर आ गया। कारोबार के दौरान बाजार में निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली देखने को मिली, जिससे बाजार पर दबाव बना रहा। हालांकि, कुछ प्रमुख शेयरों में खरीदारी के चलते सेंसेक्स सीमित बढ़त बनाए रखने में सफल रहा। इससे पहले बुधवार को शेयर बाजार में तेजी दर्ज की गई थी। सेंसेक्स 77,185 पर और निफ्टी 24,079 के स्तर पर बंद हुआ।

सोना 189 रुपए गिरा और चांदी 680 बढ़ी

नई दिल्ली। सोने के दाम में आज यानी 16 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 189 रुपए गिरकर 1.42 लाख रुपए पर आ गया है। वहीं, एक किलो चांदी 680 रुपए बढ़कर 2.20 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 9 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 10 हजार रुपए की गिरावट है।

कनाडा में जंगल की आग के बीच फंसी ट्रेन

एजेंसी, ओंटारियो

कनाडा के ओंटारियो प्रांत में भीषण जंगल की आग के बीच कैनेडियन नेशनल रेलवे के कर्मचारी मौत के बेहद करीब पहुंच गए। धुएं के कारण विजिबिलिटी लगभग खत्म हो गई थी। इसी दौरान एक ट्रक में आग लग गई और वह ट्रेन से टकरा गया। हालांकि, सभी कर्मचारी सुरक्षित बाहर निकल आए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में ट्रेन के इंजन की खिड़कियों के बाहर चारों ओर जंगल में आग की ऊंची लपटें दिखाई देती हैं। आसमान नारंगी रंग का नजर आता है और कर्मचारी तत्काल निकासी की मांग करते सुनाई देते हैं। वीडियो में ट्रेन के दोनों ओर जंगल धधकते दिखाई दे रहे हैं, जबकि ट्रेन के कर्मचारी वायरलेस पर मदद मांगते सुनाई देते हैं। वीडियो में एक कर्मचारी कहता है कि आग कभी भी हमें अपनी चपेट में ले सकती है। अब हालात डराने वाले हो गए हैं। यह घटना ओंटारियो के आर्मस्ट्रॉन्ग इलाके के पास हुई, जहां ट्रेन जलते हुए पेड़ों के बीच से गुजर रही थी। घटना के बाद सीएन रेलवे ने एहतियात के तौर पर प्रभावित इलाके में सभी रेल सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दीं। कंपनी ने आर्मस्ट्रॉन्ग कस्बे के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। यह इलाका उत्तर-पश्चिमी ओंटारियो में जंगल की आग से प्रभावित है।

महंगाई, पेपर लीक, आरक्षण समेत कई मुद्दों पर हमलावर होगा विपक्ष

मानसून सत्र में सरकार को घेरने की तैयारी में कांग्रेस

एजेंसी, नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र से पहले कांग्रेस संसदीय दल की रणनीतिक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सीपीपी चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने की। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत पार्टी के वरिष्ठ सांसद शामिल हुए।

बैठक में मानसून सत्र के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दों और सरकार को घेरने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। कांग्रेस ने तय किया है कि वह महंगाई, पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था की खामियों, भ्रष्टाचार के आरोप, संस्थागत मुद्दों और सामाजिक अधिकारों से जुड़े विषयों को संसद में प्रमुखता से उठाएगी।

बैठक के बाद खरगे ने कहा कि कांग्रेस चढ़ावा चोरी, आस्था के साथ धोखा, परीक्षा प्रणाली की गड़बड़ियों, राजनीतिक दलों को तोड़ने, विदेश नीति, एथेनॉल मिश्रण, वनों की कटाई और एससी-एसटी, ओबीसी व अल्पसंख्यकों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि बैठक में परिसीमन विधेयक, संविधान संशोधन विधेयक, विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक और एफसीआरए विधेयक पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि पार्टी इन विधेयकों का विरोध करेगी।

रमेश ने कहा कि कांग्रेस परिसीमन विधेयक का विरोध करेगी। उनका आरोप है कि सरकार महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़कर लागू करना चाहती है। उन्होंने कहा कि विपक्ष पहले भी इस मुद्दे पर अपनी आपत्ति दर्ज करा चुका है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मानसून सत्र में नीट विवाद, ई20 नीति, महंगाई और शिक्षा व्यवस्था जैसे मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 19 दिनों के सत्र में विपक्ष एकजुट होकर जनता से जुड़े सवालों को संसद में रखेगा।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन दौड़ने को तैयार

एजेंसी, चंडीगढ़। भारत की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से रवाना की जाएगी। यह ट्रेन जींद और सोनीपत के बीच 89 किलोमीटर के मार्ग पर चलेगी। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक से संचालित यह ट्रेन हाइड्रोजन को बिजली में बदलकर चलती है, जिससे केवल जल–वाष्प निकलती है और कार्बन उत्सर्जन नहीं होता। ट्रेन में हाइड्रोजन रिसाव, गर्मी, आग और धुएं का पता लगाने वाली अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली लगाई गई है। यह ट्रेन 110 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति और 75 किमी प्रति घंटे की परिचालन गति से चलेगी। भारतीय रेलवे ने इसे 10 कोच वाली यात्री ट्रेन के रूप में तैयार किया है, जिसकी क्षमता करीब 2,600 यात्रियों की है। रेलवे भविष्य में कालका–शिमला जैसे विरासत रेल मार्गों पर भी हाइड्रोजन तकनीक के उपयोग की संभावनाएं तलाश रहा है।

◆ जींद-सोनीपत रूट पर चलेगी शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली ट्रेन